हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 23 फरवरी 2025

RERA NO. PCGRERA200924001830

The luxury life, with natural living

Plots, luxury villas and luxury floors with exclusive amenities and the vast green forest

STATE-OF-THE-ART AMENITIES

- Putting Pitch
- Half Olympic Sized Pool
- Amphitheatre & Multi-purpose lawn
- Aerial Tree Deck
- Sports Zone
- Jogging Track
- Kid's Play Area

Call us: +91-7049110000 / 20000/ 30000/ 40000

sales@ramaeiko.com/ www.ramaeiko.com

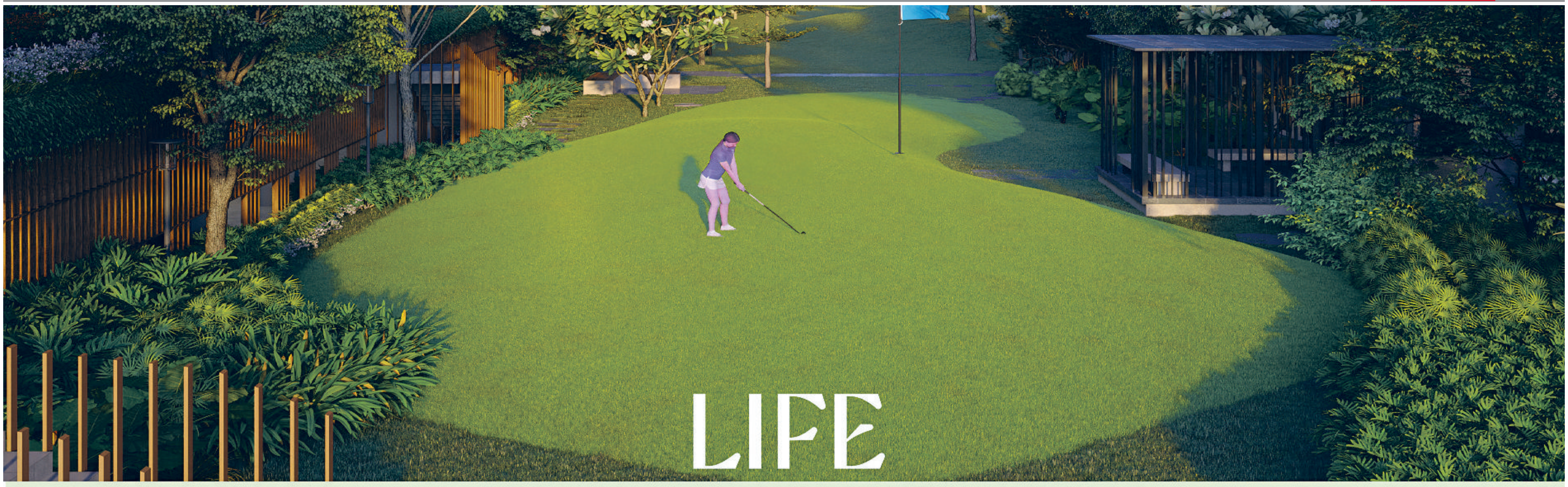

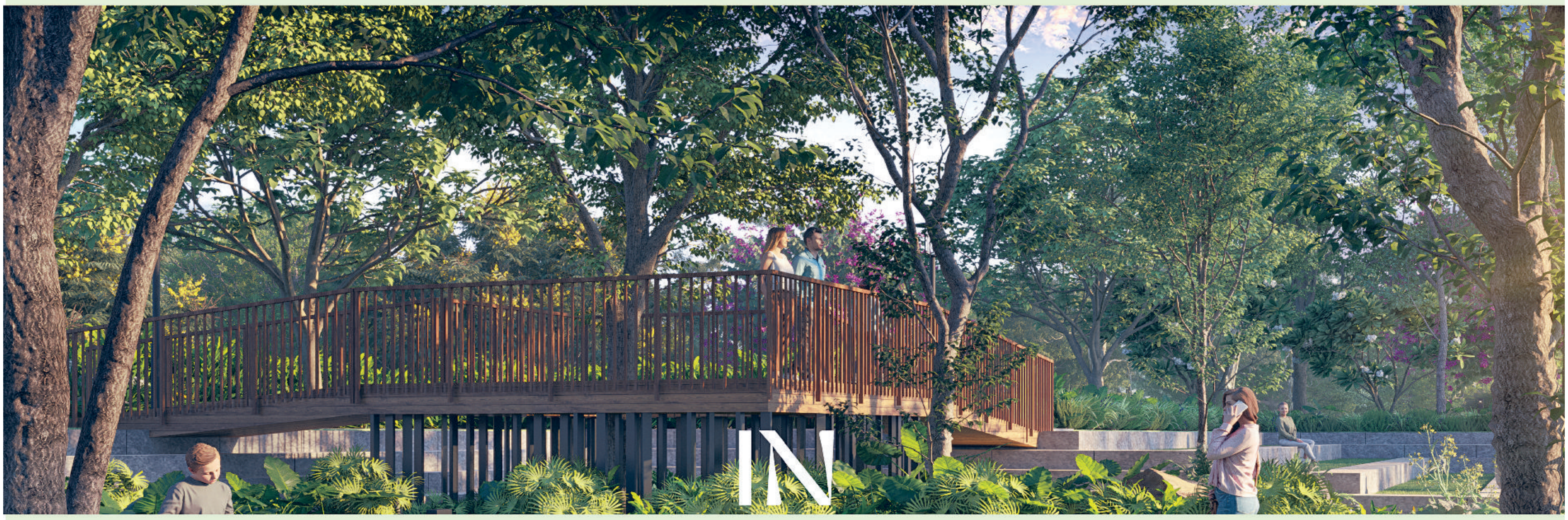

Site Address

Rama Eiko, Near Palm Bellagio, Shankar Nagar, Raipur, Chhattisgarh, 492007

जनसैलाब से भीषण जाम

प्रयागराज महाकुंभ का 41वां दिन

अब तक 60 करोड़ लोगों ने किया स्नान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के 'प्रयागराज महाकुंभ' का शनिवार को 41वां दिन है। कुंभ में आज भी आस्था का जनसैलाब है। प्रयागराज में एंट्री पॉइंट से लेकर शहर के अंदर तक भीषण जाम है। संगम से 10 किमी पहले गाड़ियों को रोका जा रहा है। यहां से संगम तक लोगों को पैदल जाना पड़ रहा है। अब तक 60 करोड़ लोगों ने स्नान किया है। भीषण जाम को देखते हुए प्रशासन ने 24 फरवरी को 10वीं-12वीं के बोर्ड एग्जाम नहीं कराने का फैसला लिया है। इलाहाबाद के स्थानीय लोग 'हाउस अरेस्ट' की स्थिति में हैं।

खबर संक्षेप

मॉरीशस राष्ट्रीय दिवस समारोह : मुख्य अतिथि होंगे मोदी

पोर्ट लुइस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले महीने मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम ने इसकी घोषणा की। रामगुलाम ने इसे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों का प्रमाण बताया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री रामगुलाम ने शुक्रवार को 'नेशनल असेंबली' को संबोधित करते हुए कहा, 'यह हमारे देश के लिए वास्तव में एक विशेष सम्मान की बात है कि (प्रधानमंत्री मोदी के) इतने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद हमें ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करने का अवसर मिलेगा।' हर साल 12 मार्च को मॉरीशस अपना राष्ट्रीय दिवस मनाता है। इसे 12 मार्च, 1968 को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली थी।

जेएनयू समेत इन 3 यूनिवर्सिटी के प्रोफेसरों ने रिसर्च पर जताया संदेह

'संगम में गंगा जल को लेकर सीबीसीबी की रिपोर्ट है अधूरी'

और अधिक डेटा जुटाने की आवश्यकता

प्रयागराज के गंगा जल में 'फीकल' बैक्टीरिया के संदूषण संबंधी रिपोर्ट पर मिश्रा ने कहा, 'हमें और अधिक डेटा जुटाने की आवश्यकता है। महाकुंभ में बहुत बड़ी संख्या में लोग स्नान कर रहे हैं। अगर आप कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की बात करें, तो यह कोई नई बात नहीं है।'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

त्रिवेणी संगम में गंगा जल की शुद्धता को लेकर हाल ही में जारी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीबीसीबी) की एक रिपोर्ट के अंशों को तीन विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों ने गलत ढंग से प्रसारित करने का संदेह जताया है। उनका कहना है कि 'नाइट्रेट' और 'फॉस्फेट' जैसे तत्वों का रिपोर्ट में उल्लेख नहीं है।

सरकार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉक्टर अमित कुमार मिश्रा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान केंद्र के प्रोफेसर उमेश कुमार सिंह और दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर आरके रंजन ने कहा कि मौजूदा रिपोर्ट के आधार पर भी गंगा जल क्षारीय है, जोकि स्वस्थ जल निकाय का संकेत है। उन्होंने कहा कि जल में घुलनशील ऑक्सीजन की मात्रा के आधार पर इसे स्नान योग्य ही माना जाएगा।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया था 'अशुद्ध'

सीबीसीबी के डेटा में काफी अंतर

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर रंजन ने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डेटा में काफी अंतर है, यह निष्कर्ष निकालना कि पानी नहाने के लिए असुरक्षित है, दरअसल जल्दबाजी होगी।

सीपीसीबी को रिपोर्ट पर और काम करने की जरूरत

कुछ दिन पहले, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीबीसीबी) ने एक रिपोर्ट तैयार की जिसमें पानी में फीकल कोलीफॉर्म (बैक्टीरिया) के बढ़े हुए स्तर की बात कही गई है। वहीं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सिंह ने कहा, 'मेरा मानना है कि सीपीसीबी को रिपोर्ट पर और काम करने की जरूरत है, क्योंकि उनके पास पूरा डेटा नहीं है। उनके अनुसार, रिपोर्ट में नाइट्रेट और फॉस्फेट नहीं है। वहीं, रिपोर्ट के अनुसार पानी में घुली ऑक्सीजन का स्तर अच्छा है। ऐसे में, मौजूदा डेटा के आधार पर, यह कहा जा सकता है कि त्रिवेणी संगम का पानी नहाने के लिए उपयुक्त है।'

यह लगाया गया आरोप

याचिका में आरोप लगाया गया है कि लाखों आम लोग और परिवार पर्याप्त सुविधाओं के अभाव में गंगा नदी के किनारे खुले में शौच करने को मजबूर हैं। आवेदन में दी गई दलील के समर्थन में आवेदक ने नदी में खुले में शौच करने के वीडियो क्लिप युक्त पेनड्राइव भी अटैच की है। बतादें कि हाल ही में, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीबीसीबी) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण की मुख्य पीठ के समक्ष रिपोर्ट दाखिल की, जिसमें चल रहे महाकुंभ मेले के दौरान प्रयागराज (यूपी) में नदी के पानी की गुणवत्ता के बारे में चिंताजनक निष्कर्ष सामने आए हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि महाकुंभ के दौरान देश भर से लोग जहां डुबकी लगा रहे हैं, वहां नदी के पानी की जांच में फेकल कोलीफॉर्म (मानव या पशुओं के मल का मिश्रण) का उच्च स्तर पाया गया। एनजीटी अब इस मामले की सुनवाई 24 फरवरी को करेगा।

महाकुंभ में खुले में शौच, एनजीटी ने यूपी सरकार को दिया नोटिस : *महाकुंभ में खुले में शौच करने के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने सख्ती दिखाई है। एनजीटी की मुख्य पीठ ने महाकुंभ मेले में शौचालय सुविधा की कमी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाली याचिका पर यूपी सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इसके अलावा प्रयागराज मेला प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भ नोटिस जारी किया जा चुका है। महाकुंभ में खुले में शौच को लेकर निपुण भूषण की ओर से एक याचिका दायर की गई थी।*

देवेंद्र दिल्ली में मिले राहुल गांधी से, कहा- न्याय की लड़ाई के लिए लड़ते रहेंगे...

भिलाई। भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव शनिवार को दिल्ली में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से मिले। देवेंद्र एक दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जेल से जमानत पर छूटे हैं। दिल्ली में देवेंद्र यादव के साथ उनकी पत्नी डॉ. श्रुतिका ताम्रकार यादव और बेटा राम राहुल गांधी से मिले। देवेंद्र ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर के दिखाए रास्ते पर चलते हुए देश से नफरत की राजनीति को खत्म करने आपने जो बीड़ा उठाया है वहीं उनका भी आदर्श है। देशभर में किसान, मजदूर आदिवासी, दलित, महिलाओं युवाओं का हक छीना जा रहा है, उनके अधिकारों के लिए लगातार कांग्रेस पार्टी लड़ती आई है। आगे भी आपके नेतृत्व में यह न्याय की लड़ाई हम लड़ते रहेंगे।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

2019 के पूर्व खरीदे गए वाहनों पर 19 मार्च तक लगाना होगा एचएसआरपी

नंबर प्लेट लगाने चलाया जाएगा अभियान

परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार पुराने वाहनों में हाई सेक्योरिटी नंबर प्लेट को लेकर मार्च के बाद प्रदेशभर में जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। बावजूद इसके वाहन मालिक पुराने नंबर प्लेट बदलकर एचएसआरपी नहीं लगवाते हैं, उनके खिलाफ ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर चालानी कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल नंबर अपडेट नहीं होने से बढ़ी परेशानी

पुराने वाहनों में पुराने नंबर प्लेट की जगह एचएसआरपी लगाने कई लोग आवेदन करना चाहते हैं, लेकिन उनके लिए परेशानी का कारण मोबाइल नंबर अपडेट नहीं होना है। एचएसआरपी कराने के लिए वाहन मालिक का मोबाइल नंबर जो पूर्व में दर्ज है। वह अपडेट होना चाहिए। ज्यादातर वाहन चालक जो पूर्व में वाहन खरीदे हैं उनके मोबाइल नंबर अपडेट नहीं है। इस वजह से पुराने नंबर प्लेट की जगह एचएसआरपी नहीं लगवा पा रहे हैं। इसके लिए परिवहन विभाग को वैकल्पिक व्यवस्था करने की जरूरत है।

हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट....टॉप पर दिल्ली, हरियाणा, छग फिसड्डी, 50 लाख वाहनों में से सिर्फ 40 हजार में ही लगी

गिरीश केशरवानी ⏭ रायपुर

हरिभूमि खास

हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट लगाने के मामले में छत्तीसगढ़ अन्य राज्यों की तुलना में टॉप टेन की सूची में सबसे निचले पायदान पर है। राज्य में वर्ष 2019 के पूर्व खरीदे गए वाहनों में 19 मार्च तक एचएसआरपी लगवाना अनिवार्य है। यहां 2019 के पूर्व कमर्शियल के साथ सभी तरह के वाहनों की संख्या 50 लाख के करीब है। इनमें से 40 से 50 हजार वाहनों में एचएसआरपी लग पाए हैं। ऐसे में टारगेट पूरा करना परिवहन विभाग के लिए एक बड़ी चुनौती है।

पिछले वर्ष नवंबर में वर्ष 2019 के पूर्व खरीदे गए वाहनों में अनिवार्य रूप से एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाने का आदेश जारी किया गया है। ⏭ शेष पेज 2 पर

वाहनों के लिए दर निर्धारित

टू-व्हीलर मोटर साइकिल, स्कूटर, मोपेड के अलावा ट्रैक्टर, पावर टीलर व ट्रेलर पर हाई सेक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने के लिए जीएसटी सहित 365.80 रुपए, थ्री व्हीलर के लिए 427.16, लाइट मोटर व्हीकल, पैसेंजर कार के लिए 656.08 और 705.64 रुपए दर निर्धारित है। सभी भुगतान डिजिटल मोड माध्यम से किए जा रहे हैं। ऑटोमोबाइल डीलरों द्वारा एक अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत मोटर वाहनों पर एचएसआरपी लगाने इंस्टालेशन के लिए 100 रुपए अतिरिक्त चार्ज के साथ लगाया जाना है।

एचएसआरपी लगाने टॉप टेन में छत्तीसगढ़ 10वें स्थान पर

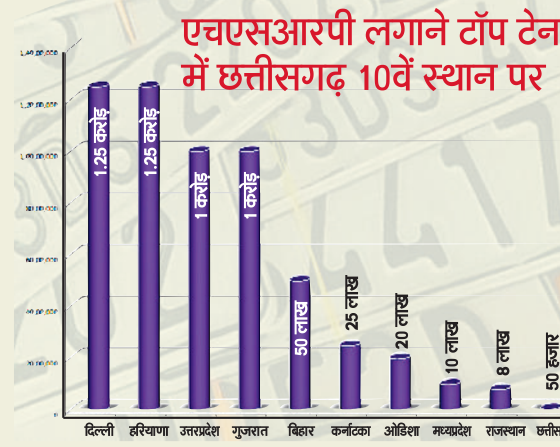

अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई

अप्रैल 2019 के पूर्व पुराने वाहनों में जिन लोगों ने पुराने की जगह नए एचएसआरपी नहीं लगवाया है, उन्हें जल्द से जल्द एचएसआरपी कराने के लिए कहा जा रहा है। इसके लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके बाद भी अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

\- डी. रविशंकर
अतिरिक्त परिवहन आयुक्त

छग के बजट में हो रहा इजाफा, कई सेक्टर के लिए खुला खजाना, इस बार फिर बढ़ेगा

24 बरस में 5700 से डेढ़ लाख करोड़ पहुंचा बजट, छह बरस पहले हुआ 'लखटकिया'

सुरेन्द्र शुक्ला ⏭ रायपुर

खास खबर

मध्य प्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ राज्य बने 25 साल से अधिक हो गए। इस साल वार्षिक बजट का आकार पौने दो लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच चुका है यानी करीब 30 गुना से ज्यादा बढ़ चुका है। जाहिर है, आने वाले साल में बजट लगभग दो लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच जाएगा। मूल बजट के अलावा हर साल अनुपूरक बजट भी पेश होते रहे हैं, इसलिए सालाना आंकड़ा तेजी से उछले। राज्य बनने के बाद बजट 5700 करोड़ रुपए से शुरू हुआ था। 1 नवंबर 2000 को मध्य प्रदेश से अलग कर छत्तीसगढ़ नया राज्य बनाया गया, जिसके बाद कांग्रेस नेता अजीत जोगी के नेतृत्व में राज्य की पहली सरकार बनी थी। तब से लेकर अब तक छत्तीसगढ़ के बजट का इतिहास दिलचस्प रहा है। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर बजट मुख्यमंत्री ने ही पेश किए हैं।

छत्तीसगढ़ के इन 25 सालों के इतिहास पर एक नजर डालें, तो कोरिया राजघराने से तालुक रखने वाले स्व. डॉ. रामचंद्र सिंहदेव राज्य के पहले वित्त मंत्री थे। इन्होंने बतौर वित्त मंत्री 3 बार छत्तीसगढ़ का ⏭ शेष पेज 2 पर

अमर ने तीन बार पेश किया बजट

2003 में बीजेपी सत्ता में आई तब वित्त मंत्री अमर अग्रवाल ने 3 बार बजट पेश किया। बीजेपी के शासनकाल में अमर अग्रवाल को वित्त विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रदेश के दूसरे वित्त मंत्री अमर अग्रवार को बतौर वित्त मंत्री 3 साल बजट पेश करने का मौका मिला।

अमर अग्रवाल को कम खर्चीले वित्त मंत्री के रूप में जाना जाता है। 2006 में अमर अग्रवाल ने वित्त विभाग की जिम्मेदारी छोड़ दी थी। 2004-05 में अमर अग्रवाल ने 10 हजार 555 करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जिसमें दो अनुपूरक बजट पेश किए गए। 2005-06 में अग्रवाल ने 11 हजार 242 करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जिसमें तीन अनुपूरक बजट पेश किए गए। 2006-07 में उन्होंने 13 हजार 185 करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जिसमें तीन अनुपूरक बजट शामिल थे। 2006 में अमर अग्रवाल ने वित्त विभाग की जिम्मेदारी छोड़ी और तत्कालीन सीएम रहे रमन सिंह ने वित्त विभाग की जिम्मेदारी ले ली।

रमन ने 12 बार

2007 में रमन सिंह ने अपने कार्यकाल का पहला बजट पेश किया। 2007 से लेकर 2018 तक रमन सिंह ने वित्त विभाग को अपने पास रखा और हर साल बतौर सीएम वे बजट पेश करते रहे। इस तरह रमन सिंह ने कुल 12 बार बजट पेश किया। 2018-19 में अंतिम बजट पूश किया।उनके कार्यकाल के दौरान बजट में मूल रुप से अधोसंरचना विकास पर फोकस रहा।

साय दूसरे ऐसे मुख्यमंत्री जो बजट पेश नहीं करेंगे

ऐसे में छत्तीसगढ़ के इतिहास में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दूसरे ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो बजट पेश नहीं करेंगे। अब तक राज्य में चार मुख्यमंत्री हुए हैं, जिनमें रमन सिंह और भूपेश बघेल ने बजट पेश किया है। अजीत जोगी ने बजट पेश नहीं किया है, अब इस ⏭ शेष पेज 2 पर

भूपेश ने पांच बार पेश किया

बीजेपी का शासन खत्म होने के बाद कांग्रेस का वनवास खत्म हुआ और 15 साल बाद पार्टी सत्ता में ⏭ शेष पेज 2 पर

राज्य का बजट जो पेश किया गया

वर्ष	बजट राशि
2001-02	7 हजार 294 करोड़
2002-03	8 हजार 471 करोड़
2003-04	9 हजार 978 करोड़
004-05	10 हजार 555 करोड़
2005-06	11 हजार 242 करोड़
2006-07	13 हजार 185 करोड़
2007-08	16 हजार 473 करोड़
2008-09	19 हजार 392 करोड़
2009-10	23 हजार 482 करोड़
2010-11	26 हजार 099 करोड़
2011-12	32 हजार 477 करोड़
2012-13	39 हजार 677 करोड़
2013-14	44 हजार 169 करोड़
2014-15	54 हजार 710 करोड़
2015-16	65 हजार 013 करोड़
2016-17	76 हजार 032 करोड़
2017-18	88 हजार 599 करोड़
2018-19	95 हजार 899 करोड़
2019-20	1 लाख 20 हजार करोड़
2021-22	97 हजार 106 करोड़
2022-23	1 लाख 04 हजार 603 करोड़
2023-24	1 लाख 21 हजार 501 करोड़
2024-25	1 लाख 47 हजार 446 करोड़

2003-04 के बजट में आया था सबसे बड़ा उछाल: पिछले 25 सालों के बजट में सबसे बड़ा उछाल 2003-04 के बजट में आया। कांग्रेस की पहली सरकार के आखिरी बजट में 9 हजार 270 करोड़ रुपए की व्यवस्था थी। यह पिछले बजट से 35 प्रतिशत अधिक राशि थी। उसके बाद 2011-12 और 2014-15 में 24-24 प्रतिशत की ⏭ शेष पेज 2 पर

इन क्षेत्रों में सबसे अधिक निवेश: पिछले कुछ वर्षों के बजट को देखें तो सरकार कृषि, स्वास्थ्य और शहरी व ग्रामीण विकास की योजनाओं पर अधिक खर्च करती रही हैं। मौजूदा सरकार ने अपने बजट में शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण, कला और संस्कृति पर सबसे अधिक पैसा दिया है। उसके बाद कृषि और संबद्ध सेवाओं ⏭ शेष पेज 2 पर

साय कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले

कैबिनेट में बजट प्रारूप मंजूर, अनुपूरक भी

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र शुरू होने से पहले विष्णुदेव साय कैबिनेट ने कई अहम फैसले लिए। शनिवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में कई बड़े फैसलों पर मुहर लगी। बैठक में बजट प्रारूप को मंजूरी दी गई, साथ ही अनुपूरक बजट पर भी मंथन हुआ। कैबिनेट ने किसानों के हित में फैसला लिया है कि बीज निगम सबसे पहले छत्तीसगढ़ के बीज उत्पादकों से बीज खरीदेगा, उसके बाद जरूरत हुई तो दूसरे संस्थान का रुख किया जाएगा। कैबिनेट ने वन अफसरों के लिए भी बड़ा फैसला लिया है। ⏭ शेष पेज 2 पर

किसानों के शेष भुगतान के लिए राशि जारी

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए समर्थन मूल्य पर किसानों से उपार्जित धान की शेष राशि का भुगतान करने के लिए 3300 करोड़ रुपए की राशि जारी करने के लिए कैबिनेट ने सहमति दी। धान खरीदी बंद होने के बाद अभी 3000 करोड़ से ज्यादा का भुगतान शेष है। पिछले दिनों साय सरकार ने 1000 करोड़ रुपए जारी किए थे। अब कैबिनेट ने 3000 करोड़ रुपए की मंजूरी दे दी है।

दो विधेयकों का अनुमोदन

राज्यपाल के अभिभाषण का मंत्रिपरिषद ने अनुमोदन किया। छत्तीसगढ़ लोकतंत्र सेनानी सम्मान विधेयक 2025 के प्रारूप को मिली मंजूरी। भारतीय स्टाम्प अधिनियम-1899 (छत्तीसगढ़ संशोधन) विधेयक 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू हो रहा है। दोनों विधेयकों को सत्र के दौरान पेश किया जाएगा।

वन सेवा के अधिकारियों के लिए अहम फैसला

कैबिनेट में छत्तीसगढ़ कैडर के भारतीय वन सेवा के 30 वर्ष की अर्हकारी सेवा पूर्ण कर चुके 1992 से 1994 बैच तक के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक को लेकर महत्वपूर्ण फैसला किया गया है। ऐसे पद पर पदस्थ अधिकारियों को गैर कार्यात्मक आधार पर यथास्थान प्रधान मुख्य वन संरक्षक के समकक्ष स्केल प्रदाय करने के लिए आवश्यक पद सृजन का फैसला लिया गया।

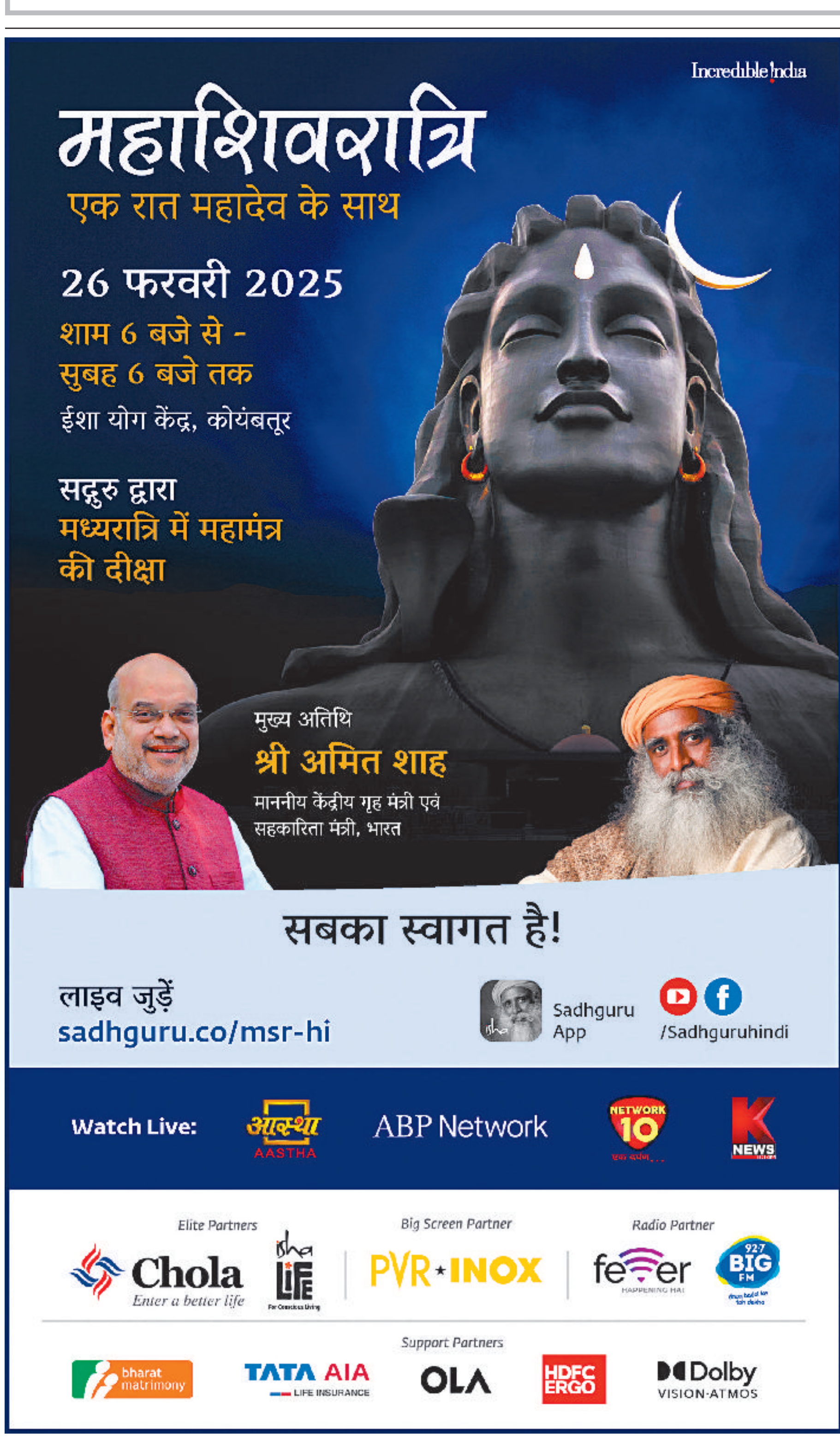

डॉक्टर्स फेडरेशन ने सीएम से लगाई थी गुहार

ड्यूटी के दौरान जूडो के साथ छेड़खानी, एचओडी पर केस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

संभाग के सबसे बड़े सिम्स अस्पताल और मेडिकल कालेज के मेडिसिन विभाग के एचओडी द्वारा जूनियर डाक्टर के साथ छेड़छाड़ और उत्पीड़न करने के मामले में सिटी कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। इसके बाद सिम्स में हड़कंप मच गया है। मामले का खुलासा होने के बाद सिम्स प्रबंधन ने प्रोफेसर को परीक्षा कार्य से अलग कर दिया था। सिम्स अस्पताल एक ⏭ शेष पेज 2 पर

सिम्स मेडिकल कालेज में मचा हड़कंप

जांच के बाद होगी कार्रवाई

जूनियर डाक्टर ने सिम्स के एचओडी के खिलाफ लंबे समय से ड्यूटी के दौरान अश्लील हरकते करते हुए छेड़खानी करने की रिपोर्ट लिखाई है। उसकी रिपोर्ट पर डॉ. पंकज टेम्भूर्णीकर के खिलाफ छेड़खानी का मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

\-विवेक पांडेय
टीआई, सिटी कोतवाली

शशिकांत दास को बड़ी जिम्मेदारी

पूर्व आरबीआई गवर्नर होंगे प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आरबीआई के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूसरा प्रधान सचिव नियुक्त किया गया। गुजरात कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी पीके मिश्रा इस समय प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में कार्यरत हैं। तमिलनाडु कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दास का कार्यकाल प्रधानमंत्री के कार्यकाल तक या अगले आदेश तक होगा।

अलग-अलग क्षेत्रों का अनुभव

शक्तिकांत दास के पास चार दशकों में शासन के अलग-अलग क्षेत्रों का व्यापक अनुभव है। उन्होंने फाइनेंस, टैक्सेशन, इंडस्ट्री, इंफ्रास्ट्रक्चर आदि क्षेत्रों में केंद्र और राज्य सरकारों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। कोविड महामारी के दौरान आरबीआई गवर्नर के रूप में शक्तिकांत दास ने भारत की वित्तीय स्थिरता को मजबूत करने के लिए कई जरूरी कदम उठाए थे। उन्होंने ग्लोबली चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को कम किया।

यूएस-एड द्वारा भारत को 21 मिलियन डॉलर प्रदान किए जाने के दावे का मुद्दा आजकल चर्चा में है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद से भारत में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। सत्ता दल भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस एक-दूसरे पर पलटवार कर रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी यूएस-एड अनुदान रिकार्ड के आधिकारिक ओपन डेटा-सोर्स के मुताबिक भारत को प्रदान की गई अनुदान राशि का कोई उल्लेख ही नहीं है। वर्ष 2008 के पश्चात यूएस-एड द्वारा कोई अनुदान राशि भारत को प्रदान ही नहीं की गई। ट्रंप जिस यूएस-एड की बात कर रहे हैं, वह असल में बांग्लादेश को वितरित की गई थी। इस मुद्दे पर भारत द्वारा चुप्पी साधे रखना भी बड़े सवाल खड़े कर रहा है। इससे देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। इन सबके बावजूद, भारत को हर मुद्दे पर अमेरिका के साथ सुपर पावर की तरह पेश आना चाहिए। सबूत भी मांगने चाहिए और दावों का खुलासा करने पर भी जोर देना चाहिए। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार संबंधित विभाग और अधिकारी अमेरिकी गतिविधियों और वित्तपोषण के संबंध में अमेरिकी दावों की जांच कर रहे हैं। इन्हीं सब मुद्दों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

यूएस-एड के दावों की जांच जरूरी

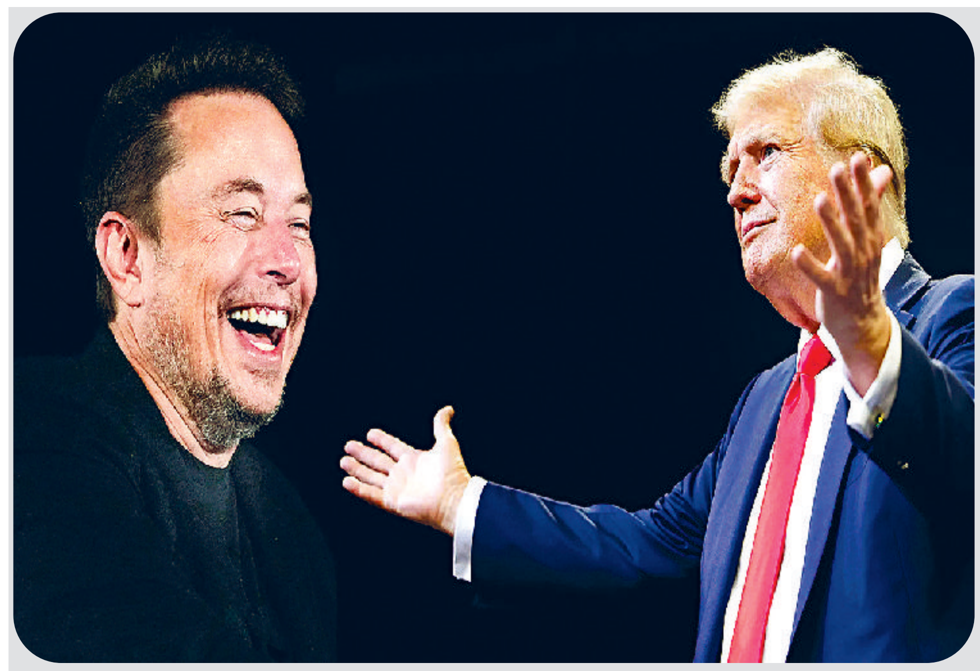

कूटनीति
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

> **अमेरिकी ट्रंप प्रशासन के दक्षता मंत्रालय के प्रभारी सेक्रेटरी एलन मस्क ने एक बयान में कहा था कि भारत के आम चुनाव को प्रभावित करने के लिए यूएस-एड द्वारा 21 मिलियन डॉलर अर्थात 142 करोड़ रुपये प्रदान किए गए। जिस दौर की यह बात है, तब 70 रुपये का एक डॉलर होता था। आजकल एक डॉलर 85 रुपये है। यूएस-एड द्वारा प्रदान की गई राशि को अब अमेरिकी प्रशासन प्रतिबंधित कर रहा है। एलन मस्क के इस बयान ने भारतीय राजनीति में तूफान सा बरपा कर दिया। एक मीडिया संस्थान की विस्तृत जांच पड़ताल के बाद यह तथ्य अब बाकायदा उद्घाटित हो गया कि यह धन राशि भारत को नहीं बल्कि बांग्लादेश को प्रदान की गई थी।**

विगत कुछ दिनों से भारत के राजनीतिक पटल पर जबरदस्त सनसनीखेज झूठ चलता रहा। आखिरकार इस झूठ का भारतीय मीडिया द्वारा बाकायदा पर्दाफाश कर दिया गया है। नितांत झूठ का पर्दाफाश हो जाने के पश्चात अब सियासी सन्नाटा है। इससे एक तथ्य पुनः स्पष्ट हो जाता है कि भारतीय राजनीति में झूठ से परिपूर्ण प्रचार प्रसार का कितना अधिक बोलबाला स्थापित हो गया है। अमेरिकन विदेश मंत्रालय की एक एजेंसी है यूएस-एड जिसका पूरा नाम यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल एड एंड डेवलपमेंट है। अमेरिकी ट्रंप प्रशासन के दक्षता मंत्रालय के प्रभारी सेक्रेटरी एलन मस्क ने अपने एक बयान में कहा था कि भारत के आम चुनाव को प्रभावित करने के लिए यूएस-एड द्वारा 21 मिलियन डॉलर अर्थात 142 करोड़ रुपये प्रदान किए गए। जिस दौर की यह बात है, तब 70 रुपये का एक डॉलर होता था। आजकल एक डॉलर 85 रुपये है। यूएस-एड द्वारा प्रदान की गई राशि को अब अमेरिकी प्रशासन प्रतिबंधित कर रहा है। एलन मस्क के इस बयान के बाद भारतीय राजनीति में तूफान सा बरपा गया।

बांग्लादेश को प्रदान की गई थी राशि

एक मीडिया संस्थान द्वारा अंजाम दी गई विस्तृत जांच पड़ताल के बाद यह तथ्य अब बाकायदा उद्घाटित हो गया कि यह धन राशि भारत को नहीं वरन् बांग्लादेश को प्रदान की गई थी। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने दावा पेश किया था कि वोटर टर्न आउट बढ़ाने के लिए यह धन राशि भारत को प्रदान की गई थी। जुलाई वर्ष 2022 में अमेरिकी यूएस-एड द्वारा 142 करोड़ धन राशि बांग्लादेश के चुनाव में वोटर टर्न आउट बढाने की खातिर अनुदान की गई थी। इस राशि के 13.4 मिलियन डॉलर बांग्लादेश में वर्ष 2024 के आम चुनाव से पहले बाकायदा व्यय किए जा चुके थे। यूएस-एड द्वारा वाशिंगटन की एक संस्था कंसोर्टियम फॉर इलेक्शन एंड पॉलिटिकल प्रोसेस स्ट्रेंथनिंग के माध्यम से 21 मिलियन डॉलर बांग्लादेश की एक स्वयंसेवी संस्था को भेजे गए थे, जबकि ट्रंप प्रशासन के शासकीय दक्षता विभाग के सेक्रेटरी कॉरपोरेट टाइकून एलन मस्क द्वारा बिना किसी पुष्ट आधार के बेबुनियाद बयान दे दिया गया कि 21 मिलियन डॉलर भारत को दिए गए।

भारत ने नहीं किया बयान का खंडन

भारतीय हुकूमत द्वारा एलन मस्क के बयान का वक्त रहते खंडन नहीं किया गया। जबकि फॉरेन एक्सचेंज रेगुलेशन एक्ट (फेरा) के तहत भारत भेजे गए विदेशी धन का संपूर्ण ब्यौरा भारत सरकार के पास विद्यमान रहता है। यहां तक कि एलन मस्क द्वारा दिए गए बयान को अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भी ज्यों का त्यों दोहरा दिया कि भारत को 21 मिलियन डॉलर को प्रदान किए गए थे। फिर क्या था, भारतीय राजनीतिक पटल पर अनेक दिनों तक सियासी कोहराम मचा रहा। भाजपा और कांग्रेस पार्टियां बिना किसी ठोस आधार के केवल ट्रंप प्रशासन द्वारा दिए गए नितांत झूठे बयान के आधार पर परस्पर आरोप प्रत्यारोप के झंझावात में फंस गई। अमेरिकी यूए-एड द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रत्येक अनुदान के साथ ही एक विशिष्ट निष्पादन संलग्न होता है, जिसमें कि उस देश का नाम भी उल्लेखित किया जाता है, जहां कि इस अनुदान को व्यय किया जाना होता है। अमेरिकी यूएस-एड अनुदान रिकार्ड के आधिकारिक ओपन डेटा-सोर्स के मुताबिक भारत को प्रदान की गई यूस-एड की अनुदान राशि का कोई उल्लेख ही नहीं है।

2008 के बाद भारत को नहीं मिली राशि

वर्ष 2008 के पश्चात यूएस-एड द्वारा कोई अनुदान राशि भारत को प्रदान नहीं की गई है। यूस-एड वस्तुतः विभिन्न देशों की सरकारों को विकास कार्यों को आर्थिक सहायता प्रदान करती रही है और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी आर्थिक सहायता प्रदान करती है। यूएस-एड द्वारा प्रदान किए जाने वाले धन राशि की समस्त जानकारी डाटा- सोर्स पर बाकायदा उपलब्ध बनी रहती है। उल्लेखनीय है कि यूएस-एड दीर्घ काल से बांग्लादेश के विकास कार्यक्रमों में सक्रिय तौर पर भागीदार बना रहा है। मोहम्मद यूनुस की कयादत में बांग्लादेश की अंतरिम हुकूमत के साथ हाल ही में यूएस-एड द्वारा 200 मिलियन डॉलर के विकास कार्यक्रमों पर दस्तखत किए गए हैं। लोकतांत्रिक जागरुकता उत्पन्न करने के कुटिल नकाब में अमेरिका द्वारा शेख हसीना हुकूमत के तख्ता पटल की साजिश रची गई थी।

जमात-ए-इस्लामी तंजीम के छात्र संगठन के सर्वोच्च लीडर महफूज आलम को यूनुस हुकूमत में मोहम्मद यूनुस के स्पेशल असिस्टेंट का विशिष्ट स्थान प्रदान किया गया है। सरकारी नौकरियों में अवामी लीग से संबंधित लोगों को आरक्षण के विरुद्ध छात्र आंदोलन आरंभ किया गया था। अवामी लीग को प्रदत्त आरक्षण को खत्म कर देने की मांग को शेख हसीना हुकूमत द्वारा तसलीम कर लिया गया था, किंतु इस सबके बावजूद कट्टरपंथी तंजीम जमात-ए- इस्लामी द्वारा प्रेरित और पोषित छात्र आंदोलन बाकायदा पूरी ताकत के साथ जारी रहा। अंततः छात्र आंदोलन की आड़ में जमात-ए-इस्लामी द्वारा शेख हसीना की हुकूमत तख्तापलट कर दिया गया। यूएस-एड द्वारा कथित तौर पर लोकतांत्रिक जागरुकता उत्पन्न करने के लिए प्रदान की गई, यह विशाल धन राशि आखिरकार कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी और उसके लीडर महफूज आलम को सत्ता में आसीन कर गई।

जमात ए इस्लामी को ताकतवर बनाया

नोबेल प्राइज विजेता मोहम्मद यूनुस तो जमात ए इस्लामी के हाथों की कठपुतली बनकर रह गए हैं। महफूज आलम बांग्लादेश की आतंकवादी तंजीम हिजबुल तहरीर का सक्रिय आतंकी रहा है। इस्लामिक कट्टरपंथियों को शक्तिशाली बनाने की जैसी ऐतिहासिक गलती अमेरिका ने पाकिस्तान में अंजाम दी थी और फिर उसका गंभीर परिणाम भी भुगत लिया है। तकरीबन उसी श्रेणी की राजनीतिक गलती अमेरिका ने बांग्लादेश में भी अंजाम दे डाली है। जमात-ए- इस्लामी को ताकतवर बनाकर क्या हासिल कर लेगा अमेरिका नव-साम्राज्यवादी फितरत की अमेरिकी हुकूमत वस्तुतः सीरिया की बशर अल असद हुकूमत का तख्तापलट करने की खातिर अल बगदादी सरीखे जेहादी आतंकवादी की खुले और गुप्त तौर पर सैन्य इमदाद करती रही थी। सीरिया में 85 करोड़ डॉलर का इनाम याफ्ता आतंकवादी सरगना अब अमेरिका चहेता बन बैठा है। दरअसल अमेरिका की कुख्यात खुफिया एजेंसी सीआईए अपनी तख्ता पटल साजिशों को अंजाम देने की खातिर यूस-एड सरीखे विभाग और मुखतलिफ अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषित एजेंसियां दुनिया के विभिन्न देशों में सक्रिय स्वयं सेवी संस्थाओं का दुरुपयोग करती ही रहती हैं। शेख हसीना के अब्बा जान बांग्लादेश के निर्माता शेख मुजीब और उनके परिवार की नृशंस हत्या में अमेरिकी सीआईए का हाथ उजागर हुआ था।

अमेरिका नहीं चाहता था बांग्लादेश का निर्माण

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की प्रबल समर्थक रही उस दौर की अमेरिकी सरकार को बांग्लादेश का निर्माण कदाचित स्वीकार्य नहीं था। वस्तुतः भारतीय सेना की सक्रिय दखलंदाजी के फलस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण रोकने में अमेरिका नाकाम रहा, किंतु बांग्लादेश के कुछ सैन्य अफसरों के माध्यम से सीआईए शेख मुजीब का कत्ल अंजाम देकर तख्ता पलट कराने में कामयाब रहा। पाकिस्तान की राजसत्ता में अमेरिकी हस्तक्षेप तो सदैव ही सर्वविदित रहा है। चीन के अधिक निकट जाने के कारणवश जुल्फिकार अली भुट्टो की हुकूमत का जनरल जिया-उल-हक द्वारा तख्ता पलट में अमेरिकी सीआईए का हाथ निरूपित किया जाता है, क्योंकि तत्कालीन सोवियत रूसी सेना के विरुद्ध अफगान जिहादियों का सैन्य समर्थन करने के लिए तत्कालीन पाक प्रधानमंत्री भुट्टो कदाचित तैयार नहीं हुए थे। कथित तौर पर आर्थिक और सैन्य सहायता के माध्यम से राजनीतिक और सैन्य दखलंदाजी अंजाम देने का अमेरिकी हुकूमतों का दीर्घकालीन का इतिहास रहा है। अफगानिस्तान में कट्टरपंथी इस्लामिक जिहादी सरगना ओसामा बिन लादेन और उसकी तंजीम अलकायदा की परवरिश और परिपोषण करने के लिए अमेरिका द्वारा अरबों-खरबों खर्च कर दिए गए।

अंततः सोवियत रूस के पराभव के पश्चात अलकायदा और ओसामा बिन लादेन ही अमेरिका के प्रबल दुश्मन बनकर उभरे और उसके जिहादी आतंकवादियों द्वारा सन 2001 के 9-11 को न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर नृशंस आक्रमण अंजाम दिया। परिणाम स्वरूप अफगानिस्तान में तकरीबन 20 वर्षों तक अमेरिकन सैन्य दखलंदाजी निरंतर बनी रही, किंतु आखिरकार अमेरिकी सेना को तालिबान के हाथों पराजित होकर और आधुनिकतम हथियारों का बड़ा जखीरा छोड़कर अफगानिस्तान से पलायन कर जाने पर विवश होना पड़ा। लोकतांत्रिक अमेरिका अपने तत्कालीन फायदे की खातिर वैश्विक जिहादियों को तैयार करने वाले सबसे कुख्यात देश पाकिस्तान की विराट पैमाने पर सैन्य और आर्थिक सहायता करता रहा है।

नव साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा मूल कारण

द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात एक महाशक्ति के तौर पर विश्व पटल पर उभरे अमेरिका को कोरिया, वियतनाम और अफगानिस्तान के युद्धों में शर्मनाक पराजयों का तल्ख दीदार करना पड़ा था, क्योकि अमेरिका ने नव साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा के कारण प्रायः अनेक देशों में उन राजनीतिक शक्तियों का समर्थन करता रहा, जो प्रायः गैर लोकतांत्रिक और जनविरोधी रही। चिली में जनतांत्रिक तौर से निर्वाचित राष्ट्रपति अलेंदे का कत्ल करा दिया गया। संपूर्ण दक्षिण अमेरिकी देश वस्तुतः अमेरिका के शत्रु बन गए। अमेरिका द्वारा क्यूबा के अत्यंत लोकप्रिय लीडर फिडल कास्त्रो को कत्ल कराने की बेशुमार कोशिशें अंजाम दी गई। सोवियत संघ के अंध विरोध में अमेरिका ने विश्व पटल पर विनाशकारी इस्लामिक जिहादियों को विकट तौर पर ताकतवर बना दिया। रूस के अंध विरोध में रूस-यूक्रेन युद्ध का आगाज कर दिया। लोकतांत्रिक भारत के अंध विरोध में पाकिस्तान के फौजी तानाशाहों का समर्थन और सहायता अंजाम दी।

सॉफ्ट स्टेट की छवि से बाहर निकले भारत

दो टूक
सुनील अमर
स्वतंत्र पत्रकार

भारत और अमेरिका के बीच हाल के दिनों में ऐसी घटनायें हुई हैं जिनसे भारत के प्रति अमेरिका की नयी सरकार का रवैया और खासकर भारत की विश्व स्तरीय छवि तथा संप्रभुता पर सवाल उठने लगे हैं। ये सवाल इसलिए और ज्यादा मारक हो जाते हैं कि भारत सरकार अपने आपको विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बताती है तो प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकन राष्ट्रपति एक दूसरे को 'डियर फ्रेंड' कहकर सम्बोधित करते हैं। ताजा सवाल तथाकथित अमेरिकी सहायता को लेकर है। अमेरिका दुनिया भर में लोकतन्त्र को बढ़ावा देने और ऐसी प्रक्रियाओं की मजबूती के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं यानी एनजीओ की मार्फत आर्थिक मदद देता है। अमेरिका में ऐसा करने के लिए वहां की संसद ने सन् 1961 से ही ऐसी व्यवस्था बना रखी है जिसे यूएसएआईडी संक्षेप में यूएसएड कहा जाता है। अमेरिका इनके द्वारा अपने मतलब के देशों में कैसी लोकतांत्रिक व्यवस्था बनाना चाहता है, यह अलग से बहस और खोज का विषय हो सकता है। बीती 19 फरवरी को नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक भाषण में कहा कि वह भारत में मतदान को बढ़ावा देने के लिए दी जा रही 21 मिलियन डॉलर की अमेरिकी आर्थिक मदद को बन्द कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा - 21 मिलियन डॉलर! वाव!! ये लोग (वाइडन प्रशासन) भारत में किसे जिताना चाहते थे? (उनका इशारा था कि मोदी को हराना चाहते थे)। साथ में उन्होंने व्यंग्यपूर्वक यह भी कहा कि भारत के पास पैसा है क्योंकि वह दुनिया में सबसे ज्यादा टैक्स लगाने वाले देशों में से एक है। बात अमेरिका से निकल कर हिन्दुस्तान तक आयी तो कई तरह के अर्थ समेटे हुए थी।

भाजपा व कांग्रेस बने हमलावर

देश के दो प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस ने इसे हथियार की तरह एक-दूसरे पर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। भाजपा इसमें सोरोस को शामिल करते हुए स्व. शीला दीक्षित तक ले गयी तो कांग्रेस भी पुराने रिकार्ड खंगालते हुए इसे शस्मृति ईरानी तक ले गयी। मजे की बात यह रही कि एक दूसरे पर हमला करने को आतुर ये दोनों प्रमुख राजनीतिक दल यह जानना ही नहीं चाहते थे कि सच्चाई क्या है। इन दोनों ने ट्रंप के अधकचरे भाषण को ही सच मान लिया और गुथ्थमगुथ्था होने लगे! ट्रंप भी एक नेता ही हैं और अपने विरोधी दल को लपेटने का सही या गलत कोई मौका वैसे ही नहीं छोड़ते जैसे कि अपने यहां के नेतागण। सच का पता लगाया एक खोजी पत्रकार ने। महज इन्टरनेट के सहारे पता लगाया कि ट्रंप जिस 21 मिलियन डॉलर की राशि को भारत को दिया जाना बता रहे थे वह असल में बांग्लादेश के लिए मंजूर हुई थी और उसमें से अब तक लगभग साढ़े तेरह मिलियन डॉलर बांग्लादेश को दी भी जा चुकी है, जिसे वहां के छात्र आन्दोलन को खड़ा करने में खर्च किया गया।

भारतीय रवैया निराशाजनक

इसका नतीजा अगस्त 2024 में वहां निर्वाचित सरकार के तख्तापलट के रूप में हुआ। लोकतन्त्र मजबूत करने की अमेरिकी मंशा को आप यहां ठीक से समझ सकते हैं। इस सारे प्रकरण में सबसे

निराशाजनक रवैया भारत सरकार का रहा। बुधवार को सामने आये इस प्रकरण पर शुक्रवार को विदेश मंत्रालय जागा और उसका रवैया भी आधिकारिक कम, राजनीतिक ज्यादा रहा। इसके अगले दिन एक अंग्रेजी अखबार ने 21 मिलियन डॉलर भारत नहीं बांग्लादेश को दिए जाने की खबर प्रमाण सहित छापी लेकिन इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार या विदेश मंत्रालय का कोई भी स्पष्टीकरण नहीं आया है।

जिस पैमाने पर भारत सरकार को इस फंडिंग फ्रॉड पर एतराज करना चाहिए था वैसा अभी तक किया नहीं गया। आरोप सरकार बनाने/गिराने का लगा हो तो ऐसे में राजदूत तक तलब कर लिए जाते हैं। दूसरा मामला है अवैध रूप से अमेरिका गये या रह रहे भारतीयों का। दुनिया के हर देश के नागरिक एक-दूसरे देशों में आते-जाते और रहते हैं। अमेरिका जैसे सम्पन्न देशों की तरफ लोग ज्यादा आकर्षित होते हैं।

अमेरिका और उससे सटे कनाडा में तो भारतवंशियों की भरमार है। बताया जा रहा है कि अमेरिका में अवैध रूप से 18000 से अधिक भारतीय रह रहे हैं। ट्रंप ने अपने चुनावी भाषणों में ही कहा था कि सत्ता में आने पर वे देश से अवैध प्रवासियों को निकाल देंगे। लेकिन जिस तरह से वे अपमानपूर्वक भारतीयों को निकाल रहे हैं उस पर सारी दुनिया को हैरत है और चर्चा हो रही है। महिलाओं तक को हथकड़ी-बेड़ी लगाकर, सिखों की पगड़ी उतारकर, सेना के जहाज में लादकर, भूखे-प्यासे इतनी लम्बी यात्रा कराकर ऐसे भारतीयों को भेजा जा रहा है। ऐसी पहली खेप आने के बाद ही प्रधानमन्त्री मोदी अमेरिका गये थे और माना जा रहा था कि वे इस अपमानजनक रवैये पर ट्रंप से बात करेंगे। प्रायः इस तरह की कूटनीतिक बातें पर्दे के पीछे ही होती हैं। लेकिन लगता है या तो भारत ने अपना एतराज जताया नहीं या फिर अमेरिका माना नहीं क्योंकि उसके बाद से भारतीयों को उसी तरह लाद कर दो खेप और आ चुकी हैं। ट्रंप की मंशा तो साफ है कि जो लोग अवैध रूप से अमेरिका में घुसे हैं वो अपराधी हैं और उनके साथ वैसा ही सलूक किया जाएगा। लेकिन अपने को विश्वगुरु कहने वाला भारत, सवा पांच करोड़ की आबादी वाले दक्षिण अमेरिकी देश कोलम्बिया की तरह विरोध तो कर सकता था जिसने ऐसे ही एक अमेरिकी सैन्य विमान को अपने यहां उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और कहा कि वह अपने नागरिकों को स्वयं अपने विमान से सम्मानपूर्वक ले आएगा। भारत एक सम्प्रभु राष्ट्र है और सम्प्रभु होने के सारे संसाधन भारत के पास हैं लेकिन संप्रभुता की रक्षा का माद्दा भी तो होना चाहिये। फंडिंग मामले में देश को विरोध का जो स्टैंड लेना चाहिए वो नहीं लिया गया। सरकार अमेरिका से सख्ती से पूछती तो विरोधी दलों का मुंह अपने आप बन्द हो जाता। देश में एफसीआरए कानून है जो विदेशी फंडिंग को नियंत्रित करता है। कैसे सम्भव है कि 21 मिलियन डॉलर की रकम देश में आती है और सरकार को पता ही नहीं है! इसी कानून का प्रयोग करके मोदी सरकार अब तक करीब 21000 संगठनों का विदेशी सहायता लेने का लाइसेंस रद कर चुकी है।

सच्चाई को जानना जरूरी

चुनाव आयोग ने तो सन् 2023 के कर्नाटक चुनाव के दौरान नेशनल पेमेन्ट कारपोरेशन को आदेश दिया था कि वह ऑनलाइन फंड ट्रांसफर पर निगाह रखे ताकि राजनीतिक दल इस रास्ते से अवैध धन न ले सकें। इतने सारे साधन-संसाधन और फिर भी सच्चाई जाने बगैर ट्रंप के भाषण पर भरोसा करके हवा में मुक्के चलाये जा रहे हैं! और फिर यूएसएड के धन से सिर्फ चुनावी सुधार ही नहीं होते बल्कि मानवीय सहायता, वैश्विक स्वास्थ्य, शिक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे कार्यों पर भी यह धन खर्च किया जाता है। धन कहां खर्च हो रहा है, यह सरकार से बेहतर कौन जान सकता है!

ट्रंप प्रशासन के साथ सचेत रहे भारत

विश्लेषण
शंभू भद्र
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से दूसरी बार सत्ता संभाली है, वैश्विक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। भू-राजनीतिक समीकरण बदल रहे हैं, अमेरिकी सरकार एक लिमिटेड कंपनी की तरह आचरण कर रही है, अमेरिका को ग्रेट बनाने के अभियान में ग्लोबल स्तर पर अमेरिकी फंडिंग रोकी जा रही है। मस्क और ट्रंप भारत को लेकर सनसनीखेज दावे कर रहे हैं, गाजा को खाली कराकर नए सिरे से निर्माण की योजना पेश की जा रही है। यूएस यूक्रेन के बिना रूस से वार्ता कर रहा है, यूक्रेन को उसके हाल पर छोड़ा जा रहा है, युद्ध के दौरान यूक्रेन को की गई अमेरिकी आर्थिक मदद करीब 300 अरब यूएस डॉलर की वसूली की बात कही जा रही है। शक्तिशाली नाटो की हवा निकाली जा रही है। यूरोप को ट्रंप प्रशासन समझ नहीं आ रहा है क्योंकि यूरोप के बजाय अमेरिका रूस के प्रति नरम रुख अपना रहा है। चीन के प्रति भी ट्रंप शांत दिख रहे हैं। फिजूल खर्ची कम करने के लिए पहले अमेरिका जलवायु करार व विश्व स्वास्थ्य संगठन से बाहर आया, अमेरिकी सरकारी विभाग में छंटनी की तैयारी हो रही है और अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) की ओर से दूसरे मुल्कों को की जा रही फंडिंग रोकी गई है। ट्रंपवाद के साये में नया अमेरिका है, जिसमें दो बिजनेसमैन (राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के प्रमुख एलन मस्क) की जोड़ी बचत व मुनाफे वाली आर्थिकी का मुहावरा गढ़ रही है।

अमेरिका विश्वसनीय नहीं रहा

वर्ष 1947 में आजादी के बाद से करीब पांच दशक तक अमेरिकी नीति पाकिस्तान परस्त और भारत विरोधी रही है। उदारीकरण के बाद से करीब तीन दशक में अमेरिकी नीति में शिफ्टिंग हुई और वह धीरे धीरे भारत के करीब होता गया। भारत के लिए रूस हमेशा भरोसेमंद रहा है, अमेरिका कभी भी विश्वसनीय नहीं रहा। अपने आपसी संबंधों में अमेरिका ने हमेशा अपने फायदे को आगे रखा है। वर्ष 2008 में असैन्य परमाणु करार के बाद भारत व अमेरिका में भरोसा बढ़ना शुरू हुआ, जो अभी दोस्ती के स्तर तक पहुंचा है। ट्रंपवाद में यह भरोसा दरक सकता है। इस समय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत को लेकर अधिक मुखर हैं। अवैध प्रवासियों को हथकड़ियों में भारत भेजना, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप की द्विपक्षीय वार्ता से ठीक पहले अमेरिकी सरकार का रेसिप्रोकल टैक्स का ऐलान करना और भारत को अधिक आयात के लिए समझौते का दबाव बनाना दो दशक से मजबूत हुए इंडो-यूएस रिश्ते को दांव पर लगाने जैसा है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दखल

अब ट्रंप का दावा करना कि भारत में 'मतदान प्रतिशत' बढ़ाने के लिए पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन के समय यूएसएड के जरिये 2.1 करोड़ डॉलर की फंडिंग की गई थी, भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सीधा दखल है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को वाशिंगटन में 'रिपब्लिकन गवर्नर्स एसोसिएशन' की बैठक को संबोधित करते हुए यह दावा किया। ट्रंप ने मियामी में एफआईआई प्राथमिकता शिखर

सम्मेलन में भारत को मिलने वाले वित्त पोषण पर चिंता जताई थी और दावा किया था कि 'किसी और को निर्वाचित कराने' का प्रयास किया जा रहा था। उन्होंने 'मतदान प्रतिशत' बढ़ाने के लिए भारत को 2.1 करोड़ डॉलर प्रदान करने के उद्देश्य पर सवाल उठाया था। उनकी टिप्पणी एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) द्वारा यह खुलासा किए जाने के बाद आई है कि अमेरिकी संस्था 'यूएसएड' ने भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग को 2.1 करोड़ डॉलर का योगदान दिया है। भारत ने ट्रंप के इस दावे को गंभीरता से लिया है।

भारत ने कहा कि देश में कुछ गतिविधियों के लिए 'यूएसएड' द्वारा वित्त पोषण किए जाने के बारे में खुलासे 'बेहद परेशान करने वाले' हैं और इससे देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर चिंता पैदा हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि संबंधित विभाग और अधिकारी कुछ अमेरिकी गतिविधियों और वित्तपोषण के संबंध में अमेरिकी प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी की जांच कर रहे हैं। वोटर टर्नआउट के लिए 2.1 करोड़ डॉलर की अमेरिकी फंडिंग अगर नरेन्द्र मोदी व भाजपा की राह रोकने के लिए हुई है तो यह और भी चिंता की बात है। चूंकि डोनाल्ड ट्रंप ने अभी तक इसका कोई सबूत नहीं दिया है, उल्टे उन्होंने बांग्लादेश को भी दी जा रही 29 अरब डॉलर की यूएस मदद पर भी सवाल उठाया है। एक मीडिया रिपोर्ट में वोटर टर्नआउट के लिए 2.1 करोड़ डॉलर की अमेरिकी फंडिंग बांग्लादेश में होने की बात सामने आई है। इसलिए इस पूरे मामले की जांच जरूरी है। भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला करने वाले लोगों को बेनकाब किया जाना चाहिए। यह मदद किसने ली, किस मकसद से ली, कैसी ली, सभी तथ्यों का पर्दाफाश जरूरी है। फंडिंग विवाद की जड़ तक पहुंचना आवश्यक है। अमेरिका ने 16 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन 'कंसोर्टियम फॉर इलेक्शंस एंड पॉलिटिकल प्रोसेस स्ट्रेंथनिंग' (सीईपीपीएस) को अनुदान के रूप में कई देशों को दी जा रही 48.6 करोड़ (लगभग 4300 करोड़ रुपये) अमेरीकी डॉलर की वित्तीय सहायता पर रोक लगाई है। तो क्या अमेरिका मतदान प्रतिशत बढ़ाने के नाम पर भारत में मोदी को सत्ता से बेदखल करने की साजिश रच रहा था? ट्रंप प्रशासन को भी इस बारे में जांच करनी चाहिए। यूएसएड से मिली मदद का इस्तेमाल जिस संस्था के जरिए हुआ, उससे जॉर्ज सोरोस का भी कनेक्शन है।

अमेरिकी फंडिंग की जांच कराएं

अमेरिकी उद्योगपति जॉर्ज सोरोस कई बार भारत में नरेन्द्र मोदी की सरकार को हटाने के लिए मुहिम चलाने का ऐलान कर चुके हैं। यूएसएड से जो पैसा लिया गया, उसमें दावा किया गया कि भारत में दलित और पिछड़े वर्ग के मतदाता वोटिंग में कम हिस्सा लेते हैं, इसलिए इन तबकों तक पहुंचने में, उन्हें वोटिंग के लिए प्रोत्साहित करने में इस पैसे का इस्तेमाल होगा। संयोग देखिए कि राहुल गांधी ने भारत में जातिगत जनगणना को लेकर आवाज बुलंद की और अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान भारत में लोकतंत्र खतरे में है की बात कही। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को फायदा भी हुआ। अमेरिकी फंडिंग की इसलिए गहराई से जांच होनी चाहिए। कांग्रेस ने यूएसएड की भारत में फंडिंग पर श्वेतपत्र लाने की मांग सरकार से की है। भारतीय लोकतंत्र में बाधा डालने वाले बहुत विदेशी उपद्रवी हैं। भारत को बांग्लादेश में भी अमेरिकी भूमिका की जांच करनी चाहिए। अमेरिका इसमें मदद करे। हर मुद्दे पर अमेरिका के साथ भारत को ठसक के साथ पेश आना चाहिए, सबूत मांगना चाहिए और दावों का खुलासा करना चाहिए। भारत दस वर्ष में सॉफ्ट स्टेट की छवि से बाहर निकला है, अब अमेरिका के साथ ट्रेड, टैक्स व कूटनीतिक डील में भारत को सॉफ्ट स्टेट जैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। भारत को एक सुपर पावर जैसा व्यवहार करना चाहिए।

रायपुर
रविवार, 23 फरवरी 2025
फाल्गुन कृष्ण पक्ष दशमी
वर्ष : 23, अंक : 218
पृष्ठ : 14+4+4 = 22 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 34.4
न्यून. 17.9

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

छात्र ने अपनी बुआ के मोबाइल से स्नैपडील एप से मंगाया गया था सोडियम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

सेंट विंसेंट पलोटी स्कूल में हुए ब्लास्ट के मामले में स्कूल प्रबंधन ने पांच छात्र-छात्राओं को स्कूल से निकाल दिया है। सभी स्टूडेंट आठवीं के हैं। इसमें 2 छात्र और तीन छात्राएं शामिल हैं। इनके अभिभावकों से भी इस बारे में सहमति ले ली गई है। दूसरी ओर पुलिस और शिक्षा विभाग की जांच में बात सामने आई है कि आठवीं के इन छात्रों ने 15 दिन पहले ही स्नैपडील एप से ऑनलाइन सोडियम ▶▶|शेष पेज 2 पर

हरिभूमि फॉलोअप

1. ब्लास्ट के मामले में 8वीं के पांच स्टूडेंट स्कूल से निकाले गए
2. मानवाधिकार और बाल अधिकार संरक्षण की टीम भी स्कूल पहुंची
3. जांच में बात सामने आई, तीन दिनों से चल रही थी ब्लास्ट की प्लानिंग

अभिभावकों ने किया स्कूल में तीन घंटे तक हंगामा

सेंट विंसेंट पलोटी स्कूल में शुक्रवार को हुए एक बड़े हादसे ने स्कूल प्रशासन की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजनों में जबरदस्त आक्रोश है। इस घटना ▶▶|शेष पेज 2 पर

स्कूल के बाथरूम में सोडियम ब्लास्ट, छात्रा बुरी तरह झुलसी, दस बच्चों ने वहां छिपाया था

छात्रों और उनके अभिभावकों का लिखित बयान

मामले की जांच के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने चार सदस्यीय टीम बनाई है। यह गंभीर घटना है। इसमें अल्का अग्रवाल(प्राचार्य चांटीडीह स्कूल), अर्चना जोशी (प्राचार्य मोपका स्कूल), डा. रीता तिवारी (प्राचार्य कुदूदण्ड स्कूल) और डा. मोहन पटेल (प्राचार्य राजेन्द्र नगर स्कूल) शामिल हैं। यह टीम शनिवार को स्कूल पहुंची शिक्षकों के साथ ही उन पांच छात्रों और उनके अभिभावकों से पूछताछ की गई जिन पर आरोप लगा है। सभी से लिखित में बयान लिया गया है। जांच टीम में शामिल डा. मोहन पटेल (प्राचार्य राजेन्द्र नगर स्कूल) ने बताया कि सोमवार को टीम फिर स्कूल पहुंचेगी और रिपोर्ट बनाकर शिक्षा विभाग को सौंपा जाएगा। उन्होंने बताया कि बच्ची से बात करने के लिए टीम अस्पताल भी पहुंची थी लेकिन आईसीयू में होने के कारण मुलाकात नहीं हो सकी।

खतरनाक सोडियम लेकर स्कूल में घूमते रहे स्टूडेंट

जांच में बात सामने आई है कि आठवीं के इन पांचों छात्रों ने मिलकर 15 दिन पहले ही स्नैपडील एप से आनलाइन सोडियम मंगाया गया था। इसमें आठवीं के एक छात्र ने अपने बुआ के मोबाइल से इसका आर्डर किया था। इसकी जानकारी बुआ को थी या नहीं इस बारे में पुलिस अपनी जांच कर रही है। सबसे बड़ी बात कि इस खतरनाक सोडियम को आनलाइन मंगाकर यह स्टूडेंट उसे स्कूल में लेकर घूमते रहे और स्कूल प्रबंधन को जानकारी तक नहीं लगी। एक ▶▶|शेष पेज 2 पर

सोमवार को फिर होगी जांच

मामले में जांच के लिए बनी टीम स्कूल पहुंची थी। स्कूल प्रबंधन के साथ ही शिक्षकों से बयान लिया गया है। जिन स्टूडेंट पर आरोप है उनसे और उनके अभिभावकों से भी लिखित में बयान लिया गया है। सोमवार को एक बार फिर स्कूल पहुंचकर जांच करते हुए रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

- पी दासरथी
प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी

खबर संक्षेप

भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट का महायुद्ध आज

दुबई। भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट प्रेमी चाहे कोई भी मुकाबला हो उसे अपना आन, बान और शान समझते हैं। ऐसा ही महामुकाबला रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी के तहत दुबई के क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां भावनाएं हिलोर मारने लगेंगी। भारत और पाकिस्तान के बीच ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता हमेशा से क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय रही है।

पंचायत चुनाव के अंतिम चरण का मतदान आज

रायपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु तृतीय एवं अंतिम चरण का मतदान रविवार को राज्य के 50 विकासखण्डों में होगा। राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के अनुसार तृतीय चरण में 30 हजार 990 पंच, 3 हजार 802 सरपंच, 1 हजार 122 जनपद सदस्य और 145 जिला पंचायत सदस्य के पदों के लिए मतदान किया जायेगा। पंच पद के 76 हजार 199, सरपंच पद के 17 हजार 191, जनपद सदस्य के 4 हजार 659 और जिला पंचायत सदस्य के 839 अभ्यर्थी तृतीय चरण में निर्वाचन लड़ रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर मचा हड़कंप, सियासत भी गरमाई

ट्रंप ने फिर दोहराया, मेरे मित्र पीएम मोदी को भेजे गए 2.1 करोड़ डॉलर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लगातार तीसरे दिन वोटर टर्नआउट के लिए कथित रूप से भारत को मिले 21 मिलियन डॉलर का मुद्दा उठाया है। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 21 मिलियन डॉलर का अनुदान भारत के लिए नहीं बल्कि बांग्लादेश के लिए था। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कॉन्फ्रेंस में कहा, मेरे मित्र प्रधानमंत्री मोदी और भारत को वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन डॉलर दिए जा रहे हैं। हम भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 21 मिलियन डॉलर दे रहे हैं। हमारा क्या? मैं भी तो मतदान प्रतिशत बढ़ाना चाहता हूं। इसी दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश को मिले 29 मिलियन डॉलर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को 29 मिलियन डॉलर पॉलीटिकल लैंडस्केप में स्थिरता लाने के लिए दिए गए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में 29 मिलियन डॉलर एक ऐसी फर्म को दिए गए, इसके बारे में किसी ने कभी सुना नहीं था और उसमें केवल दो लोग काम कर रहे थे। एक अखबार ने भी एक इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में दावा किया कि भारत को 2008 के बाद से किसी भी चुनाव ▶▶|शेष पेज 2 पर

भारत को वोटर टर्नआउट के लिए दी गई राशि

अमेरिका द्वारा कथित रूप से भारत को मिले 2.1 करोड़ डॉलर का मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिया। शब्दशः अगर कहा जाए तो उनका कहना था, मेरे दोस्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत को मतदान के लिए 2.1 करोड़ डॉलर दिए जा रहे हैं। ट्रंप के इस बयान पर सियासत गरमा गई है।

क्या है मामला

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने सरकारी खर्चों में कटौती के लिए एक नया विभाग बनाया है। इस विभाग के प्रमुख टेस्ला के मालिक एलन मस्क हैं। जब डोनाल्ड ट्रंप ने 21 मिलियन डॉलर का दावा किया, उसके बाद भारत सरकार ने भी इसे बहुत परेशान करने वाला बताया। विदेश मंत्रालय ने भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर चिंता जताई। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत में कई विभाग और एजेंसियां हैं।

मैं भी मतदान प्रतिशत बढ़ाना चाहता हूं : ट्रंप

ट्रंप ने एक कॉन्फ्रेंस में कहा, मेरे मित्र प्रधानमंत्री मोदी और भारत को वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन डॉलर दिए जा रहे हैं। हम भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 21 मिलियन डॉलर दे रहे हैं। हमारा क्या? मैं भी तो मतदान प्रतिशत बढ़ाना चाहता हूं।

कांग्रेस-भाजपा ने एक-दूसरे पर लगाए आरोप

पहले भाजपा ने इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। जब यह खबर आई कि ये पैसे बांग्लादेश को दिए गए थे, तब विपक्ष ने भाजपा पर निशाना साधा, लेकिन अब फिर से डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दावे को दोहराया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि मोदी सरकार को ट्रंप से इस बारे में स्पष्टता मांगनी चाहिए। पवन खेड़ा का कहना है कि पिछले 11 वर्षों में 44 प्रतिशत यूएसएआईडी फंड बीजेपी शासन में आया, जबकि 40 प्रतिशत यूपीए काल के दौरान आया।

इधर, ट्रंप ने सेना के टॉप जनरल को किया बर्खास्त

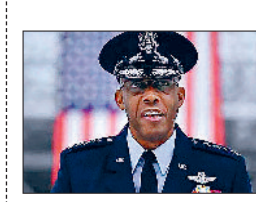

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा फैसला लेते हुए शुक्रवार को अपने टॉप मिलिट्री जनरल को बर्खास्त कर दिया। यह पहली बार हुआ है कि सरकार बदलने पर देश के अश्वेत और वरिष्ठ सैन्य अधिकारी को इस तरह बाहर किया गया है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने केन और ब्राउन दोनों की प्रशंसा करते हुए एक बयान में दो अतिरिक्त वरिष्ठ अधिकारियों की बर्खास्तगी की घोषणा की। इनमें चीफ ऑफ नेवल ऑपरेशंस एडमिरल लिसा फ्रैंचेटी और वायु सेना के उप प्रमुख जनरल जिम स्लाइफ शामिल हैं।

बाइडेन पर निशाना

ट्रंप ने कहा, पिछले प्रशासन ने ज्वॉइंट चीफ़ ऑफ़ स्टाफ़ में सेवा करने के लिए अत्यधिक योग्य और सम्मानित होने के बावजूद, जनरल कैन को 'नींद में डूबे जो बाइडेन' ने पदोन्नति के लिए नजरअंदाज किया। सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के साथ, जनरल केन और हमारी सेना ताकत के जरिए शांति बहाल करेगी।

टनल का एक हिस्सा धंसा, फंसे इंजीनियर समेत आठ मजदूर

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद/नई दिल्ली

श्रीशैलम सुरंग नहर परियोजना के निर्माणाधीन खंड की छत का एक हिस्सा ढह जाने से आठ व्यक्ति अंदर फंस गए हैं। तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार द्वारा उन्हें बचाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को फोन किया और सुरंग में फंसे कर्मियों को सुरक्षित निकालने पर चर्चा की।

- तेलंगाना में बड़ा हादसा

इंजीनियर ऑपरेटर और श्रमिक

सिंचाई मंत्री ने बताया कि सुरंग में फंसे लोगों में दो इंजीनियर, दो मशीन ऑपरेटर और चार श्रमिक शामिल हैं। श्रमिक सुरंग के 14 किलोमीटर भीतर फंसे हुए हैं। पानी का रिसाव धीरे-धीरे शुरू हुआ फिर बढ़ गया, जिससे बाहर आना पड़ा।

शिवराज ने की आलोचना

केंद्रीय मंत्री को विमान में 'टूटी' सीट, जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल/मुंबई

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एअर इंडिया की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें 'टूटी और धंसी हुई' सीट आवंटित की गई। चौहान ने साथ ही कहा कि यात्रियों से पूरा पैसा वसूलने के बाद एयरलाइन का उन्हें खराब और कष्टदायक सीट पर बैठाना अनैतिक है।

केंद्रीय मंत्री ने उठाया सवाल

केंद्रीय मंत्री ने कहा, मुझे बैठने में कष्ट की चिंता नहीं है लेकिन यात्रियों से पूरा पैसा वसूलने के बाद कष्टदायक सीट पर बैठाना अनैतिक है। क्या ये यात्रियों के साथ धोखा नहीं है? आगे किसी यात्री को ऐसा कष्ट न हो, इसके लिए एअर इंडिया प्रबंधन कदम उठाएगा।

हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

पूर्व आईएएस टुटेजा की जमानत याचिका खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

चर्चित शराब घोटाला और मनी लांड्रिंग केस में फंसे पूर्व आईएस अनिल टुटेजा की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। सुनवाई के दौरान टुटेजा के वकील ने तर्क दिया था कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। राजनीतिक षडयंत्र के तहत उन्हें झूठे केस में फंसाया गया है। ईडी की तरफ से उपमहाधिवक्ता डा. सौरभ पांडेय ने तर्क देते हुए जमानत देने का विरोध किया। उन्होंने बताया कि शराब घोटाले के केस में उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत है। केस ▶▶|शेष पेज 2 पर

ईडी की ऐसी दलील

सुनवाई के दौरान ईडी की तरफ से कहा गया कि अब तक की जांच से पता चलता है कि, याचिकाकर्ता अनिल टुटेजा, अरुणपति त्रिपाठी और अनवर ढेबर के साथ सिंडिकेट का मुख्य हिस्सा रहे हैं। यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता शराब घोटाले के मुख्य आरोपियों में से एक था। उसने सरकारी अफसर होने के नाते पद का दुरुपयोग किया। अन्य आरोपियों के साथ शराब की अवैध बिक्री में शामिल रहा।

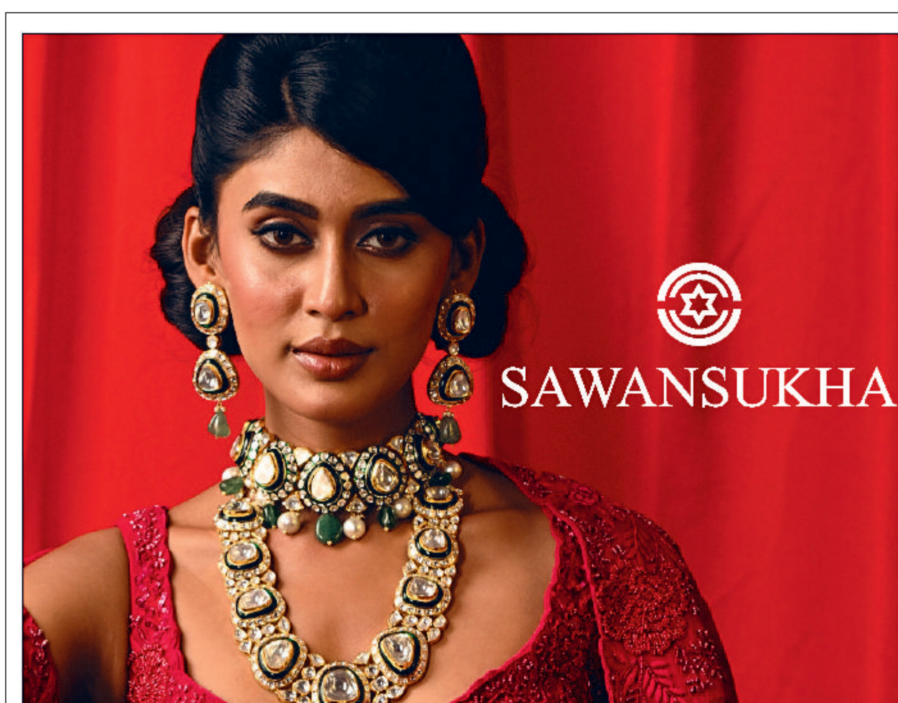

शादी का शानदार ऑफर
सावनसुखा की अविश्वसनीय उपहार!
गहनों के मेकिंग चार्जेस पर 100% तक की छूट

ऑफर्स ऑन मेकिंग चार्जेस	
प्लेन गोल्ड ज्वेलरी एंड मशीन मेड चेन्स	5.88%
एंटीक गोल्ड ज्वेलरी	9.88%
हैंडमेड चेन्स, रोडियम चेन्स, फैंसी जेवेलरी	11.88%
एंटीक डिज़ाइनर/रजवाड़ा गोल्ड ज्वेलरी	14.88%
डायमंड स्टडेड ज्वेलरी	4.88%*
जड़ाऊ पोल्की ज्वेलरी	4.88%

*कंडिशन्स अप्लाई
सदर बाज़ार | रायपुर | 7 फरवरी ऑनवाईस | 91470 75332

जैकेट के शेष

हाई सिक्यूरिटी नंबर...

हाई सेक्यूरिटी नंबर प्लेट लगाने राज्य में मेसर्स मेजान इंडिया लिमिटेड तथा मेसर्स रोसमर्टा सेफ्टी सिस्टम लिमिटेड नाम की कंपनी को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। इन दोनों एजेंसियों देश के कई राज्यों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने का काम कर रही हैं। दोनों एजेंसियों ने जिला से ब्लाक स्तर पर ऑटोमोबाइल डीलरों को एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने डीलर नियुक्त किया है। इसके साथ ही वाहन मालिक वेबसाइट में एचएसआरपी लगाने ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

24 बरस में...

बजट पेश किया था। रामचंद्र सिंहदेव ने 2001-02 में कुल 7 हजार 294 करोड़ रुपए का बजट पेश किया था। 2002-03 तक में 8 हजार 471 करोड़ के आम बजट के साथ एक अनुपूरक बजट पेश किया था। 2003-04 तक में 9 हजार 978 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। साथ ही दो अनुपूरक बजट भी पेश किया गया था। उसके बाद भाजपा सरकार आने पर 15 साल तक बजट के आकार में हर साल 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। फिर 2019-20 से कांग्रेस सरकार पे पांच साल बजट पेश किया।

साय दूसरे ऐसे मुख्यमंत्री...

सूची में सीएम साय का नाम भी जुड़ जाएगा। कांग्रेस सरकार के जाने के बाद भाजपा सरकार ने मोर्चा संभाला। इस बार वित्त विभाग की जिम्मेदारी ओपी चौधरी को मिली। उन्होंने अपना पहला बजट 2024-25 के लिए पेश किया। दो अनुपूरक आने के बाद बजट का आकार बढ़कर अब 1 लाख 74 हजार करोड़ रुपए का हो गया है।

भूपेश ने पांच बार...

लौटी। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के तरह ही सीएम भूपेश बघेल ने भी वित्त अपने पास रखा। उन्होंने पांच साल बतौर वित्त मंत्री राज्य में बजट पेश किया।

2003-04 के बजट में...

वृद्धि देखी गई है। इसकी वजह से आखिरी एक दशक में बजट का आकार 24 हजार करोड़ से 96 हजार करोड़ तक पहुंच गया। उसके बाद से बजट में 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि होती रही।

इन क्षेत्रों में सबसे...

का नंबर आता है। स्वास्थ्य, परिवहन, पुलिस, ग्रामीण विकास, उर्जा, समाज कल्याण और पोषण, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भी बजट आवंटन का बड़ा हिस्सा गया है।

कैबिनेट में बजट प्रारूप...

गौरतलब है, विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू हो रहा है। 3 मार्च को बजट पेश किया जाना है। इस बार भी बजट का आकार बड़ा होगा। पिछली बार की तुलना में इसमें इजाफा के संकेत है। साय कैबिनेट के फैसलों में वित्तीय वर्ष 2024-25 के तीसरे अनुपूरक अनुमान को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक-2025 के प्रारूप को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने किसानों को नए और उन्नत किस्म के बीज मुहैया कराने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य भण्डार क्रय नियम-2002 के नियम 4 में छूट दी है। इसके तहत क्रय नियम में शामिल प्रदत्त संस्थाओं की सूची में विस्तार का फैसला लिया गया है। कैबिनेट में बीज के उपार्जन को लेकर चर्चा हुई। सबसे पहले बीज निगम द्वारा राज्य के पंजीकृत बीज उत्पादक किसानों से बीज का उपार्जन किया जाएगा। इसके बाद जरूरत की पूर्ति के लिए राज्य की बीज उत्पादक सहकारी समितियों, भारत सरकार एवं राज्य सरकार के बीज उत्पादन करने वाले उपक्रमों बीज का उपार्जन होगा।

ड्यूटी के दौरान...

बार फिर से चर्चा में है। सिम्स के मेडिसीन विभाग के एचओडी डा. पंकज टेम्भूर्णीकर पर विभाग की महिला जूनियर डाक्टर ने गंभीर आरोप लगाए थे। महिला डाक्टर ने इसकी शिकायत पुलिस से की थी और पत्र लिखकर डॉक्टर्स फेडरेशन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष को मामले में संज्ञान लेने की अपील की थी। इसके बाद डॉक्टर्स फेडरेशन ने सीएम विष्णुदेव साय से अपील की थी। पीड़िता पोस्ट ग्रेजुएट रेसीडेंट और पीजी की छात्रा है। पीड़िता ने मेडिसिन विभाग के एचओडी पर अनुचित व्यवहार, उत्पीड़न, अनुचित स्पर्श का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पत्र में कहा था कि एचओडी डॉ टेम्भूर्णीकर द्वारा पिछले 8 माह से उत्पीड़न किया जाता रहा है। इससे पूर्व भी सिम्स के डाक्टरों द्वारा साथी महिला डाक्टर और स्टाफ के साथ ही उत्पीड़न का मामला सामने आ चुका है। पुलिस ने जूनियर डाक्टर की रिपोर्ट पर एचओडी डॉ. पंकज टेम्भूर्णीकर के खिलाफ अपराध क्रमांक 104/25 बीएनएस की धारा 351, 74,78 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया गया है। ज्ञात हो कि जूनियर डॉक्टर ने सबसे पहले मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों को घटना की जानकारी दी थी लेकिन शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया गया। जब मामला बढ़ा तो पहले इसे विशाखा समिति के हवाले किया गया पर कार्रवाई से बचते रहे। उच्च स्तरीय शिकायत के बाद डीन डा. रमणेश मूर्ति ने डा. पंकज टेम्भूर्णीकर को परीक्षा कार्य से पृथक कर दिया था।

पेज एक के शेष

छात्र ने अपनी बुआ के...

मंगाया गया था। इसमें आठवीं के एक छात्र ने अपने बुआ के मोबाइल से इसका आर्डर किया था। पुलिस बुआ से भी पूछताछ कर सकती है। जांच में यह बात भी सामने आई है कि इन पांचों स्टूडेंट ने मिलकर कुछ दिन पहले भी इसी सोडियम से एक ब्लास्ट किया था। इसे लेकर हंगामा मचा था लेकिन स्कूल प्रबंधन ने दबा दिया था। दूसरी ओर स्कूल में हुई इस घटना से अभिभावकों में काफी गुस्सा है। शनिवार की सुबह अभिभावकों ने स्कूल में जमकर हंगामा मचाया। इसके साथ ही मानवाधिकार और बाल अधिकार संरक्षण की टीम भी स्कूल पहुंची और प्रबंधन से बात की। सेंट विंसेंट पलोटी स्कूल के प्राचार्य सुमित बाखला के मुताबिक पांचों स्टूडेंट को स्कूल से निकाल दिया गया है। यह फैसला स्कूल प्रबंधन कमेटी ने लिया है। स्टूडेंट पर कानूनी कार्रवाई के बारे में फैसला पुलिस करेगी। स्कूल के फादर एस कुमार ने बताया कि प्राथमिक पूछताछ में पता चला है कि स्कूल की कुछ छात्राएं पिछले तीन दिनों से सोडियम मेटल लेकर स्कूल आ रही थीं। वे इसे स्कूल के बाथरूम में रखकर शरारत करने की प्लानिंग कर रही थीं। इसके लिए तीन दिनों से तैयारियां की जा रही थीं। हालांकि इस सवाल का वे काई जवाब नहीं दे सके कि स्कूल प्रबंधन को छात्राओं की इस शरारत की भनक तक क्यों नहीं लग सकी। फादर सिर्फ उचित कार्रवाई की बात करते रहे।

अभिभावकों ने किया...

के विरोध में शनिवार सुबह से ही बड़ी संख्या में अभिभावक स्कूल के बाहर इकट्ठा हुए और स्कूल प्रबंधन से जवाब मांगने लगे। परिजनों का कहना है कि वे सुबह 7 बजे से स्कूल गेट पर खड़े हैं, लेकिन अब तक प्रबंधन ने उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया है। अभिभावको का कहना था कि हम लोग चाहते हैं कि स्कूल प्रशासन के इंचार्ज, फादर या प्रिंसिपल खुद सामने आकर बताए कि आखिर इस घटना की सच्चाई क्या है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर क्या कार्रवाई हो रही है। परिजनों ने इस हादसे को स्कूल प्रशासन की लापरवाही बताया और कहा कि इसे बच्चों की शरारत बताकर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

खतरनाक सोडियम...

सप्ताह पहले भी स्कूल परिसर में इसी सोडियम से एक ब्लास्ट हुआ था। किसी को चोंट नहीं लगी तो प्रबंधन ने मामले को दबा दिया। हालांकि उस समय भी इन्ही पांचों स्टूडेंट का नाम सामने आया था।

ट्रंप ने फिर दोहराया, मेरे...

संबंधी परियोजना के लिए यूएसएआईडी से कोई फंडिंग नहीं मिली है। रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन डॉलर का एकमात्र यूएसएआईडी का फंड 2022 में बांग्लादेश में एक परियोजना के लिए दिया गया था।

पूर्व आईएएस टुटेजा की...

में उन्हें जमानत देने से गवाह और सबूत प्रभावित हो सकता है। बता दें कि ईडी ने उनके खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें अप्रैल 2024 में गिरफ्तार किया था। इस प्रकरण की सुनवाई जस्टिस अरविंद वर्मा की बेंच में हुई।

विदेश मंत्री ने कहा-अब बांग्लादेश आतंकवाद को सामान्य न बनने दे

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन से दो टूक शब्दों में कहा था कि ढाका आतंकवाद को सामान्य न बनने दे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह खुलासा किया। दोनों नेताओं की मुलाकात इस सप्ताह की शुरुआत में मस्कट में हुई थी। बैठक के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार के साथ बातचीत द्विपक्षीय संबंधों और बिम्सटेक पर केंद्रित थी। बातचीत के दौरान अप्रैल में बैंकॉक में आयोजित होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच एक बैठक करने का विषय भी उठा।

बदले में इजरायल ने छोड़े 602 फिलिस्तीनी कैदी

सीजफायर के बीच हमास ने 6 बंधकों को किया रिहा

एजेंसी ▸▸ तेलअवीव

गाजा में जारी सीजफायर के बीच शनिवार को हमास ने छह इजरायली बंधकों को रिहा कर दिया है। सभी बंधकों आईडीएफ और आईएसए की संयुक्त निगरानी में उनके घरों के लिए भेजा जा रहा है। इससे पहले इजरायली सेना के जवानों ने बंधकों को सलाम करने के बाद उन्हें गले लगाया। इसके बाद उनकी मेडिकल जांच की गई. इन बंधकों के बदले इजरायल ने 602 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। ये अदला-बदली दक्षिणी गाजा के शहर रफाह में हुई है।

यहां नकाबपोश हमास के लड़ाके बंधकों को रेड क्रॉस एम्बुलेंस में रखने से पहले एक मंच पर लाए. सबसे पहले दो बंधकों ताल शोहम (40) और अवेरा मेंगिस्टू (39) को रिहा किया गया। फिर एक के बाद एक छह बंधकों को हमास ने अपने चंगुल से आजाद कर दिया। इनमें ओमर शेम टोव, एलिया कोहेन, हिशाम अल-सईद और ओमर वेंकर्ट का नाम भी शामिल है।

पहली बार बंधकों के शव लौटाए

इससे पहले गुरुवार को चार इजरायली बंधकों के शव हमास ने रेड क्रॉस को सौंपे थे। ये पहली बार था जब हमास ने युद्धविराम के बीच बंधकों के शव लौटाए। इजरायल ने स्पष्ट किया है कि जब तक डीएनए जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक वो आधिकारिक रूप से उनकी पहचान की पुष्टि नहीं करेगा। इनमें एक महिला शिरी बिबास और उनके दो छोटे बच्चे शामिल थे। उन्हें अक्टूबर 2023 में हमास ने अगवा कर लिया था। हमास ने बीते साल नवंबर में ही दावा कर दिया था कि शिरी बिबास और उनके दोनों बच्चे इजरायली हवाई हमले में मारे गए हैं। हालांकि, इजरायल ने हमास के इस दावे को नहीं माना था।

गाजा को संवारने की कोशिशें भी तेज

उधर संघर्ष विराम समझौते के तहत इजरायल भी लगातार फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर रहा है। फिलहाल कैदियों और बंधकों की अदला-बदली के बीच गाजा में जंग थमी हुई है। गाजा को संवारने की कोशिशें भी तेज कर दी गई हैं। बताते चलें कि इससे पहले इजरायली सेना ने लेबनान में हमास के ऑपरेशन हेड मुहम्मद शाहीन को मार गिराया था। सीडोन इलाके में आईडीएफ हमले में उसकी मौत हो गई। शाहीन हमास का एक शीर्ष कमांडर था, जो कि इजरायली नागरिकों के खिलाफ विभिन्न आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार था। वो ईरान के इशारे पर साजिश को अंजाम दिया करता था। दो साल पहले इजरायल में हुए नरसंहार में भी शामिल था।

रिटायर्ड शिक्षक की लगाई चुनाव ड्यूटी नहीं पहुंचे तो कर दिया गया निलंबित

■ जनपद पंचायत साजा में सामग्री लेने नहीं पहुंचे 3 कर्मी निलंबित

बेमेतरा/ साजा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में बेमेतरा जिले के साजा जनपद में रिटायरमेंट के दिन शिक्षक की ड्यूटी लगा दी गई। ड्यूटी पर नहीं पहुंचने पर उसको निलंबित कर दिया गया। हालांकि पता चलने पर निर्वाचन अधिकारी ने आदेश में संशोधन कर जारी किया। साजा जनपद में चुनाव ड्यूटी में नहीं पहुंचने वाले उनके अलावा तीन और कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार प्राथमिक शाला डूंडा में प्रधानपाठक के रुप में पदस्थ रहे और रिटायर्ड कर्मी ज्ञान प्रकाश निषाद की मतदान क्रमांक 180 में मतदान अधिकारी बनाकर ड्यूटी लगाई गई थी। जबकि ज्ञान प्रकाश रिटायर हो चुके थे। रिटायर होने के कारण वे ड्यूटी में नहीं पहुंचे तो आज रिटानिंग अधिकारी पंचायत साजा ने उनका निलंबन आदेश जारी कर दिया। इस मामले के सामने आते ही हड़कंप मच गया। उसके बाद रिटानिंग अफसर ने संशोधित आदेश निकाला। पहले चार कर्मियों का निलंबन आदेश जारी किया गया था, उसके बाद संशोधित कर तीन लोगों का जारी किया गया।

तीन कर्मचारी किए गए निलंबित

बेमेतरा जिले के जनपद पंचायत बेरला और साजा में रविवार को मतदान है। आज शनिवार को दोनों जनपदों बेरला और साजा में मतदान दलों को सामग्री वितरण किया गया। जनपद पंचायत साजा में सामग्री वितरण में अनुपस्थिति 2 मतदान अधिकारी और एक पीठासीन अधिकारी कुल 3 मतदान कर्मचारियों को रिटर्निंग ऑफिसर पंचायत साजा ने निलंबित कर दिया है। निलंबित कर्मचारियों में मतदान अधिकारी रामभक्त चंद्रवंशी प्रधान पाठक उड़तला बिख बेमेतरा, नंदकुमार साहू तिलाईपार शा. प्रा. शाला, और पीठासीन अधिकारी महेश्वर साहू, शिक्षक(एल.बी) पूर्व माध्यमिक शाला बेमेतरा शहर बेमेतरा शामिल हैं।

एनआईए ने भाकपा (माओवादी) सदस्य के खिलाफ दायर किया आरोप-पत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शनिवार को कहा कि बिहार के मगध क्षेत्र में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) की क्षेत्रीय समिति के एक सदस्य के खिलाफ संगठन को फिर से खड़ा करने और उसे मजबूत करने के सिलसिले में आरोप-पत्र दायर किया गया है। एनआईए ने एक बयान में कहा कि पटना की एक विशेष अदालत के समक्ष मामले में दायर अपने तीसरे आरोप-पत्र में संघीय एजेंसी ने प्रतिबंधित संगठन के उत्तर बिहार मध्य जोनल कमेटी के सदस्य बिहारी पासवान पर भारतीय दंड संहिता और आतंकवाद विरोधी गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आरोप लगाया है। इसमें कहा गया है कि वह चौथा आरोपी है जिसके खिलाफ इस मामले में आरोप-पत्र दाखिल किया गया है।

राशिफल

मेष – मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

वृष – आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मिथुन – आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

सिंह – मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या – परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहगा।

तुला – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती हैं।

वृश्चिक – धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु – वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ – क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

मीन – नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

भगवद गीता पर हाथ रखकर एफबीआई निदेशक पद की शपथ

एजेंसी ▸▸ वाशिंगटन

काश पटेल ने एफबीआई के नौवें निदेशक के रूप में भगवद गीता पर हाथ रखकर शपथ ली। पटेल (44) के पक्ष में बृहस्पतिवार को रिपब्लिकन नेतृत्व वाली सीनेट में 49 के मुकाबले 51 मत पड़े। वह अमेरिका की प्रमुख कानून प्रवर्तन एजेंसी का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी बन गए हैं। शुक्रवार को शपथ समारोह के दौरान पटेल के परिवार के सदस्य और उनकी महिला मित्र मौजूद थीं। शपथ समारोह का संचालन अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने व्हाइट हाउस परिसर में 'आइजनहावर कार्यकारी कार्यालय भवन' (ईईओबी) में भारतीय संधि कक्ष में किया।

उन्होंने पटेल से गीता पर हाथ रखने और शपथ लेने के लिए अपना दाहिना हाथ ऊपर उठाने को कहा। पटेल ने कहा, "मैं अमेरिकी सपना जी रहा हूं। जो कोई भी सोचता है कि अमेरिकी सपना मर चुका है, वह यहां देख ले।

शब्द पहेली - 5787

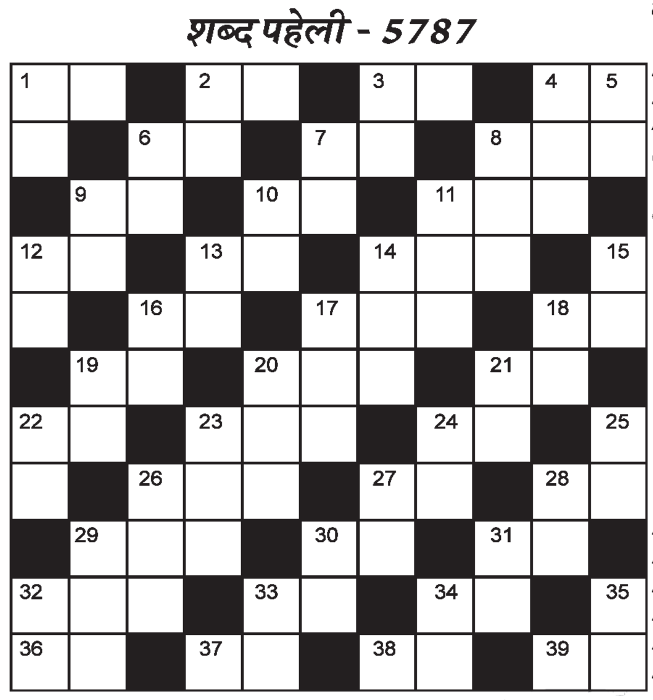

■ मैंगा सैनचा, बैंगलोर

बाएँ से दाएँ
1. कार्य, काम-2
2. अग्नि, अनल-2
3. संग, संगत-2
4. मदिरा, शराब-2
6. चुटीली बात-2
7. उम्मीद-2
8. समाचार, सूचना-3
9. भगवान कृष्ण के खेल-2
10. छाया, परछाई-2
11. कहासुनी-3
12. जी, चित-2
13. निशा-2
14. पासों का खेल-3
16. करीना की फिल्म-2
17. आगे वाला-3
18. सीधा, सरल-2
19. वीर, बहादुर-2
20. दलदल, गाद-3
21. तांत, टेलीग्राम -2
22. वंश, खानदान-2
23. नशा, नशापानी-3
24. चिट्ठी, पत्र-2
26. सही का विलोम-3
27. ठिकाना-2
28. प्राण, दम-2
29. नरक (उर्दू-3)
30. बीता हुआ दिन-2
31. पोखर, तालाब-2
32. हताहत-3
33. दर, मूल्य-2
34. आयु-2
36. अंधकार-2
37. पांव, पैर-2
38. कान्हा-2
39. टैक्स, हाथ-2

ऊपर से नीचे
1. समय, वक्त-2
2. आगमन-2
3. पति की मां-2
4. भोर, सवेरा-3
5. झगड़ा-2
6. लॉक, द्वारयंत्र-2
7. धाय, नर्स, दाई-2
8. अवरोध, रुकावट-3
9. मगन, मग्न-2
10. सप्त, सप्तम-2
11. लक्ष्मी, रमा-3
12. मौज, मजा-2
13. महाराजा-2
14. घिसन, रगस-3
15. गमन, जाना-2
16. पुनः, वापस-2
17. स्थिर-3
18. निष्कर्ष-2
19. कांटा-2
20. मूल्य, दाम-3
21. पितामह-2
22. मजदूर-2
23. ईश्वर-3
24. भूल, गलती-2
25. मछली-2
26. नगमा-3
27. क्षण-2
28. पाश-2
29. दूसरा-3
30. थोड़ा-2
31. तांबा-2
32. हमला-2
33. कलंक-2
34. गरम-2
35. मयूर-2

शब्द पहेली -5786 का हल

क	फ		ज	य		त	न		शा	न
प	त	न		ल	त		भ	ला		शा
	वा	न	र		म	ल		ज	रा	
फि		द	म	न		क	द		ज	न
दा	दा		ल	क	वा		म	स्त		ख
	न	या		ल	च	क		र	थ	
रा		क	ल		क	ल	म		ल	ब
ही	र		हू	र		ह	म	ल		ल
	स	जा		जा	ल		ता	ड़	ना	
य		म	त		व	ध		ना	का	रा
म	य		ल	क्ष्य		न	ल		म	जा

सूडोकु नवताल 5797

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ MANGA_SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5796 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

तरकश

संजय के. दीक्षित

सरकार बड़ी या अफसर

छत्तीसगढ़ में जमीन के धंधे में नेता से लेकर नौकरशाह तक ऐसे आकंठ डूबे हुए हैं कि इससे जुड़ा कोई अफसर अगर कोई बड़ा कांड भी कर दे तो उसका कोई बाला बांका नहीं हो पाएगा। हम बात कर रहे हैं आरआई विभागीय परीक्षा स्कैम का। कमिश्नर लैंड रिकार्ड ऑफिस के जिन लोगों ने 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान आरआई एग्जाम में खेला किया, उसी पैटर्न पर...वही लोग 2023 के विधानसभा चुनाव और नई सरकार बनने के दरम्यान परीक्षा में घालमेल कर डाला। बवाल मचा तो दो-दो आईएएस अफसरों की कमेटी से जांच कराई गई। जांच कमेटी के चेयरमैन केडी कुंजाम पर इतना प्रेशर था कि उन्होंने गोलमोल रिपोर्ट देते हुए अलग से जांच कराने की अनुशंसा कर दी। असल में, जांच कमेटी के कुछ लोग दूध-का-दूध, और....करने पर अड़ गए, इसलिए कुंजाम खुलकर क्लिन चिट नहीं दे पाए। मगर अलग जांच के लिए लिखा तो इसकी लीपापोती के लिए राजस्व विभाग ने एसीएस होम को इंवेस्टिगेशन के लिए पत्र लिख दिया। जबकि, गृह विभाग कोई जांच एजेंसी नहीं है। एसीएस होम ने मीडिया से कहा भी, उन्हें थाने में रिपोर्ट दर्ज कराना चाहिए। मीडिया में खबर उछली तो लैंड विभाग से जुड़े अफसर मंत्रालय के अफसरों का परिक्रमा कर आए। अब छत्तीसगढ़ के 97 परसेंट ब्यूरोक्रेट्स जमीन वाले हैं, तो फिर वे जमीन से जुड़े अफसर के खिलाफ कार्रवाई कैसे करते? मगर इतना ही पूछ लेते कि जब कोई मामला ही नहीं था तो भाई जांच कमेटी क्यों बनाई गई? एसीएस होम को पत्र क्यों लिखा जांच के लिए? चलिए....कोई नहीं। न जाने कितने चीफ सिकरेट्री, एसीएस, पीएस सिकरेट्री और कलेक्टरों को भू-पति बनने में मदद की तो इसका ईनाम तो उन्हें मिलना चाहिए न।

विधायक जीते, बीजेपी हारी

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय इलेक्शन बीजेपी के लिए ऐतिहासिक रहा तो पंचायत चुनाव में भी ट्रेंड कमोवेश वही रहा। जिन इलाकों में सत्ताधारी पार्टी को झटका लगा, उसके लिए वहां के विधायक और पार्टी के नेता जिम्मेदार हैं। राजधानी रायपुर से लगे अभनपुर ब्लॉक के तीन जिपं सदस्य चुनाव हार गए तो सोशल मीडिया के स्टेट संयोजक जनपद सदस्य की सीट नहीं निकाल पाए। पता चला है, पार्टी ने जिन पार्टी समर्थित लोगों को चुनाव में उतारा था, वहां के लोकल नेताओं को पसंद नहीं आया। उनने अपने लोगों को पैरेलेल खड़ा कर दिया। यही वजह रही कि अभनपुर में बीजेपी को करारी हार का सामना करना पड़ा। जशपुर में बीजेपी तीन सीट हार गई, उसके पीछे भी वहां के लोकल नेताओं की जिद रही। सरगुजा के सांसद चिंतामणि महाराज के भाई को बगीचा से टिकिट नहीं देने दिया। वजह? जशपुर के विधायक को अगला चुनाव बगीचा से लड़ना है। अगर चिंतामणि के भाई जीत जाते तो...? हालांकि, बीजेपी नेताओं की तमाम जोर-आजमाइश के बाद भी चिंतामणि के भाई बगीचा से जीत गए। सूरजपुर और मनेंद्रगढ़ में भी ऐसा ही हुआ। आगे चलकर विधायक टिकिट का दावेदार न बन जाएं, इसलिए योग्य प्रत्याशियों का पत्ता काट दिया गया। संगठन मंत्री पवन साय को अनुशासन का डंडा चलाना चाहिए, क्योंकि इससे बीजेपी की अनुशासित पार्टी की छबि को धक्का लगा है।

दो मिनिस्टर लेट

22 फरवरी को मंत्रालय में विष्णुदेव कैबिनेट की अहम बैठक हुई। अहम इसलिए कि कैबिनेट में मंत्रियों के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद विधानसभा में पेश किए जाने वाले बजट को हरी झंडी दी गई। ऐसे में मंत्री अगर विलंब से पहुंचेंगे तो बातें तो होगी ही। दो मंत्री आज काफी विलंब से बैठक में पहुंचे। उनमें एक तो लेटलतीफी के लिए बदनाम हो चुके हैं। बहरहाल, मुख्यमंत्री ने कुछ बोला नहीं मगर बैठक के बाद मंत्रियों के बीच इस पर काफी देर तक खुसुर-फुसुर होती रही। वैसे, ये प्रोटोकॉल के खिलाफ भी है। कैबिनेट में सीएम के पहुंचने से पहले मंत्रियों को पहुंच जाना चाहिए।

वैश्यों की पार्टी?

कुछ साल पहले तक बीजेपी अग्रवालों, मारवाड़ियों की पार्टी कही जाती थी। खासकर, छत्तीसगढ़ में वाकई दबदबा था। 2018 तक इस व्यवसायिक समुदाय से तीन-तीन मंत्री होते थे। बृजमोहन अग्रवाल, अमर अग्रवाल और राजेश मूणत। स्पीकर भी गौरी शंकर अग्रवाल। छगन मूंदड़ा सीएसआईडीसी और संतोष बाफना पर्यटन बोर्ड चेयरमैन। संगठन में भी काफी एकतरफा था...चार-से-पांच जिला अध्यक्ष तो होते ही थे। मगर समय का चक्र कहिए कि मंत्री और बोर्ड के चेयरमैन कौन कहें, आज की तारीख में बीजेपी के 33 जिला अध्यक्षों में एक भी इस समुदाय से नहीं हैं। अमर अग्रवाल को जरूर मंत्री बनाए जाने की संभावनाएं हैं, मगर सिर्फ वैश्य समुदाय से होने से नहीं...इसके पीछे उनकी काबिलियत और मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत पसंद होगी। अलबत्ता, बीजेपी द्वारा रेखा गुप्ता के दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाए जाने से इस समुदाय से जुड़े नेताओं के चेहरे पर रौनक लौटी है।

बीजेपी की चाबुक

नगरीय निकाय चुनाव में बीजेपी ने ट्रिपल इंजन का स्लोगन दिया और जनता ने इसे हाथोहाथ लेते हुए एकतरफा जनादेश भी दे दिया। मगर इससे बीजेपी की चुनौतियां बढ़ गई है। रुलिंग पार्टी अब दूसरों पर ठीकरा नहीं फोड़ सकती। छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकार 01, 02 और 03 के दौरान पार्टी कई नगरीय निकायों की सीटें हार जाती थी। सो, शहरों के डेवलपमेंट का काम नहीं होने पर सरकार को विपक्ष पर आरोप लगाने का स्पेस मिल जाता था। अब शहरी इलाकों में विकास कार्यों के साथ महापौरों, अध्यक्षों और पार्षदों पर लगाम रखने की जरूरत पड़ेगी। जाहिर है, 2023 के चुनाव में जीतने वाले कई नए विधायकों की उच्छृंखलता से बीजेपी परेशान रही। उन्हें पटरी पर लाने में एक साल लग गए। अब तो महापौर से देकर पार्षद तक भरे पड़े हैं। विधानसभा चुनाव 2028 में वे एंटी इंकाम्बेंसी का कारण न बन जाए, इसके लिए बीजेपी संगठन को अभी से चाबुक तैयार रखना होगा।

अफसरशाही में जातिवाद

अफसरशाही को जाति, धर्म और क्षेत्रवाद से अलग रहना चाहिए। मगर छत्तीसगढ़ में एक विशेष वर्ग के अफसर, सरकार और आम जनता के लिए नहीं, अपने वर्ग के लिए समर्पित हो गए हैं, ये ठीक नहीं। ये अफसर जातिवादी संगठनों को चंदा दिलवाते हैं, उनके कार्यक्रमों में खुलकर हिस्सा लेते हैं बल्कि उनकी गोपनीय बैठकों में भी शिरकत कर रहे हैं। यदि ऐसा रहा तो अफसरशाही पर से जनता का विश्वास उठेगा। जीएडी को इसे देखना चाहिए।

सीआईसी कौन-1

राज्य सरकार ने तीनेक साल से खाली मुख्य सूचना आयुक्त सलेक्शन का प्रॉसेज प्रारंभ कर दिया है। इसके लिए एसीएस मनोज पिंगुआ की अध्यक्षता में चार सचिवों की सर्च कमेटी गठित कर दी गई है। संकेत हैं, सरकार आसन्न बजट सत्र में नए सीआईसी के नाम पर मुहर लगा देगी। मगर सवाल उठता है बनेगा कौन? कुछ दिन पहले तक मुख्य सचिव अमिताभ जैन का नाम इस पद के लिए पक्का माना जा रहा था। दरअसल, पोस्ट विज्ञापित होते ही उन्होंने अप्लाई कर दिया। मगर इसमें ट्विस्ट तब आया, जब पता चला अमिताभ के बाद निवर्तमान डीजीपी अशोक जुनेजा, पूर्व मुख्य सचिव आरपी मंडल और पूर्व डीजीपी डीएम अवस्थी ने भी आवेदन भर दिया है। इससे लगता है कि विवेक ढांड का इतिहास कहीं दुहरा न जाए।

सीआईसी कौन-2

सरजियस मिंज के रिटायर होने के बाद तत्कालीन मुख्य सूचना आयुक्त की कुर्सी पर तत्कालीन चीफ सिकरेट्री विवेक ढांड ने रुमाल रख दिया था। लिहाजा, करीब साल भर तक ये कुर्सी खाली रही। इसी बीच रेरा का गठन हो गया। चमक-धमक वाले इस पद को देख ढांड का मन बदल गया। उन्होंने अप्लाई किया और रेरा के फर्स्ट चेयरमैन के लिए उनका सलेक्शन हो भी गया। अमिताभ के सामने भी इस तरह के विकल्प हैं। वे चाहें तो सीआईसी का मोह छोड़ राज्य निर्वाचन आयुक्त के लिए वेट कर सकते हैं। अमिताभ के पास अभी राज्य योजना आयोग के व्हाइस चेयरमैन का पद अतिरिक्त प्रभार है। 30 जून को रिटायरमेंट के बाद वे इस पद पर कंटीन्यू कर सकते हैं। उसके बाद अजय सिंह के 11 फरवरी 2026 को रिटायर होने से राज्य निर्वाचन आयुक्त का पद खाली हो जाएगा। अमिताभ को सात महीने राज्य योजना आयोग में रहना होगा। तत्पश्चात उन्हें छह साल वाली पोस्टिंग मिल जाएगी। वैसे भी एमके राउत के बाद सीआईसी में अब कुछ खास बचा नहीं है। 2020 से सीआईसी का पद पांच साल से घटाकर तीन साल कर दिया गया है, बल्कि सुविधाओं में भी काफी कटौती कर दी गई है। कहने का आशय यह है कि अशोक विजयवर्गीय, सरजियस मिंज और एमके राउत के दौर वाला तामझाम इसमें नहीं बच नहीं गया है। ऐसे में, अमिताभ के लिए तीन साल वाले सीआईसी से कहीं ज्यादा बेहतर राज्य निर्वाचन आयुक्त की पोस्टिंग होगी। फरवरी में भी अगर वे ज्वाईन करेंगे तो इसमें उन्हें साढ़े पांच साल रहने का वक्त मिल जाएगा। ये समीकरण अगर काम किया तो फिर कोई पूर्व डीजीपी सीआईसी बन जाएगा।

यंग अफसर और विदेश

ये ठीक है कि विदेश का सैर-सपाटा अब बहुत खर्चिला नहीं रहा। लोवर मीडिल क्लास के लोग भी अब दो-एक चक्कर लगा आ रहे हैं तो फिर आईएएस, आईपीएस अधिकारियों की तो बात ही नहीं। मगर पैसा है तो इसका ये मतलब नहीं...एक सेल्फ डिस्पिलीन होनी चाहिए...आंखों में पानी भी। छत्तीसगढ़ के खासकर यंग अफसरों में यह देखने को आ रहा कि साल में वे दो-दो, तीन-तीन फॉरेन टूर कर ले रहे। पता नहीं, सरकार से दूसरी, तीसरी बार इजाजत मांगने की हिम्मत कैसे हो जा रही।

एसपी जिले से गायब

छत्तीसगढ़ सरकार ने कलेक्टर, एसपी के लिए एक सर्कुलर जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि बिना अनुमति जिला मुख्यालय छोड़ने वालों की अब खैर नहीं। मगर कई कलेक्टर, एसपी जिला मुख्यालय कौन कहें, बिना इजाजत लिए कुंभ में डूबकी लगा आए। पिछले दिनों दो पुलिस अधीक्षक बिना बताए गृह मंत्री से मिलने कवर्धा पहुंच गए थे। पुलिस मुख्यालय ने पूछा तो बताए गृह मंत्रीजी ने बुलाया है। इस पर पीएचक्यू ने अफसरों को यह कहते हुए फटकारा कि गृह मंत्री बुलाएं तो जाओ मगर जिला मुख्यालय छोड़कर जाने का सूचना तो दो। असल में, पिछले कुछ सालों में कलेक्टर, एसपी इस कदर बेलगाम हो गए हैं कि उन पर जीएडी और पीएचक्यू के फारमानों का भी कोई असर नहीं हो रहा।

एक करोड़ की सरपंची

पंचायती राज ने सरपंचों को इतना अधिकारसंपन्न बना दिया है कि शहरों के बड़े-बड़े पार्षद उसके सामने फीके पड़ जा रहे। वर्तमान पंचायत चुनाव की ही बात करें...सरपंच पद का एक-एक प्रत्याशी 10 लाख से लेकर एक करोड़ तक खर्च कर रहा है। उद्योग तो छोड़ दीजिए, जिन पंचायतों में मुरुम और पत्थर खदानें ज्यादा हैं, वहां बजट करोड़ को क्रॉस कर गया है। नगद नारायण में भी सरपंच आगे हैं। रायपुर, बिलासपुर जैसे शहरों में पार्षद या महापौर के लिए प्रति वोट 500 रुपए बांटे गए, वहीं गांवों में सरपंच के लिए एक वोट का रेट ढाई से तीन हजार तक पहुंच गया है। दरअसल, सरपंचों के पास इन दिनों असीमित पावर हो गए हैं...उनके बिना एनोसी के आप कुछ कर ही नहीं सकते। अदद आटा चक्की लगाना होगा तो सरपंच बिना 20-25 हजार लिए एनओसी नहीं देगा। छत्तीसगढ़ के सैकड़ों सरपंच अगर स्कार्पियो और इनोवा मेंटेन कर रहे हैं तो आप समझ सकते हैं सरपंची का आउटकम कैसा होगा।

गांवों की जीडीपी टॉप पर

छत्तीसगढ़ के सरपंच प्रत्याशियों से ढाई-से-तीन हजार रुपए मिल ही रहे हैं, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य बांट रहे, वो अलग। एक घर में अगर चार वोट भी है तो गिरे हालत में 20-25 हजार आ ही जा रहा। एक से अधिक प्रत्याशियों को टोपी पहनाने में सफल हो गए तो फिर और वृद्धि। आपको बता दें, इस समय गांवों में कैश का फ्लो ऐसा बढ़ गया है कि वित्त विभाग अगर कैलकुलेशन करा ले तो इस फरवरी महीने में छत्तीसगढ़ के गांवों की जीडीपी देश में टॉप पर होगा।

अंत में दो सवाल आपसे

1. जेल से छूटकर आए कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव क्या विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए जाएंगे?
2. कलेक्टरों की ट्रांसफर लिस्ट क्या अगले सप्ताह निकल जाएगी?

अक्षय कुमार ने निर्देशक अरुण से मिलाया हाथ

मुंबई। अक्षय कुमार पिछली बार फिल्म 'स्काई फोर्स' में नजर आए थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई की थी। हालांकि, अक्षय ने फिल्म में अपने अभिनय के जरिए खूब वाहवाही लूटी थी। आने वाले दिनों में अक्षय की कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं और अब उनके खाते से एक नई फिल्म जुड़ गई है। दरअसल, अक्षय पिछली बार धनुष के साथ 'कैप्टन मिलर' लेकर आए निर्देशक अरुण माथेश्वरन की अगली फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अरुण माथेश्वरन बॉलीवुड में आने की तैयारी कर रहे हैं और अपनी पहली हिंदी फिल्म के लिए वह अक्षय के साथ बातचीत कर रहे हैं। अक्षय को उनकी फिल्म की कहानी पसंद आई है और वह इसका हिस्सा बनने के लिए अपनी रजामंदी भी दे चुके हैं। फिल्म एक्शन थ्रिलर होने वाली है। अरुण तमिल सिनेमा का जाना-माना नाम हैं। वह अपनी अलग तरह की कहानियों के लिए जाने जाते हैं।

कौन संभाल रहा प्रोडक्शन की कमान?: फिल्म काफी बड़े स्तर पर बनने वाली है। अश्विन वर्दे की पत्नी सरिता अश्विन वर्दे इसके प्रोडक्शन का काम संभालने वाली हैं, जो इससे पहले लोकप्रिय वेब सीरीज 'ब्रोकन बट ब्युटीफुल' का निर्माण कर चुकी हैं। हालांकि, यह पहली दफा होगा, जब वह बतौर निर्माता किसी फिल्म से जुड़ेंगी। अक्षय उनके साथ फिल्म 'भागम भाग 2' में भी काम कर रहे हैं और अब नई एक्शन थ्रिलर फिल्म में दोनों फिर साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

इन फिल्मों में व्यस्त हैं अक्षय : अक्षय के हाथ में फिलहाल कई फिल्में हैं। इन दिनों वह प्रियदर्शन की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' की शूटिंग कर रहे हैं। इसके बाद वह फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के फाइनल शेड्यूल की शूटिंग पूरी करेंगे।

इस साल नहीं करेंगी शादी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री कृति सैनन पिछले काफी समय से बिजनेसमैन कबीर बहिया के साथ अपने अफेयर को लेकर चर्चा में हैं। खबर है कि दोनों इस साल शादी करने वाले हैं। हाल ही में कृति अपने बॉयफ्रेंड कबीर के घरवालों से मिलने दिल्ली पहुंचीं। अब ताजा खबर यह है कि कृति इस साल शादी नहीं करेंगी।

दरअसल, अभिनेत्री इस वक्त अपनी आगामी परियोजनाओं की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसके चलते वह इस साल शादी के बंधन में नहीं बंधेगी। कृति इन वक्त दिल्ली में हैं और अपनी आगामी फिल्म 'तेरे इश्क में' की शूटिंग कर रही हैं। इसके तुरंत बाद कृति अपनी अगली फिल्म की तैयारी शुरू कर देंगी, जो 'कॉकटेल' का सीक्वल हो सकता है। एक सूत्र ने कहा, इस साल कृति के पास समय ही कहां है? वह अभी दिल्ली में हैं और 'तेरे इश्क में' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके बाद वह एक सीक्वल की शूटिंग करेंगी। बीच में कोई ब्रेक नहीं है। पिछले दिनों कबीर और कृति को बेंगलुरु में एक शादी में साथ देखा गया था, जहां दोनों ने कपड़े भी एक ही रंग के पहने हुए थे और दोनों शादी का जमकर लुत्फ उठा रहे थे।

बता दें कि 1999 में लंदन के एक अमीर परिवार में जन्मे 25 साल के कबीर ने 2018 में इंग्लैंड के बोर्डिंग स्कूल मिलफील्ड में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। कबीर ब्रिटेन की एक बड़ी ट्रेवल एजेंसी के मालिक कुलजिंदर बहिया के बेटे हैं।

ऋचा व अली की शॉर्ट फिल्म हुई रिलीज

मुंबई। ऋचा चड्ढा और अली फजल काफी समय से अपनी शॉर्ट फिल्म 'टॉप्स' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसकी कहानी समलैंगिक रिश्ते पर आधारित है। इसमें उल्लास सम्राट और रोहित मेहरा मुख्य भूमिका में हैं, वहीं सुधांशु सरिया इस फिल्म के निर्माता हैं। अब सुधांशु के जन्मदिन के मौके पर इसे यूट्यूब पर रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म को आप लोटस विजुअल प्रोडक्शंस के यूट्यूब चैनल पर देख सकते हैं। शॉर्ट फिल्म 'टॉप्स' का निर्देशन अरविंद कौलागी ने किया है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। इसके अलावा ऋचा अपनी आगामी को लेकर 'आखिरी सोमवार' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसकी कहानी खुद ऋचा ने लिखी है। भिनेत्री और निर्माता के बाद राइटर बन गई हैं। दूसरे लॉकडाउन के दौरान उन्होंने इसकी कहानी लिखी थी।

संगीतकार प्रीतम चक्रवर्ती के 40 लाख रुपए चुराने वाला ऑफिस बॉय सांबा से गिरफ्तार

मुंबई। 1938 में, रवींद्रनाथ टैगोर ने कथा काव्य संग्रह में परिशोध कविता में लिखा था:-

राजकोष से चोरी! पकड़ो चोर को,
नहीं तो, नगरपाल, रक्षा नहीं तेरी,
मुण्ड रहेगा नहीं देह पर...
राजा के शासन में रक्षी दल
घर-घर, गली-गली चोर ढूंढते फिरते हैं...

यह 2025 है। राजकोष से तात्पर्य बॉलीवुड के प्रसिद्ध संगीत निर्देशक प्रीतम चक्रवर्ती के ऑफिस से है। यहां से चोरी किए गए 40 लाख रुपये लेकर फरार हुए चोर को मुंबई पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के सांबा शहर से गिरफ्तार कर लिया। चोर कोई और नहीं, बल्कि प्रीतम चक्रवर्ती के ऑफिस का ऑफिस बॉय था। उसका नाम आशिष बुटीराम सायल है, उम्र 32 वर्ष। 4 फरवरी को दोपहर करीब 2 बजे, मुंबई के उत्तर-पश्चिम उपनगर गोरेगांव में स्थित प्रीतम चक्रवर्ती के ऑफिस **Unimas Record Private Limited** से आशिष बुटीराम ने 40 लाख रुपये की नकदी चुरा ली। यह राशि फिल्म इंडस्ट्री के एक क्लाइंट से प्राप्त हुई थी और प्रीतम चक्रवर्ती के सचिव, विनीत छेड़ा, ने इसे ऑफिस में एक ट्रॉली बैग में रखा था। योजना थी कि थोड़ी देर बाद विनीत यह पैसे प्रीतम चक्रवर्ती के घर लेकर जाएंगे और उनसे कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराएंगे। हालांकि, जब विनीत थोड़ी देर के लिए किसी और काम से बाहर गए और वापस लौटे, तो उन्होंने देखा कि ट्रॉली बैग गायब है। उन्होंने तुरंत आशिष बुटीराम को फोन किया, लेकिन उसका मोबाइल बजता रहा और कुछ देर बाद स्विच ऑफ हो गया। यह देखकर विनीत को संदेह हुआ और उन्होंने तुरंत प्रीतम को सूचना दी। प्रीतम ने विनीत को मलाड पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराने को कहा। एफआईआर दर्ज होने के बाद, मलाड पुलिस ने गोरेगांव, मलाड, कांदिवली, चारकोप, वर्सोवा और मार्वे रोड क्षेत्रों में लगे लगभग 150 से 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। फुटेज में देखा गया कि आशिष बुटीराम कांदिवली इलाके में एक ऑटो-रिक्शा से उतरा, फिर कभी पैदल, कभी ऑटो-रिक्शा से सात-आठ घंटे तक अलग-अलग इलाकों में घूमता रहा।

धनश्री वर्मा को तलाक के बाद मिली 60 करोड़ रुपए की एलिमनी

मुंबई। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा का तलाक हो चुका है। दोनों आपसी सहमति से एक-दूसरे से अलग हो चुके हैं। उनके बीच अलगाव की खबरें तो काफी समय से आ रही थीं, लेकिन अब जाकर कानूनी रूप से युजवेंद्र और धनश्री एक-दूसरे से अलग हुए हैं। यह चर्चा जोरों पर थी कि तलाक के बाद युजवेंद्र ने धनश्री को 60 करोड़ रुपये की एलिमनी दी है। अब इस मामले में धनश्री के परिवार ने चुप्पी तोड़ दी है। धनश्री के परिवार के एक सदस्य ने नाम न बताने की शर्त पर बॉम्बे टाइम्स से कहा, एलिमनी को लेकर जो झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं, हम उनसे बहुत दुखी हैं। मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं...न तो इतनी रकम कभी मांगी गई, ना ही हमारे सामने पेशकश की गई। ये महज अफवाहें हैं, जिनमें कोई सच्चाई नहीं है। बिना सच जाने और तथ्यों की पड़ताल किए बिना ही ऐसी खबर छापना एक बहुत गैर-जिम्मेदाराना काम है। धनश्री के परिवार से जुड़े सदस्य ने आगे कहा, हम उन बेबुनियाद दावों से बेहद नाराज हैं, जो एलिमनी के बारे में फैलाए जा रहे हैं। इनसे न सिर्फ युजवेंद्र और धनश्री, बल्कि उनके परिवारों को भी इसमें घसीटा जा रहा है। यह केवल नुकसान पहुंचाता है। हम मीडिया से गलत सूचना फैलाने से पहले संयम बरतने और तथ्यों की जांच करने का आग्रह करते हैं। साथ ही गुजारिश करते हैं कि सभी की गोपनीयता का सम्मान भी करें।

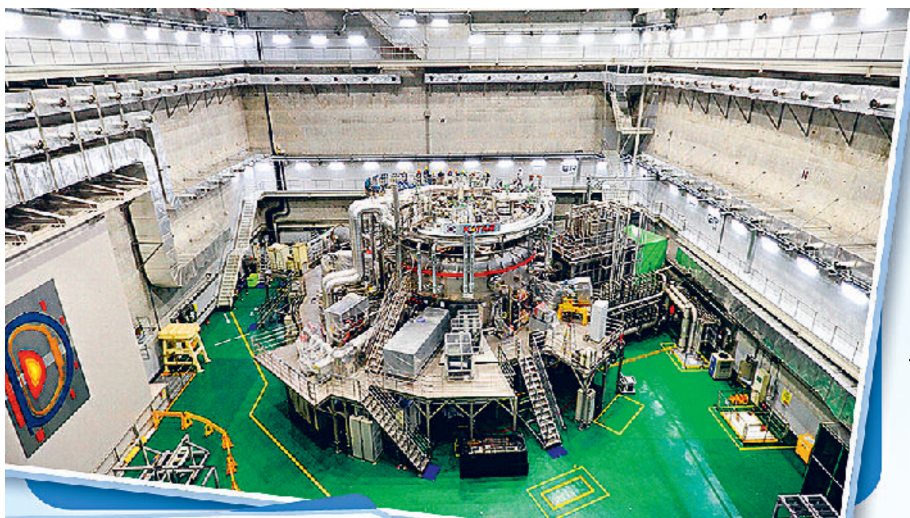

विशेषः राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, 28 फरवरी

हमारे सौर मंडल में एक प्राकृतिक सूरज तो है ही, जिससे असीमित ऊर्जा निरंतर निकलती रहती है। लेकिन अब भारतीय वैज्ञानिकों समेत दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिक मिलकर एक कृत्रिम छोटा सूरज यानी मिनी सन का निर्माण कर रहे हैं। कैसा है धरती का यह सबसे बड़ा और महंगा प्रोजेक्ट, कैसे करेगा यह अपना कार्य? इसके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

भारतीय वैज्ञानिकों की मदद से बन रहा

धरती पर पहला मिनी सन

कवर स्टोरी

अपराजिता

हाल ही में फ्रांस यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (आईटीईआर) यानी दुनिया के उस प्रोजेक्ट को देखने गए, जिसके तहत धरती में कृत्रिम 'मिनी सूरज' बनाने की कोशिश हो रही है। यह कोशिश दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिक मिलकर कर रहे हैं, जिनमें भारतीय भी हैं।

सबसे बड़ा-महंगा प्रोजेक्टः दुनिया के इस सबसे बड़े एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट की शुरुआत साल 2006 में फ्रांस के राष्ट्रपति भवन एलिसी पैलेस में हुई, जहां दुनिया के कई देश इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर साथ-साथ काम करने को राजी हुए। ये देश थे- अमेरिका, यूरोपीय यूनियन के देश, रूस, चीन, भारत और दक्षिण कोरिया। आज इस प्रोजेक्ट में 30 देश अपना योगदान दे रहे हैं।

हमारा देश न केवल इस प्रोजेक्ट की लागत में हिस्सेदारी कर रहा है, बल्कि हमारे कई वैज्ञानिक इस प्रोजेक्ट की कोर टीम का हिस्सा भी हैं। दरअसल, सूरज में जिस प्रक्रिया से ऊर्जा उत्पन्न होती है, इस प्रोजेक्ट का मकसद उसी प्रक्रिया से बिजली उत्पन्न करना है। एक तरह से वैज्ञानिक धरती में कृत्रिम 'मिनी सूरज' बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह अब तक का दुनिया का सबसे महंगा और महत्वाकांक्षी एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट है, जो अगर सफल हुआ तो असीमित मात्रा में बिजली पैदा करेगा।

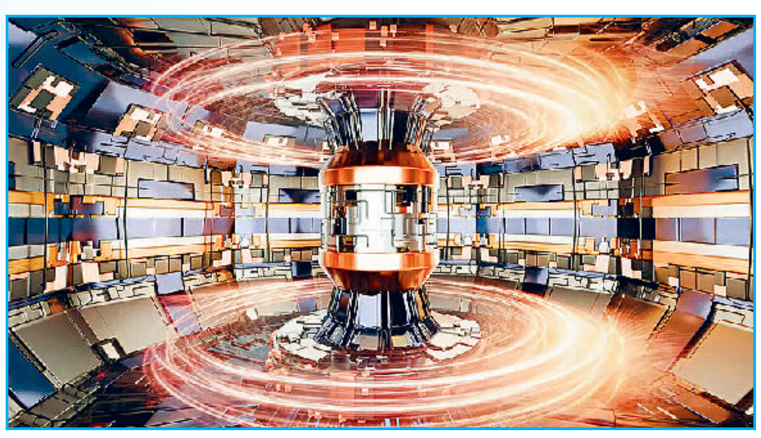

असीमित ऊर्जा का होगा उत्पादनः इस प्रोजेक्ट के तहत दुनिया की सबसे बड़ी 'टोकामक' बनाई जा रही है। टोकामक रशियन शब्द है, जिसका मतलब एक ऐसी मशीन है, जिसका इस्तेमाल परमाणु नाभिकीय संलयन से ऊर्जा पाने के लिए किया जाता है। वास्तव में यह एक एक्सपेरिमेंटल डिवाइस है, इसमें चुंबकीय क्षेत्र का इस्तेमाल करके प्लाज्मा को 'डोनट' के आकार में सीमित कर दिया जाता है। इस आकार को वैज्ञानिकों की भाषा में टोरस कहते हैं। यह वैक्यूम वेसल 'सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट' होता है। टोकामक में गरम प्लाज्मा को एक निश्चित आयतन में बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया होता है। टोकामक में बनी ऊर्जा बर्तन की दीवारों में गर्मी के रूप में अवशोषित होती है। इसे थर्मल इंसुलेशन के लिए बड़े क्रायोस्टेट में रखा जाता है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिकों का अनुमान है कि प्रोजेक्ट के सफल होने पर इस पावर प्लांट से 500 मेगावाट न्यूक्लियर एनर्जी का उत्पादन किया जाएगा।

एक्सपर्ट कमेंट

इस मिनी सूरज प्रोजेक्ट का सात सालों तक नेतृत्व करने वाले फ्रांस के बर्नार्ड बिगोट ने एक बार कहा था, 'हम यहां जो करने की कोशिश कर रहे हैं, अगर उसमें सफल रहे यानी मिनी सूरज बना लिया तो फिर इंसान द्वारा बनाया गया यह सूरज कभी नहीं डूबेगा' यानी यह 'फ्यूजन पावर प्लांट' हर समय चलता रहेगा।'

आसान नहीं है यह प्रोजेक्टः इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य है, न्यूक्लियर फ्यूजन यानी परमाणु संलयन में महारत हासिल करना। न्यूक्लियर फ्यूजन, सूर्य और बाकी तारों में होने वाली एक प्रक्रिया है, जिससे उनमें गर्मी पैदा होती है। हालांकि पृथ्वी पर न्यूक्लियर फ्यूजन की नकल करके एक मिनी सूरज बना लेना बेहद मुश्किल है। यदि ऐसा हो गया तो हमें असीमित मात्रा में ऊर्जा मिल सकती है। साथ ही यह ऊर्जा जीवाश्म ईंधन की तरह ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन भी नहीं करेगी। दुनिया में जो न्यूक्लियर एनर्जी इस्तेमाल की जाती है, वो परमाणु विखंडन यानी न्यूक्लियर फिजन से हासिल होती है, इस प्रक्रिया में रेडियोएक्टिव कचरा पैदा होता है, जबकि न्यूक्लियर फ्यूजन में किसी तरह का कचरा नहीं निकलता।

मिनी सन का स्ट्रक्चर-फंक्शनिंगः इस प्रोजेक्ट के तहत जो मिनी सूरज बनाया जा रहा है, उसमें असीमित ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए दो हाइड्रोजन परमाणुओं को बहुत अधिक वेग से एक-दूसरे की तरफ धकेला जाता है, इससे ये दोनों जुड़कर हीलियम परमाणु बनाते हैं। साथ ही इस दौरान न्यूट्रॉन भी बनता है, जिससे अत्यधिक मात्रा में ऊर्जा निकलती है। प्रोजेक्ट के विशेषज्ञों का मानना है कि फ्यूजन से एनर्जी पैदा करना अपने आप में कोई मुश्किल काम नहीं है, लेकिन इसे लगातार बनाए रखना मुश्किल है। इसी तकनीक को हासिल करने के लिए वैज्ञानिक और टेक्निकल एक्सपर्ट दशकों से मेहनत कर रहे हैं। आईटीईआर प्रोजेक्ट का आकार इतना बड़ा है, जिसमें 39 बड़ी इमारतें बन सकती हैं। न्यूक्लियर फ्यूजन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डिवाइस टोकामक का वजन 23,000 टन है। यह वजन तीन एफिल टावर के संयुक्त वजन के बराबर है। इस रिएक्टर में दस लाख घटक शामिल हैं, जो कम से कम एक करोड़ छोटे भागों में बंटे हुए हैं। रिएक्टर में लगभग 4,500 कंपनियों से जुड़े सैकड़ों वैज्ञानिक और कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। शुरू में प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 5 अरब डॉलर थी, समय के साथ यह बढ़कर 22 अरब डॉलर हुई। अब अमेरिका के ऊर्जा विभाग का अनुमान है कि प्रोजेक्ट की कीमत 65 अरब डॉलर तक हो सकती है। इस खर्च को देखते हुए ही इसे दुनिया का सबसे मंहगा वैज्ञानिक प्रोजेक्ट कहा जा रहा है।

शुरू होने में लगेंगे कुछ वर्षः प्रोजेक्ट की शुरुआत में माना जा रहा था कि यह प्रोजेक्ट 2020 तक पूरा हो जाएगा, लेकिन जुलाई 2024 तक रिएक्टर सिर्फ पूरी तरह से असेंबल हो पाया था। अब अनुमान है कि 2039 तक यह प्रोजेक्ट काम करना शुरू कर सकता है। *

भारत की है महत्वपूर्ण भूमिका

भारत इस प्रोजेक्ट का शुरू से ही हिस्सा है। हम इस प्रोजेक्ट में 10 प्रतिशत खर्च की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। हमने इस प्रोजेक्ट के लिए 17,500 करोड़ रुपए देने का वादा किया है। साथ ही करीब 25 से 30 भारतीय वैज्ञानिक हमेशा इस प्रोजेक्ट में मौजूद होते हैं। यूरोपीय संघ प्रोजेक्ट की लागत का 45 प्रतिशत खर्च उठा रहा है। हमारा इस मायने में एक और अहम योगदान है कि रिएक्टर को ठंडा करने के लिए जिस 'क्रायोस्टेट फ्रीजर' का इस्तेमाल हो रहा है, उसे हमारी लार्सन एंड टुब्रो कंपनी ने ही बनाया है। यह क्रायोस्टेट फ्रीजर दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा फ्रीजर है। यह टोकामक के अंदर सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट और वैक्यूम वेसल के बाहर लगता है और इससे रिएक्टर को -193 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा किया जाएगा। क्रायोस्टेट 54 यूनिट्स से मिलकर बना है, इसे 2020 में फ्रांस भेजा गया था। इस क्रायोस्टेट का वजन 3,800 टन है और इसकी ऊंचाई कुतुब मीनार की आधी है। इस फ्रीजर की वजह से प्रोजेक्ट में भारत की भागीदारी बहुत अहम हो गई है।

एआई ने शुरू किया

मैन-मशीन कॉम्पिटिशन

वैज्ञानिक प्रगति आज उस मुकाम पर पहुंच चुकी है कि इंसान के द्वारा निर्मित मशीन, इंसान को ही चुनौती दे रही है। हालात ये हो गए हैं कि कई स्तरों पर एआई, इंसान को मात देने लगी है। इनके कॉम्पिटिशन का परिणाम क्या होगा, वक्त ही बताएगा।

साइंटिफिक वर्ल्ड

लोकमित्र गौतम

हालांकि दशकों से कहा जा रहा है कि इंसान और मशीन में वर्चस्व की जंग शुरू होने वाली है। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक में मशीन वाकई इंसान के साथ प्रतिस्पर्धा के कई मोर्चों पर इंसान की क्षमताओं को मात देकर आगे निकल रही है।

कई मामलों में बहुत आगे है मशीनः आज डेटा प्रोसेसिंग के मामले में जीनियस से जीनियस इंसान भी एआई यानी आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस का सामना नहीं कर सकता। डेटा प्रोसेसिंग मामले में इंसान एआई के सामने कहीं नहीं टिकता है। यहां एआई इंसान से सैकड़ों नहीं हजारों गुना तेज और कुशल हो चुका है। लेकिन बात यहीं तक सीमित नहीं है। मशीन अब सिर्फ कैलकुलेट भर नहीं करती, वह सोचने में भी सक्षम है। यही नहीं इस कारण से मशीन जटिल निर्णय लेने में भी माहिर हो रही है। डीप लर्निंग, नैनो प्रोसेसिंग और न्यूरल नेटवर्क्स ने एआई की संभावनाओं को चमत्कारिक बना दिया है।

मशीन से सीख रहा इंसानः इंसान कई मामलों में न केवल एआई से बहुत कुछ सीख रहा है बल्कि उससे प्रेरित भी हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की चुनौतियों के चलते इंसान ने अपनी सोचने और समझने की क्षमता को कहीं ज्यादा तीव्र, परिष्कृत और नए आयामों तक पहुंचने के संदर्भ में निखारा है। क्योंकि इसे जंग कहें या न कहें लेकिन इंसान ने इस बात को भली-भांति जान लिया है कि अगर वह नई तकनीक को अपनाने में पीछे रहेगा तो मशीन उसे हर हाल में पछाड़ देगी। इसके बावजूद कि भले लेखन, संगीत, चित्रकला और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में एआई क्रिएटिव रोल निभाता दिख रहा हो, लेकिन यह भूमिका उसके सेल्फ डिसीजन का नतीजा नहीं है, यह उसे हासिल निर्देशों का रिजल्ट होता है। लेकिन कौन जाने जीपीटी-4, डीएएलएल-ई, डीएएलएल-ई 2 और डीएएलएल-ई 3 जैसे टूल्स के बाद मशीन ओरिजिनल क्रिएटिविटी के मामले में भी इंसान को मात देने की कोशिश करे।

लाजवाब है रोबोटिक टेक्नीकः हाल के दिनों में मशीन ने जिन और कई क्षेत्रों में इंसान को हैरान या कहें कि हतोत्साहित किया है, वह सेल्फ ड्राइविंग, ऑटोएक्टिव ड्रोन और रोबोटिक असिस्टेंस का तकनीकी क्षेत्र है। आज इंसान से कहीं बेहतर कार ड्राइविंग एआई नियंत्रित रोबोट कर रहा है। ऑटोड्राइवर ड्रोन भी इंसान के अनुमान से कहीं ज्यादा सटीक लक्ष्य पर वार कर रहा है। विभिन्न सहायता क्षेत्रों में जिस तरह की असिस्टेंस आज एआई प्रदान कर रही है, निःसंदेह वह इंसान के बस में नहीं है। कहना चाहिए आटोनोमस सिस्टम को एआई ने सिर्फ क्रांतिकारी ही नहीं बनाया हैरान करने की हद तक उपयोगी और सटीक भी बनाया है।

मैन्युफेक्चरिंग और हेल्थ केयर के मामले में भी मशीन, इंसान से किसी हद तक जंग जीत चुकी है या कहें वह अपर हैंड है। जितनी सफाई से आज कोई रोबोट, सर्जन की सर्जरी के दौरान मदद करता है, कोई भी नर्स उतनी सफाई से मदद नहीं कर पाती। लेकिन हां, एक मामले में एआई नर्स के सामने पिछड़ जाता है कि नर्स बिना किसी कमांड के भी कई निर्णय अपनी बुद्धिमत्ता से ले लेती है, जो एआई के बस में नहीं है।

कुछ घटी-कुछ बढ़ी हैं जॉब्सः एआई के कारण आज ऑटोमेशन के कई सेक्टर में इंसान के लिए जॉब या तो खत्म हो गए हैं या बहुत कम रह गए हैं। लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि एआई ने नई इंडस्ट्रीज और रोजगार के क्षेत्र भी बनाए हैं। डेटा साइंस और मशीन लर्निंग इंजीनियरिंग, एआई विकसित इंडस्ट्रीज हैं। रोजगार के क्षेत्र में एथिक्स और लर्निंग को एआई ने नए आयाम दिए हैं।

सच तो यह है कि जिस तरह से एआई ने हाल के सालों में इंसान को चौंकाया, छकाया और कई क्षेत्रों में हराया भी है, उससे आदमी प्रेरित होकर खुद चौकन्ना हो रहा है, जिससे कि वह एआई के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सके और पहली बार दुनिया में मैन-मशीन की आशंकित जंग के बजाय एक साझा युग शुरू हो। *

क्रिएटिविटी में इंसानों से पीछे मशीन

हालांकि डेटा एप्लीकेशन का निर्णय लेने के मामले में, उसके संदर्भों को एनालाइज करने में इंसान एआई से आज भी कोसों आगे है। इसी तरह देखें तो क्रिएटिविटी के मामले में भी भले एआई, इंसान को टक्कर दे रही हो, लेकिन उसकी यह टक्कर अभी क्रिएटिविटी को सिमुलेट करने तक ही सीमित है, जबकि इंसान अपनी कल्पनाशीलता से नई सोच और नए रेफरेंस विकसित करने में भी माहिर है।

कविता

हरीश कुमार 'अमित'

खुशबू

बीतती जाती है जिंदगी
लम्हा-लम्हा,
मगर बीते हुए लम्हों के
खूबसूरत हिस्सों की खुशबू
करती रहती है
अक्सर हमारा पीछा
देर तक,
बड़ी दूर तक।
झिलमिलाते रहते हैं
जब-तब
बीत चुके खुशनुमा लम्हों के अक्स
हमारे दिलो-दिमाग में
इसी खुशबू की बदौलत।
आता है जब-जब
हमारी जिंदगी का खराब वक्त,
देती है तब हमें
बहुत सुकून और सहारा
इन्हीं बीत चुके लम्हों की
भीनी-भीनी-सी खुशबू।
होती है साबित
बहुत मददगार
यही खुशबू
ऐसे बुरे वक्त का
मुकाबला करने में।

व्यंग्य / डॉ. मुकेश असीमित

आप चाहते हैं कि आपको आपकी मनचाही कुर्सी मिले, आपका सात जन्मों तक का कुर्सी-संगम बना रहे। कुर्सी को बुरी नजर से बचाव मिले, तो आप यहां दिए जा रहे फार्मूले जरूर अपनाएं।

कुर्सी वंदना

लो जी, अब तनिक कुर्सी प्रेमियों को भी कुछ खुशखबरी सुना दें। कुर्सी का बिछोह सबसे बड़ा गम है। कुर्सीगीरी ऐसे ही नसीब नहीं होती। अपनी कुर्सी कैसे बचाए रखनी है, बस इसी जुगत में सब कुलबुलाते रहते हैं। कुर्सी की ऊंचाई भी छोटी-बड़ी होती रहती है। आपकी कुर्सी दिन-दूनी, रात-चौगुनी अपना कद ऊंचा करे, इसके लिए हम कुछ नायाब फार्मूले लेकर आए हैं।

आप चाहते हैं कि आपको आपकी मनचाही कुर्सी मिले, आपका सात जन्मों तक का कुर्सी-संगम बना रहे। कुर्सी को विरोधियों की बुरी नजर से बचाव मिले, तो आप यहां दिए जा रहे फार्मूले जरूर अपनाएं। शर्तिया सफलता की गारंटी बिल्कुल चांदसी दवाखाने के हकीम की मर्दानगी ताकत वापस दिलाने की गारंटी जैसी।

सबसे पहले, अपने गले में रुद्राक्ष की जगह किसी खाती से 108 मनकों की कुर्सी बीड-नुमा माला बनवाएं। इसे गले में डालकर रखें। सुबह-शाम गले से उतारकर इसका जाप करें। जाप के साथ यह मंत्र उच्चारण आवश्यक है- 'ॐ कुर्स्याय नमः।'

एक बार कुर्सी प्राप्त हो जाने के बाद, जिस प्रकार से आप रंग बदलते हैं, उसी प्रकार से मंत्र जाप भी बदल लें। अब यह मंत्र जाप करना है-'कुर्सी अधिष्ठानम अक्षयं कुरु।'

इस मंत्र का अर्थ है, 'कुर्सी को स्थिर और अक्षय बनाओ।' यह मंत्र कुर्सी को स्थायित्व प्रदान करने की प्रार्थना करता है, जिससे कि वह सदैव आपके नियंत्रण में रहे और आपको उस पर से गिरने, उतरने, धकियाने या गिराने का भय न हो। यह मंत्र कुर्सीधारकों को एक आध्यात्मिक आश्वासन प्रदान करता है कि उनकी कुर्सी उन्हें आत्मविश्वास और शांति प्रदान करेगी।

कुर्सी प्राप्त होने के बाद यदि कुर्सी पूजन महोत्सव रखा जाए, तो आपकी कुर्सी की स्थिरता की शत-प्रतिशत गारंटी है।

मान लीजिए, आपका नया-नया प्रमोशन हुआ है या आपको जुगाड़ लगाकर मंत्री पद प्राप्त हुआ है। नई नवेली कुर्सी आपको प्राप्त हुई है। पता लगा कि कुर्सी-संगम को गिने-चुने चार दिन भी नहीं हुए कि आ गया कोई न कोई विलेन आपके इस संगम को गम में बदलने के लिए।

पहली बात तो यह कि इतनी आसानी से कहां यह कुर्सी मिलती है? भाई, बड़े जतन से, जोड़-तोड़, जुगाड़ और कुछ नए-पुराने वादों की मिश्रित खाद से यह कुर्सी हासिल की गई है। अब, इससे पहले कि कुर्सी के साथ रंगरेलियां मनाना शुरू करें, क्यों न एक बार कुर्सी पूजन को विधिवत निपटा लें? तो चलिए, आज हम लोग कुर्सी का पूजन करेंगे, विधि-विधान से। पंडित जी को बुला लें, शुरू में आप मुझे भी बुला सकते हैं। आजकल तो वैसे भी ब्रिज कोर्स का जमाना है। सोचा है, डॉक्टरी बढ़िया चले न चले, ये कुर्सी-पूजन कर्मकांड से ही कमा लेंगे। तो हम कुर्सी के लिए विशेष मंत्रोच्चार करेंगे, ताकि कुर्सी पर किसी की नजर न उलझे और इसमें नवग्रह-शक्ति का प्रयोग करके इसे और भी अजेय बनाया जा सके।

मंत्र इस प्रकार है- 'ॐ कुरसीयै नमः, ॐ बैठकाय स्थायिनमः सिद्धिं कुरु-कुरु स्वाहा।' इस मंत्र का अर्थ है कि कुर्सी पर बैठने वाले को स्थायित्व प्राप्त हो और कोई भी चुनावी हवा इसे उड़ा न सके। पंडित जी इस कुर्सी के चारों ओर लोभ, मोह, काम, क्रोध के फूल चढ़ाएंगे, जो राजनीति के जरूरी तत्व हैं।

अब पूजा का मुख्य आकर्षण- चढ़ावा।

चढ़ावे में मंत्री जी से अपने पूर्व वादों की माला, जनता के सपनों को चूर कर बनाए गए बुरादे की मिठाई, और विपक्ष की आलोचनाओं की धूप-बाती अर्पित करें। ये सब कुर्सी की सेवा में पेश करने से कुर्सी की ऊर्जा और बढ़ जाती है।

अंत में, सभी आरती उतारें, जिसमें कुर्सी के चारों ओर मीडिया के कैमरे और राजनीतिक समर्थकों की फ्लैश लाइट्स भी शामिल करें। ये सब प्रथम पूज्य देव हैं, जो आपकी कुर्सी को टिकाए रखने में मदद करेंगे। आरती के बाद सभी मिलकर प्रसाद रूप में 'सत्ता का स्वाद' मिश्रित मावे की मिठाई का भोग लगाएं।

कुर्सी पूजन के पश्चात माहौल को और उत्सवमय बनाने के लिए 'कुर्सी उत्सव' का आयोजन कर सकते हैं। इस आयोजन का प्रस्ताव और खर्च किए जाने वाले फंड को हाई लेवल मीटिंग में पहले ही स्वीकृत करवा लें। कुर्सी उत्सव को सालाना वार्षिक उत्सव की तरह ऑफिस प्रोसीडिंग में शामिल करवाया जा सकता है। कुर्सी के स्वागत के लिए एक विशेष 'कुर्सी रथ' का आयोजन किया जाए, जिसे समर्थकों द्वारा फूलों और गुब्बारों से सजाया जाए। इस रथ को उन चार नेताओं से खिंचवाया जाए, जिन्होंने आपकी कुर्सी को हथियाने में खींचातानी की थी। रथ यात्रा के दौरान बैंड-बाजे बजवाएं और 'कुर्सी महारानी की जय' के नारे लगवाएं।

कुर्सी की महिमा को बखान करते हुए, एक विशेष भक्ति-गीत को गवैयों से गवाया जाए, जिसमें गीत के बोल हो सकते हैं-'कुर्सी तेरे साथ में, सब कुछ अपने हाथ में।'

अगर दिल्ली तक आपकी पहुंच है, तो कृपया इस भक्ति गीत को भी लोकतंत्र के अधिकृत गीत की मान्यता दिलवा दें। इस बहाने गीत की रॉयल्टी मुझे मिलती रहेगी, तो मेरा भी रोटी-पानी का जुगाड़ हो जाएगा।

आप चाहें तो एक मजेदार 'कुर्सी दौड़' का आयोजन करवा सकते हैं, वैसे भी यह तो देश का राष्ट्रीय खेल घोषित हो जाना चाहिए था, अब तक। इस खेल में तो सभी नेता पहले से ही माहिर हैं, इसलिए ज्यादा कुछ बताने की जरूरत नहीं होगी।

सभी नेताओं को एबीएस अपनी-अपनी कुर्सियों पर बैठकर दौड़ना होगा। नेता बिना कुर्सी के अपंग हैं, दीन-हीन और बेसहारा हैं। आप उन्हें दौड़ाएंगे तो वे एक कदम भी न चल सकेंगे। यह बहुत मजेदार खेल होगा, देखना कि कैसे सभी नेता अपनी-अपनी कुर्सियों को धकेलते हुए फिनिश लाइन की ओर बढ़ रहे होंगे।

समारोह की अंतिम प्रतिस्पर्धा में, आप 'कुर्सी टग ऑफ वॉर' जैसा खेल रख सकते हैं या रूमाल-झपट्टा की तरह 'कुर्सी-झपट्टा' जैसा कोई खेल- यह आपकी मर्जी। कुर्सी को बीच में रस्से से बांध दीजिए, और फिर दोनों तरफ से दोनों गुटों के नेता रस्सी खींचें। *

लघुकथा / सरस्वती रमेश

अपना-अपना मुनाफा

महिला ने बड़े हुलस के साथ दुकानदार से पूछा, 'यह वाला हार कितने का है?' महिला की आंखों की चमक बता रही थी कि वह इस हार को लेकर ही रहेगी।

दुकानदार ने इस चमक को पढ़ लिया था। वह हार महिला की ओर बढ़ाते हुए बोला, 'तीन सौ रुपए!'

हार को हाथ में लेकर महिला ने उसे ललचाई आंखों से देखा। उलट-पलट कर ध्यान से उस मल्टी कलर हार का मुआयना किया। मन ही मन बोली, 'यह तो वही हार है, जो मैंने कुछ दिन पहले ऑनलाइन साइट पर देखा था। वहां इसकी कीमत 700 रुपए थी और यहां यह सिर्फ 300 में मिल रहा है। यानी आधे से भी कम कीमत पर। मुझे कुल 400 रुपए का फायदा हो रहा है।'

'भैया यह हार पैक कर दीजिए।' कहते हुए उसने तीन सौ रुपए पर्स से निकाल कर दुकानदार के सामने काउंटर पर रख दिए।

दुकानदार ने मन ही सोचा, 'यह हार तो मैं दो सौ का भी दे सकता था, लेकिन इस महिला ने कम करने को कहा ही नहीं। आज तो एक ही हार पर सौ रुपए का अतिरिक्त मुनाफा हो गया।' *

भारत और जापान 15 दिन तक करेंगे मिलिट्री एक्सरसाइज

■ 24 फरवरी से शुरू होगा 'धर्म गार्डियन' संयुक्त सैन्य अभ्यास

■ यह अभ्यास 9 मार्च 2025 तक जापान के पूर्वी फूजी क्षेत्र में चलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारत और जापान के बीच 15 दिन तक चलने वाला संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्डियन' 24 फरवरी से शुरू हो रहा है। यह युद्धाभ्यास 9 मार्च 2025 तक जापान के पूर्वी फूजी युद्धाभ्यास प्रशिक्षण क्षेत्र में चलेगा। इस एक्सरसाइज का मकसद दोनों सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाना और शहरी युद्ध तथा आतंकवाद रोधी अभियानों में सहयोग को मजबूत करना है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह अभ्यास क्षेत्रीय सुरक्षा, शांति और स्थिरता की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र की रणनीति को भी आगे बढ़ाता है। भारतीय सेना की एक टुकड़ी इस अभ्यास में शामिल होने के लिए जापान रवाना हो चुकी है। इसमें मुख्य रूप से मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन के 120 सैनिक शामिल हैं। वहीं, जापान ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेजीएसडीएफ) की ओर से 34वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट के 120 सैनिक भाग लेंगे।

यह है 'धर्म गार्डियन'

'धर्म गार्डियन' एक सालाना अभ्यास है, जो भारत और जापान में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है। पिछली बार यह युद्धाभ्यास फरवरी-मार्च 2024 में राजस्थान में हुआ था। इस बार जापान इसकी मेजबानी कर रहा है। रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार, यह अभ्यास उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना और सामरिक रणनीति पर केंद्रित होगा। सैनिकों को शहरी युद्ध की चुनौतियों से निपटने और आतंकवाद विरोधी अभियानों को अंजाम देने की ट्रेनिंग दी जाएगी।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री के रडार पर मोहल्ला क्लीनिक एक सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह शपथ लेने के एक दिन बाद पूरे एक्शन में नजर आ रहे हैं। पंकज सिंह के रडार पर सबसे पहले आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा चलाई गई मोहल्ला क्लीनिक योजना है। जिसको लेकर केजरीवाल सरकार ने बड़े दावे किए थे। इसके लेकर उन्होंने विभाग के विशेष सचिव को निर्देश दिया है कि वो दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों को लेकर एक सप्ताह में रिपोर्ट पेश करें। स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देश दिया कि अगर कोई भ्रष्टाचार या खामियां पाई जाती हैं तो सख्त कार्रवाई की जाए। रिपोर्ट प्रस्तुत करंग कि कितने मोहल्ला क्लीनिक चल रहे हैं, उनमें से कितने दिल्ली सरकार की जमीन पर हैं और कितने किराए पर चल रहे हैं? क्या डॉक्टर आकर काम करते हैं। अगर वे नहीं आते हैं, तो बिल कैसे बनाए जाते हैं?

अगले सप्ताह से भारत की यात्रा पर रहेंगी यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज .नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से बढ़ते वैश्विक सुरक्षा खतरे के बीच यूरोपीय संघ (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन 27 से 28 फरवरी तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगी। जो भारत और ईयू के बीच बढ़ते तालमेल को मजबूत बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि भारत यात्रा के दौरान ईयू अध्यक्ष की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक प्रतिनिधिमंडल स्तर की अहम बैठक होगी। जिससे दोनों पक्षों के बीच प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ते तालमेल को और अधिक प्रगाढ़ बनाने में मदद मिलेगी। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन का यह तीसरा भारत दौरा है। इससे पहले उन्होंने 2022 और उसके बाद 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी और ईयू अध्यक्ष बहुराष्ट्रीय मंचों पर भी अक्सर मुलाकात करते रहते हैं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया | Union Bank of India — शाखाः राजनांदगांव, प्रियदर्शिनी नगर (छ.ग.)

परिशिष्ट–IV कब्जा नोटिस नियम 8 (1)

सेक्यूरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाइनेनशियल असेट्स एंड अनफोर्समेंट ऑफ सेक्युर्टी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के तहत नियम-3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत शाखा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने निम्नलिखित धारकर्ता/जमानतदार व ऋणियों को निम्नलिखित तिथियों में डिमांड नोटिस में दर्शायी गई राशि उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने जारी किया गया था. उधारकर्ता/जमानतदार व ऋणियों द्वारा राशि अदायगी में असफल रहने पर एतद् द्वारा उधारकर्ता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियम-8 के साथ पठित उक्त एक्ट की धारा 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए यहाँ नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा कर लिया गया है।

विशेष रुप से उधारकर्ता/जमानतदार व ऋणियों और जनसामान्य को एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबंधित कोई लेन-देन न करें। निम्नलिखित संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन-देन इस पर वर्णित बकाया राशि ब्याज, आकस्मिक खर्च एवं लागत और शुल्क के लिये **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया** कि संबंधित शाखा के निर्मित प्रभार के अधीन होगी।

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के लिये ध्यानाकर्षित किया गया है।

अ. उधारकर्ता का नाम ब. शाखा का नाम	संपत्तियों का विवरण	1. मांग सूचना की तिथि 2. मांग सूचना राशि रु 3. कब्जे की तिथि
श्री कुंजलाल साहू पुत्र स्व. सोनसाय साहू, 68 वार्ड 11, मोहबा, मोहबा राजनांदगांव (छ.ग.)-491441, **ईश्वर लाल साहू**, मकान नं. 68, वार्ड नं.-13, मोहबा, रेंगाकठेरा, राजनांदगांव (छ.ग.)-491441, **शाखाः राजनांदगांव (छ.ग.)**	खसरा नं. 431/1, प.ह.नं. 25, ग्राम- मोहबा, आरएनएम- खैरझिटी, तहसील व जिलाः राजनांदगांव (छ.ग.) क्षेत्रफल 2583.34 वर्गफीट में स्थित आवासीय संपत्ति।	02/11/2024 ₹ 8,71,376.93 + ब्याज + कानूनी व अन्य शुल्क 20/02/2025
मेसर्स सी.जी. फूड प्रोडक्ट्स, 10 फर्स्ट फ्लोर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सृष्टि गार्डन, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) 492001, **अंजलि गौर**, म.नं. सी48 एचआईजी, शैलेन्द्र नगर, रायपुर, म.नं. सी48 एचआईजी, शैलेन्द्र नगर, रायपुर छ.ग.) 492001, **शाखाः प्रियदर्शिनी नगर (छ.ग.)**	**मालिकः अंजलि गौर**, कार्यालय नं. 10,11, प्रथम तल, सृष्टि गार्डन कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, एयरटेल ऑफिस के सामने, रिंग रोड नं. 1, वार्ड नं. 44, तेलीबांधा, रायपुर, क्षेत्रफल 423 वर्ग फीट में स्थित व्यावसायिक	05/12/2024 ₹ 10,31,751.04 +ब्याज + कानूनी व अन्य शुल्क 19/02/2025

दिनांकः 22.02.2025 — प्राधिकृत अधिकारी/यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- कम्प्युटर ऑपरेटर, सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं-स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन योग्यतानुसार संपर्कः- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइलः - 7746000016, 7747000019. (RO-3160)

आवश्यकता है- सिक्युरिटी गार्ड, मार्केटिंग अफसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर वेतन 14500 से 18000 पता TANGO SECURITY PVT. LTD. ऑरेंज हाइव 6 फ्लोर ऑफिस 603 मोवा रायपुर मो.- 8109070600, 7869230888.(RO-2476)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- थोक व्यवसाय में कार्य करने हेतु अनुभवी ट्रांसपोर्ट लोडिंग व अनलोडिंग के लिए व्यक्ति एंव अनुभवी सेल्समैन, कम्प्युटर ऑपरेटर व हेल्पर की आवश्यकता है संपर्क समय 3 से 6 चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29-30 प्रथम गेट टैक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658, 9425206658. (RO-7252)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान मे कार्य हेतु युवको व युवतियों की अवश्यकता है पार्ट / फुल टाइम संपर्क करें- अजंता बुक डिपो सदर बाजार/अंकित लॉ हाउस मोती बाग रायपुर मो. 8928612345, 9425517483 (RO-6228)

आवश्यकता है- कार एक्सेसरीज की दुकान में सामान लाने ले जाने के लिए जरुरतमंद लड़कों की आवश्यकता है संपर्क करें भाव्या ट्रेडर्स, नवभारत प्रेस के सामने, शहीद स्मारक काम्प्लेक्स, रायपुर मोब. 88188 33330 (RO-om)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सिक्योरिटी गार्ड/ड्रायवर

आवश्यकता है
कॉलोनी में कार्य करने हेतु
सिक्युरिटी गार्ड (ड्युटी समय 12 घंटे)
घरेलू वाहन (कार) चलाने हेतु
अनुभवी ड्रायवर (लाइसेंस आवश्यक)
बायोडाटा सहित मिलें। नशा आदि करने वाले संपर्क ना करें।
संपर्क करें: अवीवा प्राइड, कांदुल रोड, बोरीयाखुर्द रायपुर
मो. 9303389000
Aditya Advt.

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता है ओम ज्वलेर्स शॉप नं.- 64b इंदिरा मार्केट दुर्ग (आरो नं.-7162)

आवश्यकता है- कपड़े दुकान हेतु सेल्समेन, सेल्सगर्ल कैशियर की आवश्यकता है। बायोडाटा सहित संपर्क करें :- शुभम डिस्काउंट प्राइस शॉप, गधाचौक, लक्ष्मी मार्केट सुपेला 8982295205, 6262332111. (RO-345)

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178. (RO-OM)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- पंडरी मार्केट में होलसेल/ रिटेल लेडीस कुर्ती और वेस्टर्न के लिए डिपार्टमेंट हेड और सेल्स कार्य हेतु मेल/फीमेल की आवश्यकता है संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 9300612087. (RO-3317)

ड्रायवर

आवश्यकता है- पैसेंजर एवं कमर्शियल गाड़ी चलाने हेतु ड्राइवर चाहिए लाइसेंस सहित संपर्क करे एवं पैकिंग कार्य हेतु भी संपर्क करे- शीतला एजेंसी रिंग रोड न.1 भाटागांव चौक रायपुर (RO-149)

आवश्यकता है- समीर ट्रेवल्स दुर्ग में कार चलाने हेतु ड्रायवरों की आवश्यकता है आकर्षक वेतन के साथ,सुबह से शाम ड्यूटी संपर्क करें:- मो. 7224062041, 9301744445 (आरो न.-687)

हरिभूमि क्लासीफाईड

टीचर

Requirment- Holy Cross School Byron Bazar Requires: Supervisor Councellor Office Staff PRT/TGT- English, Maths, Science, Computer, Music, Yoga, Sports Dance. PGT- Accountancy, Business Studies, Economics, Sociology, History, Computer, English, Biology, Chemistry, Maths, Physics. Qualified fluent English Speaking trained candidate can apply by 27/02/2025. Contact no. 0771- 3554250, 4088809, E-Mail- hcbbjobs@gmail.com (RO-6232)

Requirment- New Era Montessori, Sunder Nagar, Raipur Urgent Requirement Pre Primary Teachers Walk in Interview, Ph.no- 9669712626 Time- 8.00am to 2pm.(RO-4583)

कृषि/पोल्ट्री कार्य

आवश्यकता है- कृषि एवं पोल्ट्री फार्म (नया रायपुर परसदा उमरिया में) कार्य हेतु आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध है महिला, पुरुष अथवा विकलांग भी संपर्क करे- मो. 9826415569(RO-6231)

कंप्यूटर कर्मी

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने के लिए अनुभवी अकाउंटेंट और कंप्यूटर डाटा एंट्री ऑपरेटर लड़के लड़कियों की आवश्यकता है पता- चंदा एंटरप्राइजेस पंडरी रायपुर संपर्क नंबर 9630775818 (RO-7447)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- पैकेजिंग कार्य के लिए लड़को की आवश्यकता है न्यू राजेंद्र नगर साई मंदिर के पास रायपुर संपर्क 9300904666 वेतन योग्यता अनुसार (RO-6229)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

मशीन ऑपरेटर

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 8462933820, 8357065592

घरेलु/ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- घरेलू कार्य ऑफिस में कॉलिंग कार्य हेतु फीमेल चाहिए- 9039321951, घर बैठे मार्केटिंग से 15000 से 20000 इनकम कर सकते है मेल-फीमेल चाहिए पार्ट टाइम/फुल टाइम फोटो बायोडाटा सहित संपर्क करें:- अरिहंत काम्प्लेक्स नियर गुरुद्वारा रेल्वे स्टेशन रायपुर मनीषा 9981096590, हर्षा 6266560800. (RO-3319)

दर्जी/मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- यूनिफार्म टेलर्स (दर्जी), सेल्स एवं मार्केटिंग के लिए स्मार्ट और अनुभवी स्टॉफ की तत्काल आवश्यकता है (वेतन योग्यतानुसार),शंकर नगर संपर्क- 9111333663, 8826093947. (RO-10472)

कृषि कार्य

आवश्यकता है- कृषि केंद्र मे काम करने हेतु अनुभवी कर्मचारियों की आवश्यकता है स्टोर कीपर- 2 पद , फिल्ड ऑफिसर -2 पद संपर्क:- किसान एग्रो. शॉप न. 38 नया कृषि उपज मंडी दुर्ग छत्तीसगढ़ MO.- 8319341244, 9981419236 (आरो न.-1519)

टेक्नीशियन/टेलीकॉलर

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु आवश्यकता है 12वीं, टेलीकॉलर- 2, ऑफिस असिस्टेंट- 02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव- 4, सर्विस टेक्नीशियन- 2, ऑफिस बॉय- 1 संपर्क करें:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461. (RO-3318)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ड्रायवर/टेलीकॉलर

आवश्यकता है- PVC पाइप दुकान में कार्य करने हेतु लड़के - 04, ड्रायवर -02, टेलीकॉलर -01 Female पता- आर. बी. पाटीदार एंड कंपनी नर्सिंग मील कम्पाऊन्ड प्लेट फार्म नंबर- 7 के पास गुढ़ियारी रायपुर छत्तीसगढ़ मोबाइल नंबर - 8435904413 (RO-6227)

टेक्नीशिन/चौकीदार

आवश्यकता है- हॉस्पिटल हेतु 1. ईसीजी टेक्निशियन, 2. ट्रैनड एवं अनट्रैनड स्टॉफ मेल/फीमेल, 3. ड्राईवर एम्बुलेंस व घरेलू सभी गाड़ी चलाने, 4.चौकीदार चाहिए, रहने की सुविधा मिलेः बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर 0771-2425009. (RO-3303)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- पत्रकारिता एवं रियल स्टेट मार्केटिंग का काम एक साथ कर सके ऐसे ऑलराउंडर व्यक्ति की जरूरत है संपर्क करें खबर वर्ल्ड न्यूज सर्विस तेलीबांधा तालाब के पीछे श्याम नगर रायपुर मोबाइल नंबर 9329228972. (RO-6230)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- सर्जिकल आफिस में लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता,10 वी, 12 वी, संपर्क करेः- रामा मेडिटेक, गीतांजलि नगर, हाऊस नम्बर - 15/A, रायपुर 7089933233(RO-72)

आवश्यकता है- सन्ना ब्लड बैंक में ऑफिस कार्य हेतु लड़की की आवश्यकता है वेतनमान - 25000 + भत्ता इंटरव्यू 23/02/2025 समय 3 से 4- सन्ना ब्लड बैंक सुपेला भिलाई, मो. 9340500141 (आरो नं.-7163)

आवश्यकता है- इंदौर (मध्यप्रदेश) आकर ऑफिस कार्य करने हेतु 18 से 28 वर्ष के अविवाहित लड़को की आवश्यकता है सैलरी 10000 + कमीशन + बोनस + रहना + ट्रैवल फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाये 15 से 20 हजार महीना कोई joining Fees नही ली जायेगी 9691458250, 7024646229, 9575712101. (RO-306)

क्लासीफाईड

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़को की आवश्यकता है जो शहर से बाहर जाकर काम कर सके योग्यता 10वीं 12वी स्नातक तक वेतन 10000 + कमीशन + बोनस रहना खाना ट्रैवलिंग फ्री कोई भी शुल्क नहीं लगेगा और ट्रेनिंग बाद कमाये 20000 हजार महीना। 9685388875, 7415022943 (RO-304)

पैकिंग/लेबर कार्य

आवश्यकता है- चुस्की चाय में पैकिंग कार्य हेतु लेडिस/ लड़कियों की और लेबर कार्य हेतु पुरुष की एवं ड्राइवर की जरूरत है। संपर्क करें- एसबीआई एटीएम के सामने आकृति विहार अम्लीडीह रायपुर। मो . 7469980000, 07714075490. (RO-A)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- रायपुर, शंकर नगर vip वी आई पी कॉलोनी में घरेलू काम , झाड़ पोंछा, चौका, बर्तन तथा साफ सफाई के लिए पति पत्नी (फैमिली) की आवश्कता है, रहने के लिए कमरा उपलब्ध है, , संपर्क करें 9425205358, 9424205358. (RO-34)

पैकिंग/बिलिंग कार्य

आवश्यकता है- 500/- प्रतिदिन (+) ओवरटाइम माल जमाना,माल दिखाना,पैकिंग,बिल बनाना। 12 वी पास लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। संपर्क - पवन ट्रेडर्स, बंजारी रोड, वर्धमान ज्वेलर्स के पीछे, शारदा चौक, रायपुर 9926370555(RO-73)

अकाउन्ट/मार्केटिंग

आवश्यकता है- महिला- कम्प्यूटर, टैली एकाउंट हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग आफिस वर्क, चाय+ सफाई, पुरुष- मेडिकल मशीन/ आर्थो समान मार्केटिंग एवं सर्विस (अनुभव अनिवार्य नहीं), समान लाने लेजाने हेतु पुरुष, गार्ड (रात+ डॉग के लिए), कार ड्राइवर 14000- 20000 पता- भारत मेडिकल सिस्टम MIG-70, नेहरू नगर, बिलासपुर 7879177222, पिनाका मेडिकल Sec-11, कमल विहार, रायपुर 9685489247.(RO-1410)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता

आवश्यकता है- विशाल नेक्स्ट जेन कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. कंपनी में कार्य हेतु आवश्यकता है महिला, योग्यता - 1एमबीए ,1 ग्रेजुएट एवं 1 पुरुष ड्रायवर 12वी तक वेतन योग्यतानुसार की, पता रुंगटा कॉलेज के पास एचपी पेट्रोलपंप के सामने विशाल डेवलपर्स कुरुद भिलाई (छ.ग.) मो. 8109049291, 9301863254 (आरो न.-685)

Services सर्विसेस

सर्विस- सीखे एवं कमाए। जिन व्यक्ति को एयर कंडीशन, टीवी, फ्रिज,वाशिंग मशीन का काम सीखना हो,जिसके लिए 8000 से 10,000 दिया जाएगा एल जी ऑथराइज्ड सर्विस सेंटर, संपर्क 9826190214, 7566600066. (RO-512)

सर्विस - आंचल अमृततुल्य स्वंय का दुकान डाले, बिजनेस करे बिना रिस्क के, कम पूंजी लगाकर या सैलरी में एग्रीमेंट के साथ संपर्क करें ,8234095610 समवेत शिखर कॉम्प्लेक्स, दूसरा मंजिल, रायपुर (छ.ग.) (RO-3316)

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000- 50,000/- प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्कः- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर - 9111760925, 7477221345, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871. (RO-3194)

Property प्रापर्टी

मकान बेचना है - रायपुर सिमरन सिटी फेज 5 मे 550 वर्गफुट मे 875 निर्मित वर्गफुट 2 बी.एच.के. सर्वसुविधायुक्त स्वतन्त्र मकान बेचना है संपर्क करे 9109902833 (RO-om)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मकान बेचना है- चांगोराभाटा 800 वर्गफुट में 2 BHK मकान, कार पोर्च, पीओपी किया हुआ सर्वसुविधायुक्त स्वतंत्र नया मकान बेचना है संपर्क करे मोबाइल नंबरः- 9300505421, 9993451070.(RO-3325)

प्लाट

प्लॉट बेचना है - रजिस्ट्रीफ्री प्लाट रु 251 की दर से उतई कृष्णा पब्लिक स्कूल रोड खोपली में बेचना है भारतमला नेशनलहाइवे से लगभग 1किलोमीटर पर है यहाँ 30-25फिट मुरुमरोड, पानी पाइपलाइन एवं बिजली की सुविधा है, किस्त की सुविधा है, संपर्क - 9407964899, 7000027363.(आरो 688)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि CLASSIFIED RATE CARD (01 जनवरी 2022 से लागू)

EDITION	Appointment	Service/Business	Property	Display
Raipur City	400	500	460	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	350	450	450	150/- Sq cm
Bilaspur City	335	385	410	140/- Sq cm
Raipur All Edition	530	650	640	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	440	490	530	195/- Sq cm
All CG	800	920	910	310/- Sq cm
All CG + MP	1080	1350	1220	330/- Sq cm
All Edition	1350	1700	1600	380/- Sq cm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
Colour 20% Extra Charge For Disply

SCHEME (Running) 1+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50 Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Buisness & Services- ASTROLOGY, S/VS & Others.
8. TOWER & FINANCE AD (No Scheme)

ADVT. Booking time 10.30 am to 3.00 pm.
5% GST for All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3 Scheme

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	2800	2+1
Bhilai + Durg Edition	2600	5+3
Raipur Edition	4000	10+10
Bilaspur City	2200	15+18
Bilaspur Edition	3500	
All CG	5000	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
400 /- 1 Sunday	500 /- 1 Sunday
700 /- 2 Sunday	900 /- 2 Sunday
900/- 3 Sunday	1200/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	45000	72000	92000
Bilai + Durg Edition	40000	65000	85000
Bilaspur City	30000	50000	70000
Raipur All Edition	57000	90000	115000
Bilaspur All Edition	45000	75000	90000
All CG	100000	160000	200000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com | Ring Road-2, Gaurav Path Marg, Bilaspur. Ph.: 07752-271016, Mob.: 09329711674 E-mail- hbclassified375@gmail.com

वैवाहिकी वधु चाहिए

वधु चाहिए
ब्राह्मण वर्षो से अकेले अधिकारी को अधिकतम 45 वर्ष तक की "जिम्मेदारीमुक्त" महिला साथी चाहिए जाति बंधन नहीं उच्च जाति को प्राथमिकता स्वयं फोन करें.
मो.: 7898132122

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित अविवाहित सजातीय अपर कास्ट, वधु चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करे 9131453175

मांगलिक वधु चाहिए
32 वर्षीय, 5'4" अग्रवाल/ ग्रेजुएट, बिलासपुर में दुकान व घर है, छत्तीसगढ़ या मध्यप्रदेश से हिंदी भाषी अविवाहित कन्या चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें।
6232014944

Healthcare

चिकित्सा मे अचूक प्रामाणिक प्रयोग

यदि आप सभी उपाय एवं ईलाज कराकर थक गये हो। ना ही दवा को आप छोड़ पाते है ना ही दवा आपको छोड़ता हो बीमारी बार-बार होता हो तो रस रसायन एकमात्र उपाय है। ये सदा के लिए रोग से मुक्ति दिलाकर नवजीवन प्रदान करता है। क्योंकि यह वीर्य के निर्माण के साथ इम्यून सिस्टम में काम करता है जो अचूक है। यह रोग ही नही कारण को दूर करता है।

रस-रसायन अर्थात आयुर्वेद के रस भस्म थोड़ा महंगा परंतु सटिक प्रमाणिक चिकित्सा है। जो रोगी के शरीर मे जाने पर चूक नहीं सकता परंतु वात पित्त कफ से सबंधित रोग का निर्णय दवा का गुण एवं सटिक मात्रा की जानकारी होना आवश्यक है।

(1) समस्त प्रकार के लाईलाज चमड़ी रोग सोरायसिस, जोड़ो में दर्द, ऊंगलियों का टेढ़ा होना, नाखूनों का सड़ना।
(2) समस्त प्रकार के वायरस-जन्य रोग हेपाटाइटिस (ABC) हर्पिस रोग (स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने-फूंसी, छाले चमड़ी का फटना, लाल होना, रूबेला) जीवाणु जन्य रोग, सिफलिस, गौनोरिया (सूजाक)
(3) समस्त प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी एवं यौन रोग। नोट : पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग(इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आजतक कोई भी उपाय नहीं हैं। सावधान !

बायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल फार्मा साईंटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग,।
मोबा.: 9425555659, 9617789223, 9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

बिजनेस साइट

सुमीत ग्रुप के कमर्शियल प्रोजेक्ट 'सुमीत ट्रेड सेंटर' की हुई ग्रैंड लॉन्चिंग, मिला शानदार रिस्पांस

शहर के प्राइम लोकेशन पर बिजनेस करने का नया अनुभव

रायपुर। सुमीत ग्रुप ने राजधानी के प्राइम लोकेशन पचपेढ़ी नाका में 'सुमीत ट्रेड सेंटर' के नाम से अपने नए कमर्शियल प्रोजेक्ट की ग्रैंड लॉन्चिंग की। 22 और 23 फरवरी तक चलने वाले इस लॉन्चिंग इवेंट के पहले दिन कमर्शियल प्रॉपर्टी बायर्स का अच्छा रिस्पांस देखने को मिला। लोगों ने विजिट कर स्पाट बुकिंग की। इस अवसर पर सुमीत ग्रुप के प्रमुख नमित कांकरिया ने बताया कि हमारा उद्देश्य शहर के लोगों को प्राइम लोकेशन पर बेहतरीन कमर्शियल प्रॉपर्टी देना है, जिससे लोगों को बेहतरीन बिजनेस करने का अनुभव मिले। उन्होंने कहा कि इस नए कमर्शियल प्रोजेक्ट को 'कनेक्टिविटी विद कन्वेनिएंट' की थीम पर तैयार किया गया है। जहां तीन भव्य टावरों का निर्माण किया गया है। इसमें 48 रिटेल स्टोर्स और 126 ऑफिस स्पेस है जो वेल इक्विपड इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ डेवलप किया गया है। नमित कांकरिया ने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट का लोकेशन खास है, क्योंकि यह नया रायपुर और पुराना रायपुर दोनों से कनेक्टेड है। यहां से एयरपोर्ट, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन समते कई महत्वपूर्ण लोकेशन करीब है। इस प्रोजेक्ट में ऐसी सुविधाएं दी गई हैं, जो इसे शहर के टॉप कमर्शियल प्रोजेक्ट्स में शामिल करती हैं। सुविधाओं में बैंड लैंडस्केप, बड़ा लॉबी एरिया, हाई फुटफॉल, लिफ्ट, ग्रैंड एंट्रेंस, वेलकम प्लाजा शामिल है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य आकर्षण इसका रुफटॉप कैफेटेरिया है, जहां लोग काम के बाद स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

श्री शिवम के 22वीं एनिवर्सरी ऑफर में ग्राहकों को मिल रही 22% की छूट

रायपुर। प्रतिष्ठित फैमिली फैशन स्टोर श्री शिवम ने अपने 22 वर्षों की यात्रा पूरी की है। इस अवसर पर श्री शिवम अपने ग्राहकों को एक्सक्लूसिव एनिवर्सरी ऑफर के तहत 22% की विशेष छूट दे रहा है। यह ऑफर 22 फरवरी से 28 फरवरी तक उपलब्ध रहेगा और इस दौरान ग्राहकों को 10,000 रु की खरीदारी पर 11% की तत्काल छूट दी जाएगी, साथ ही 11% का एक कूपन भी मिलेगा, जिसका उपयोग मार्च में किया जा सकेगा।

श्री शिवम ने अपने ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता, स्टाइलिश फैशन और विशाल रेंज की पेशकश की है। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, नागपुर और छिंदवाड़ा में स्थित उनके शोरूम ग्राहकों को शादी-ब्याह, त्यौहार या अन्य खास अवसरों पर यादगार शॉपिंग अनुभव प्रदान करते हैं। श्री शिवम का उद्देश्य अपने ग्राहकों की संतुष्टि को सर्वोपरि रखते हुए फैशन और गुणवत्ता में निरंतर उत्कृष्टता बनाए रखना है। इस विशेष ऑफर के माध्यम से, वे अपने ग्राहकों को उनके प्यार और सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं।

रामकृष्ण केयर अस्पताल में 'सर्जिकल एक्सीलेंस ब्रिजिंग इनोवेशन विद केयर' पर दो दिवसीय सम्मेलन

रायपुर। रामकृष्ण केयर अस्पताल ने एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया (एएसआई) के छत्तीसगढ़ राज्य चैप्टर का 23वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन का विषय 'सर्जिकल एक्सीलेंस - ब्रिजिंग इनोवेशन विद केयर' था, जो सर्जरी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और उपचार विधियों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। दो दिवसीय इस सम्मेलन में देशभर से प्रसिद्ध राष्ट्रीय संकायों ने भाग लिया और लाइव सर्जरी सत्रों के माध्यम से सर्जरी के क्षेत्र में हालिया प्रगति को दर्शाया। इन सत्रों में 250 से अधिक प्रतिभागियों और 10 से अधिक राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिन्होंने जटिल सर्जिकल मामलों का प्रदर्शन किया।

सम्मेलन में बॉम्बे अस्पताल के प्रसिद्ध जनरल, लेप्रोस्कोपिक और कोलोरेक्टल सर्जन डॉ. निरंजन अग्रवाल ने सर्जिकल तकनीकों में हुए बदलाव और एआई सक्षम रोबोटिक तकनीक के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन नई तकनीकों से इलाज की लागत में कमी आती है और मरीजों की रिकवरी तेजी से होती है। इसके साथ ही उन्होंने छोटे शहरों में सर्जनों के लिए निरंतर शिक्षा और तकनीकी उन्नयन के महत्व पर जोर दिया। एएसआई के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण राजेंद्र सूर्यवंशी ने स्वास्थ्य सेवा में सामर्थ्य और किफायती उपचार विकल्पों की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने टियर 2 शहरों में उच्च तकनीकी चिकित्सा सुविधाओं के शुरू होने से उपचार की लागत को नियंत्रित करने की संभावना पर चर्चा की। इस सम्मेलन का आयोजन अस्पताल की सर्जिकल टीम द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. संदीप दवे और उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER

सोना या शेयर... कहां पैसा लगाना ज्यादा फायदेमंद

- दोनों के 20 साल के रिटर्न से समझें पूरी रणनीति
- सोने की कीमतों में 2023-2025 में बढ़ोतरी जारी
- भू-राजनीतिक तनाव से कीमतें प्रभावित हुईं
- सोने व सेंसेक्स ने पिछले 20 वर्षों में समान रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

वर्ष 2023 से सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखी गई है, जो 2025 में भी जारी है। ये बढ़ोतरी भू-राजनीतिक तनावों, मुद्रास्फीति और शेयर बाजार की गिरावट के कारण हुई है। पिछले 20 वर्षों में सोना और सेंसेक्स ने समान रिटर्न दिया है, जिससे दोनों निवेशों की अहमियत स्पष्ट होती है। सोना रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है। 2023 और 2024 में सोने की कीमतों में 13% और 27% की बढ़ोतरी देखी गई। 2025 में भी यह तेजी जारी है। अब तक इससे लगभग 10% का रिटर्न मिल चुका है। इस सोने की दौड़ के पीछे कई कारण हैं। इनमें बढ़ती महंगाई, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और शेयर बाजार में गिरावट शामिल हैं। ऐतिहासिक रूप से सोने को इन जोखिमों से बचाव का सबसे अच्छा तरीका माना जाता रहा है।

इस बात को भूल जाते हैं लोग

अंतराष्ट्रीय सोने की कीमत अमेरिकी डॉलर में होती है। डॉलर में किसी भी मजबूती का मतलब भारतीय रुपये में कमजोरी है। ऐतिहासिक रूप से रुपये ने डॉलर के मुकाबले मूल्य खोया है। इसलिए जब रुपया कमजोर होता है तो सोने का मूल्य बढ़ता है। यह सोने के भारतीय रुपये-मूल्यवर्ग के रिटर्न को बढ़ाता है। भारतीय निवेशकों के लिए सोने में अतिरिक्त रिटर्न (सालाना 2% और 3% के बीच) रुपये के अवमूल्यन से आया है।

इसलिए डायवर्सिफिकेशन जरूरी : सोना और स्टॉक अलग-अलग प्रकार के निवेश हैं, उन्होंने दो दशकों में समान रिटर्न प्रदान किया है। एक दूसरे से बेहतर हैं या नहीं यह बाजार की स्थितियों, जोखिम की भूख और निवेश लक्ष्यों पर निर्भर करता है। इक्विटी और बॉन्ड के साथ सोने में अच्छा निवेश कॉन्सेंट्रेशन रिस्क को कम करते हुए पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान करता है। कुल मिलाकर आपके एसेट एलोकेशन के हिस्से के रूप में दोनों का सही अनुपात में होना जरूरी है।

सोना रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है। 2023 और 2024 में सोने की कीमतों में 13% और 27% की बढ़ोतरी देखी गई। 2025 में भी यह तेजी जारी है। अब तक इससे लगभग 10% का रिटर्न मिल चुका है। इस सोने की दौड़ के पीछे कई कारण हैं। इनमें बढ़ती महंगाई, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और शेयर बाजार में गिरावट शामिल हैं। ऐतिहासिक रूप से सोने को इन जोखिमों से बचाव का सबसे अच्छा तरीका माना जाता रहा है।

सोने में तेजी की वजह क्या

2020 के बाद भू-राजनीतिक तनाव ने सोने की कीमतों को हवा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दरों में कटौती के अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-हमास संघर्ष और चीन-ताइवान के बीच बढ़ते तनाव के चलते सोने की कीमतें बढ़ी हैं। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में वापसी से वैश्विक अनिश्चितता बढ़ गई है। ट्रंप की टैरिफ नीतियां व्यापार युद्ध शुरू कर सकती हैं। इसका वैश्विक मुद्राओं पर महत्वपूर्ण असर पड़ेगा। सोने का भाव देश में 89 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया है। कुछ समय पहले बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स भी 25 सितंबर, 2024 को पहली बार 85,000 के स्तर को पार कर गया था। सेंसेक्स 27 सितंबर, 2024 को 85,978 के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। यह 85,571 पर बंद हुआ था, जो अब तक का सबसे ऊंचा लेवल है। आइए देखते हैं कि पिछले 20 वर्षों में रिटर्न के मामले में दोनों में किसने बाजी मारी है।

किसने मारी बाजी

2005 में सेंसेक्स 8,000 पर था। वहीं, सोना लगभग 7,000 रुपये प्रति 10 ग्राम था। 2025 में सोना और सेंसेक्स (29 सितंबर, 2024) दोनों 85,000 रुपये को पार कर गए। दोनों के बीच यह स्तर छूने में चार महीने का अंतर रहा। हालांकि, एक लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट व्यू ऐसे अंतरों को दूर करता है। चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) फॉर्मूला का इस्तेमाल करते हुए दोनों एसेट्स ने पिछले 20 सालों में 12% से 13% का वार्षिक रिटर्न दिया है। क्या यह एक अद्भुत संयोग नहीं है? लेकिन एक बात है, जिसे लोग अक्सर भूल जाते हैं।

एसआईपी से जुड़े सात सवाल जवाब में छिपी फायदे की बात

सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक पॉपुलर तरीका है। रिटेल इनवेस्टर बड़े पैमाने पर एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाते हैं, लेकिन क्या ज्यादातर निवेशक एसआईपी के जरिये निवेश की रणनीति को ठीक से समझते हैं? पिछले दिनों शेयर बाजार में गिरावट के दौरान अधिकांश फंड्स के एसआईपी रिटर्न भी घटे। उस पर निवेशकों के बीच जिस तरह से घबराहट देखने को मिली और लोग एसआईपी को कटघरे में खड़ा करने लगे, उसे देखकर तो यही लगता है कि इस बारे में और अधिक समझदारी बनाने की जरूरत है। अगर रिटेल निवेशकों को एसआईपी के जरिये निवेश का पूरा फायदा उठाना है, तो उनके लिए निवेश के इस तरीके को सही संदर्भ में समझना और उससे जुड़ी गलतफहमियों को दूर करना जरूरी है।

एसआईपी क्या एक अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट है

बहुत सारे इनवेस्टर एसआईपी को एक अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट समझ लेते हैं. जबकि सच ये है कि एसआईपी कोई अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट नहीं है। दरअसल, सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान किसी भी म्यूचुअल फंड में डिसिप्लिन के साथ रेगुलर इनवेस्टमेंट करने का एक तरीका है। ऐसा तरीका, जो निवेश करने की प्रक्रिया को आम निवेशकों के लिए आसान और सुविधाजनक बना देता है। साथ ही इसके जरिये रेगुलर इनवेस्टमेंट का डिसिप्लीन यानी अनुशासन भी मेंटेन किया जा सकता है। एसआईपी का मतलब है, आपके चुने हुए इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट यानी म्यूचुअल फंड स्कीम में, पहले से तय अंतर पर (मसलन, हर महीने या 3 महीने में) एक निश्चित रकम निवेश करना यानी इसमें एक फिक्स्ड रकम, पहले से तय फ्रीक्वेंसी के हिसाब से आपके चुने हुए म्यूचुअल फंड में निवेश कर दी जाती है। यानी असल में आपका फंड या चुनी हुई स्कीम ही इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट है, जबकि एसआईपी तो सिर्फ उसमें पैसे लगाने का एक सुविधाजनक और बेहतर तरीका है।

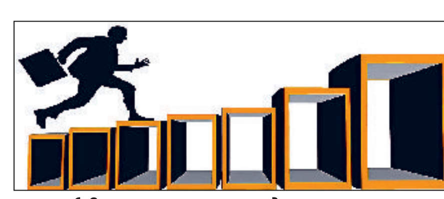

एसआईपी क्या एक अलग एसेट क्लास

नहीं। एसआईपी कोई अलग एसेट क्लास नहीं है, लेकिन एसआईपी के जरिये आप अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करने वाले फंड्स में पैसे जरूर लगा सकते हैं। मिसाल के तौर पर अगर आप गोल्ड फंड में एसआईपी करते हैं, तो आपके पैसे उस फंड के जरिये गोल्ड में निवेश होते हैं। यानी एसआईपी कोई अलग एसेट क्लास नहीं, बल्कि इनवेस्टमेंट का तरीका है। कुछ-कुछ वैसे ही, जैसे पोस्ट ऑफिस या बैंक में आप रिकरिंग डिपॉजिट के जरिये पैसे जमा करते हैं।

एसआईपी से तय होता है कम या ज्यादा रिटर्न

एसआईपी के जरिये किए जाने वाले निवेश पर आपको कितना रिटर्न मिलेगा, यह उस फंड के परफॉर्मेंस से तय होता है, जिसमें आप पैसे डाल रहे हैं। एसआईपी को निवेश का बेहतर तरीका इसलिए माना जाता है, क्योंकि इसमें निवेश की टाइमिंग का टेंशन नहीं रहता है। यानी एक साथ पूरे पैसे लगाने की तुलना में एसआईपी के जरिये थोड़े-थोड़े करके पैसे डालने पर इनवेस्टमेंट की टाइमिंग से जुड़ा रिस्क कम हो जाता है। इसका फायदा लंबे अरसे में मिलता है. लेकिन ऐसा नहीं कहा जा सकता कि एसआईपी के जरिये निवेश करने पर मिलने वाला रिटर्न लंपसम यानी एकमुश्त निवेश के रिटर्न से हमेशा ज्यादा या कम ही होगा। इसकी वजह ये है कि लंपसम इनवेस्टमेंट का रिटर्न किसी हद तक निवेश की टाइमिंग पर भी निर्भर रहता है।

एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में पैसे लगाने पर रिटर्न की कोई गारंटी भी नहीं होती।

एसआईपी क्या सिर्फ छोटे निवेशकों के लिए

एसआईपी की बड़ी खूबी है कि आप इसके माध्यम से हर महीने सिर्फ 500 रुपये या उससे भी छोटी रकम से भी निवेश की शुरुआत कर सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं कि एसआईपी सिर्फ छोटे निवेशकों के लिए है। सच तो यह है कि एसआईपी में इनवेस्टमेंट की कोई अपर लिमिट यानी ऊपरी सीमा नहीं होती। इसलिए बड़ी पूंजी लगाने वाले हाई नेटवर्थ निवेशक भी एसआईपी के जरिये निवेश करते हैं। उनकी एसआईपी में दिलचस्पी इसलिए रहती है, क्योंकि इसके जरिये पैसे लगाने पर बाजार के उतार-चढ़ाव से फायदा होता है। मार्केट चढ़ने पर एसआईपी की रकम में कम यूनिट्स मिलती हैं, लेकिन जब बाजार गिरता है, तो एसआईपी के उसी फिक्स अमाउंट में ज्यादा यूनिट्स मिल जाती हैं।

EXECUTIVE ENGINEER,
MINOR IRRIGATION DIVISION, BOKARO.

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.) फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर दोपहर 2.30 बजे

भारत एक जीत से सेमीफाइनल में बनाएगी जगह

चैंपियंस ट्रॉफी : भारत और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बीच महामुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के महामुकाबले में भारत और पाकिस्तान रविवार को यहां आमने सामने होंगे। इस मैच में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम की निगाह सेमीफाइनल में जगह पक्की करने पर टिकी होगी जबकि मोहम्मद रिजवान के नेतृत्व वाली टीम टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने से बचने की कोशिश करेगी।

भारत ने जहां अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की वहीं पाकिस्तान को न्यूजीलैंड से 60 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था। उपमहाद्वीप की इन दोनों टीम के बीच चैंपियंस ट्रॉफी में आखिरी मुकाबला 2017 में फाइनल में हुआ था जिसमें पाकिस्तान की टीम ने जीत हासिल की थी। भारत और पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला पूर्व की तरह बहुचर्चित नहीं है जिससे उम्मीद की जा रही है कि दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ग्रुप ए के इस मैच में दोनों टीम थोड़ा सहज होकर मैदान पर उतरेंगी।

'ऑफ साइड' पहेली पर कोहली ने दिया ध्यान

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के मैच से पहले स्पिन गेंदबाजों के सामने जमकर अभ्यास किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 36 वर्षीय कोहली तेज गेंदबाजों की ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंदों पर आउट हुए। वह चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 22 रन बनाकर आउट हो गए थे। वनडे में कोहली को लगातार छह बार स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया है। कोहली ने अभ्यास के दौरान अधिकतर स्पिन गेंदबाजों का सामना किया। इनमें लेग स्पिनर, ऑफ़ स्पिनर और बाएं हाथ के स्पिनर शामिल थे।

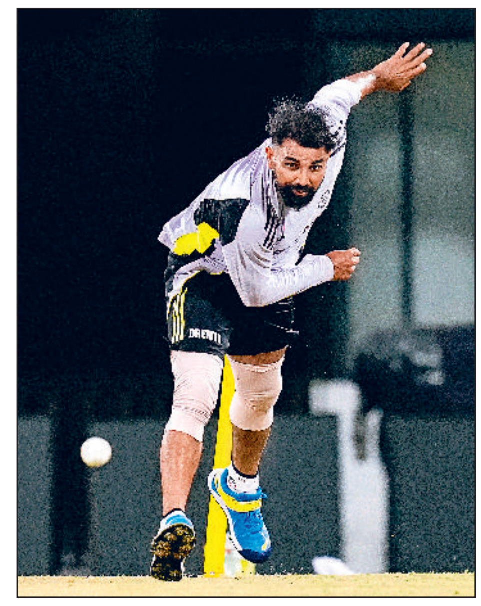

शमी बरपा रहे कहर

भारतीय गेंदबाजी अच्छी नजर आती है। फिट होकर वापसी करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पिछले मैच में पांच विकेट हासिल किए थे। उन्हें हर्षित राणा का भी अच्छा सहयोग मिला था। शमी की शानदार गेंदबाजी से फिलहाल यह तय हो गया है कि भारत को अभी जसप्रीत बुमराह की कमी नहीं खलेगी जो चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। ऑल राउंडर हार्दिक पंड्या आईसीसी की प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के 2017 के फाइनल में भी उन्होंने भारत की आखिर तक उम्मीद बनाए रखी थी।

फायदे में भारत

भारतीय टीम प्रत्येक पहलू में फायदे की स्थिति में नजर आ रही है। उसकी टीम ने यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह सामंजस्य बिठा लिया है जबकि पाकिस्तान की टीम कराची में न्यूजीलैंड के हाथों करारी हार के बाद यहां पहुंची है। भारत और पाकिस्तान की टीम जब आमने-सामने होती हैं तो खिलाड़ियों पर काफी दबाव होता है। भारतीय टीम हालांकि इस तरह की परिस्थितियों से निपटने में बेहतर नजर आती है।

फार्म में भारतीय बल्लेबाज

कप्तान रोहित शर्मा की फॉर्म भारत के लिए चिंता का विषय बनी हुई थी लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे लगता है कि इस सलामी बल्लेबाज ने अपनी लय हासिल कर ली है। उन्होंने 41 रन की तूफानी पारी खेल कर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की शानदार फॉर्म भारत के लिए बहुत अच्छा संकेत है। उन्होंने पिछले मैच में शतक बनाया था जिससे भारत ने 229 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया था।

लोगो में मेजबान पाकिस्तान का नाम हटाए जाने से पीसीबी खफा

एजेंसी ▶▶| कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और बांग्लादेश के बीच गुरुवार को दुबई में खेले गए मैच के सीधे प्रसारण के दौरान दिखाए गए टूर्नामेंट के लोगो में देश का नाम न होने पर खेल की संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सामने अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

पीसीबी सूत्रों के अनुसार आईसीसी ने गलती स्वीकार कर ली है और आश्वासन दिया है कि वह दुबई में सभी मैचों में पाकिस्तान के नाम के साथ तीन पंक्ति वाले लोगो का उपयोग करेगा। भारत ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार कर दिया था और वह हाइब्रिड फार्मूले के तहत अपने मैच दुबई में खेल रहा है। भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए मैच के प्रसारण में ऊपर बाएं तरफ जो लोगो लगा था उसमें केवल चैंपियंस ट्रॉफी 2025 लिखा था। उसमें मेजबान पाकिस्तान का नाम नहीं था।

कोई मुफ्त पास नहीं देगा पीसीबी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहली बार मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दीर्घाओं, वीआईपी क्षेत्र या हास्पिटेलिटी बॉक्स के लिए कोई मुफ्त पास नहीं देने का फैसला किया है। आम तौर पर पाकिस्तान में जब भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट होता है तो पीसीबी मीडिया, सरकारी महकमों, वीआईपी या प्रायोजकों के लिए मुफ्त पास के तौर पर टिकट रखता है। इस बार पीसीबी अध्यक्ष के निजी मेहमानों और प्रायोजकों के लिए कुछ टिकट को छोड़कर कोई कोटा या मुफ्त पास नहीं रखे गए हैं।

आस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा कर जीता मैच

एजेंसी ▶▶| लाहौर

जोश इंगलिस का पहला वनडे शतक बेन डकेट की 165 रन की यादगार पारी पर भारी पड़ा। विश्व चैंपियन आस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए चैंपियंस ट्रॉफी ग्रुप बी के अपने पहले मैच में शनिवार को इंग्लैंड को पांच विकेट से हरा दिया। डकेट के कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी की मदद से इंग्लैंड ने आठ विकेट पर 351 रन बनाए जो चैम्पियंस ट्रॉफी का सर्वोच्च स्कोर है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने 2004 में अमेरिका के खिलाफ चार विकेट पर 347 रन बनाए थे। आस्ट्रेलिया ने जीत का लक्ष्य 47.3 ओवर में हासिल कर लिया। इंगलिस ने 86 गेंद में छह छक्कों और आठ चौकों की मदद से 120 रन बनाए। उन्होंने एलेक्स केरी के साथ पांचवें विकेट के लिए 146 रन की साझेदारी की जो निर्णायक साबित हुई। केरी ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए 63 गेंद में 69 रन बनाए। इंगलिस ने मार्क वुड को डीप मिडविकेट पर छक्का जड़कर टीम को जीत तक पहुंचाया।

सबसे बड़ा स्कोर

स्कोर	टीम	खिलाफ	वर्ष
356/5	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड	2025
351/8	इंग्लैंड	ऑस्ट्रेलिया	2025
347/4	न्यूजीलैंड	अमेरिका	2004
338/4	पाकिस्तान	भारत	2017
331/7	भारत	द.अफ्रीका	2013

हाइएस्ट वनडे स्कोर

स्कोर	खिलाड़ी	बनाम	वर्ष
188*	गैरी कस्टर्न	यूएई	1996
181	विव रिचर्ड्स	श्रीलंका	1987
180*	फखर जमां	न्यूजीलैंड	2023
165	बेन डकेट	ऑस्ट्रेलिया	2025

गुलवीर सिंह 5000 मीटर में विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई

नई दिल्ली। भारत के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर सिंह ने अमेरिका के बोस्टन में एक इनडोर प्रतियोगिता में 5000 मीटर दौड़ में एशियाई इंडोर का रिकॉर्ड को तोड़ते हुए इस साल के आखिर में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई किया। गुलवीर ने शुक्रवार को बोस्टन में टेरियर डीएमआर चैलेंज इनडोर प्रतियोगिता में 12 मिनट और 59.77 सेकंड का समय लेकर चौथा स्थान हासिल किया। इस तरह से वह 13 मिनट से कम समय में 5000 मीटर दौड़ने वाले पहले भारतीय बन गए। बोस्टन यूनिवर्सिटी ट्रैक पर अपने शानदार प्रदर्शन से उन्होंने थाईलैंड के किरन ट्यून्टिवेट के 2022 में बनाए गए 13 मिनट 8.41 सेकंड के पिछले एशियाई इनडोर 5000 मीटर रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर के बीच टोक्यो में आयोजित की जाएगी। पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में इसके लिए क्वालीफाई करने का मानक 13 मिनट 01 सेकंड है।

दीपिका ने दागा 26वां गोल, भारत ने जर्मनी को हराया

भुवनेश्वर। स्टार ड्रैग फ्लिकर दीपिका के गोल की मदद से भारत ने एफआईएच महिला प्रो लीग हॉकी मैच में शनिवार को जर्मनी को रिटर्न चरण में 1-0 से हराया। दीपिका ने 12वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा। जर्मनी ने शुक्रवार को भारत को 4-0 से हराया था। भारत को अब 24 फरवरी को नीदरलैंड से खेलना है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com